विक्रम संवत् 2081 ▪ ऑश्विन (क्वॉर)/कार्तिक मास(08) ▪ 01 अक्टूबर 2024 ▪ मूल्य : 23 रु.

चरैवेति

मोदी 3.0@100 दिन

15 लाख करोड़ से ज्यादा की योजनाओं पर काम शुरु

आर.एन.आई. पंजीयन क्र.017261/69, डाक पंजीयन क्र. म.प्र./भोपाल/297/2024-26, पृष्ठ संख्या-44, प्रकाशन दिनांक प्रत्येक माह की 10 तारीख, पोस्टिंग प्रत्येक माह की 15 एवं 20 तारीख

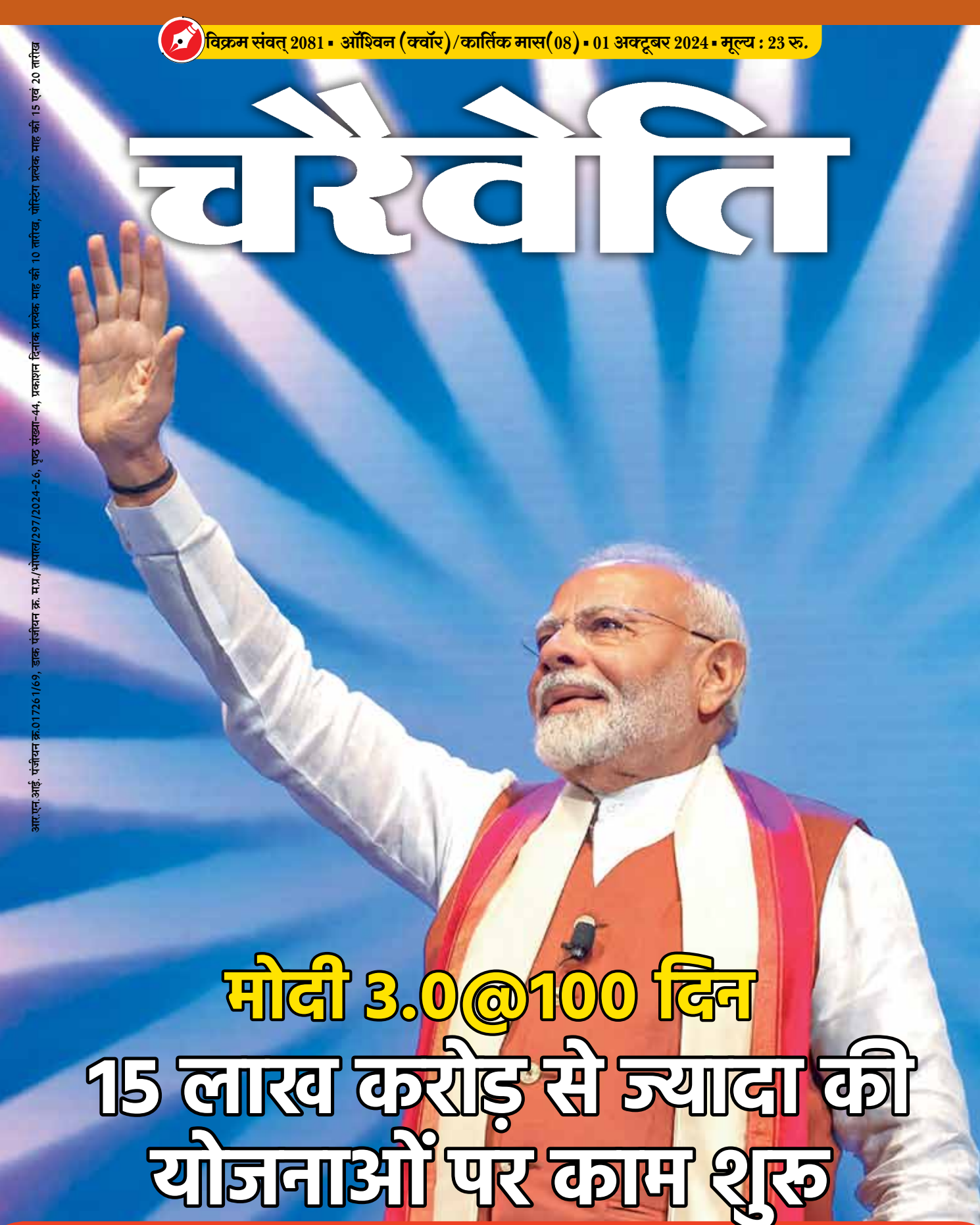

▪ प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित किया।

▪ प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं अमेरिका के राष्ट्रपति श्री जोसेफ आर. बाइडेन ने द्विपक्षीय बैठक की।

▪ प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी दीपज्योति के साथ 7, लोक कल्याण मार्ग में।

▪ प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी मुख्य न्यायाधीश डॉ. डी.वाई. चंद्रचूड़ जी के आवास पर गणपति पूजा में शामिल हुए।

▪ भाजपा अध्यक्ष श्री जे.पी. नड्डा जी ने पं. दीनदयाल उपाध्याय जी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

▪ भाजपा अध्यक्ष श्री जे.पी. नड्डा जी ने श्री लाल कृष्ण आडवाणी जी को सदस्यता की प्रति दी।

▪ भाजपा अध्यक्ष श्री जे.पी. नड्डा जी ने डॉ. मुरली मनोहर जोशी जी को सदस्यता की प्रति दी।

▪ भाजपा अध्यक्ष श्री जे.पी. नड्डा जी ने सेवा पखवाड़ा में भाग लिया।

अनुक्रमणिका

संपादकीय ▪ संजय गोविन्द खोचे 04

▪ अब भारत अनुसरण नहीं, नेतृत्व करता है

कवर स्टोरी ▪ 05

▪ 100 दिनों में 15 लाख करोड़ से ज्यादा की योजनाओं पर काम शुरू

05

23

▪ **कवर स्टोरी** 08-11

» मील के पत्थर बनेंगे मोदी सरकार के 100 दिन... 08

» मोदी सरकार 3.0 के पहले 100 दिनों में कई क्रांतिकारी... 10

▪ **सेवा पखवाड़ा** 12

» मोदी जी के जीवन पहलुओं पर चित्र प्रदर्शनी...

▪ **अमेरिका में पीएम मोदी** 13

» संकल्प - सुराज और समृद्ध भारत के लिए जीवन समर्पण...

▪ **राष्ट्रीय सदस्यता अभियान-2024** 18-26

» पार्टी सदस्यता अभियान के लक्ष्य को पूरा करेगी... 18

» भाजपा ही जीवंत संगठन-अमित शाह... 20

» प्रदेश में सज रहा वैभव का चित्र-विष्णुदत्त शर्मा... 22

» मध्यप्रदेश को नंबर एक राज्य बनाने, लक्ष्य से अधिक... 23

» लक्ष्य बड़ा नहीं, उसे हासिल करें कार्यकर्ता... 24

» भाजपा के सदस्यता अभियान में बन रहा इतिहास... 26

▪ **वन नेशन-वन इलेक्शन** 27

» वन नेशन, वन इलेक्शन का निर्णय ऐतिहासिक - विष्णुदत्त शर्मा

▪ **आलेख : डॉ. मोहन यादव** 28-30

» श्री नरेन्द्र मोदी के रूप में विशाल भारत को मिला... 28

» पं. दीनदयाल उपाध्याय स्वावलंबी और समर्थ समाज... 30

▪ **क्षमावाणी महोत्सव** 32

» मुख्यमंत्री निवास में क्षमावाणी महोत्सव...

▪ **मन की बात** 33

» 'मन की बात' के श्रोता ही असली सूत्रधार

▪ **जयंती** 37-40

» बारडोली सत्याग्रह की सफलता पर महिलाओं ने सरदार की... 37

» आज भी देशभक्ति के लिए प्रेरित करता है जय जवान... 38

» आत्म शुद्धि के बिना अहिंसा का पालन असंभव : गांधीजी... 39

» त्याग एवं समर्पण की प्रतिमूर्ति राजमाता विजया राजे सिंधिया... 40

▪ **विचार प्रवाह : पं. दीनदयाल उपाध्याय** 41

» संस्कृति राष्ट्र की आत्मा है

• मुख्य व्रत-त्यौहार

2. स्नान दान श्राद्ध अमावस्या, पितृमोक्ष अमावस्या 3. शारदीय नवरात्रारंभ, बैठकी 4. चन्द्रदर्शन 6. विनायकी चतुर्थी व्रत 7. उपांग ललिता व्रत 10. सरस्वती पूजा, निशा पूजा 11. दुर्गाष्टमी, महाष्टमी व्रत, दुर्गा नवमी व्रत, जवारे विसर्जन 12. विजयादशमी, दशहरा 13. पापांकुशा एकादशी व्रत 15. प्रदोष व्रत 16. कोजागरी व्रत, शरद पूर्णिमा 17. स्नानदान व्रत पूर्णिमा, शरदोत्सव 20. गणेश, करवा चौथ व्रत 22. स्कन्द षष्ठी व्रत 24. अहोई अष्टमी व्रत 28. रमा एकादशी, गोवत्स द्वादशी 29. धनतेरस, प्रदोष व्रत 30. शिव चतुर्दशी, रूप चौदस 31. दीपावली, लक्ष्मी कुबेर पूजा

• मुख्य जयंती-दिवस

1. विश्व वृद्ध एवं रा. रक्तदान दिवस, रायबहादुर डॉ. हीरालाल जयंती, म. प्राणनाथ प्रगटन महोत्सव 2. म. गाँधी, लालबहादुर शास्त्री ज.10. विश्व मानसिक स्वास्थ्य, दृष्टि दि. 12. साईं बाबा, डॉ. लोहिया पु. ति., राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ स्था. दि. 16. म. दमघोष ज., असाटी दिवस 17. म. अजमीढ़ जयंती, करम परब, संत सिंगाजी मेला (निमाड़), टेकचंद महाराज समाधि दिवस 31. सरदार पटेल ज.,स्वामी दयानंद निर्वाणोत्सव।

वर्ष-56, अंक : 08, भोपाल, अक्टूबर 2024

हमारे प्रेरणास्रोत

पं. दीनदयाल उपाध्याय

ध्येय बोध

बिना किसी उद्देश्य या दिशा के जिये गये नीरस जीवन का कोई मतलब नहीं है। जीवन में कुछ बड़ा प्राप्त करने के लिए आपको अपना सर्वस्व दांव पर लगा देना चाहिए और अपने विश्वास के बल पर छलांग लगानी चाहिए।

- पं. दीनदयाल उपाध्याय

•

सचिव, मुद्रक, प्रकाशक
एवं सम्पादक
संजय गोविंद खोचे*

•

सहायक सम्पादक
पं. सलिल मालवीय

•

व्यवस्थापक
योगेन्द्रनाथ बरतरिया
मोबा. नं. 09425303801

•

पं. दीनदयाल विचार प्रकाशन म.प्र. के लिये मुद्रक एवं प्रकाशक संजय गोविंद खोचे द्वारा पं. दीनदयाल परिसर, ई-2, अरेरा कालोनी, भोपाल-462016 से प्रकाशित

एवं एम. पी. प्रिंटर्स, बी-220, फेस-II, गौतमबुद्ध नगर, नोएडा - 201 305 से मुद्रित.

•

संपादकीय पता
पं. दीनदयाल परिसर,
ई-2, अरेरा कालोनी, भोपाल- 462016
e-mail:charevetibpl@gmail.com
web site:www.charaiveti.org

मूल्य- तेईस रुपये

*समाचार चयन के लिए पी.आर.बी.एक्ट के तहत जिम्मेदार

पूरे विश्व में भारतीय होना गर्व की बात होती है। पूरे विश्व के किसी भी कोने में संकट में भारत सबसे पहले सहायक बनकर खड़ा हो जाता है। अब भारत सहायता मांगने वाला देश नहीं, सहायता देने वाला देश है, अब भारत किसी देश का अनुसरण नहीं करता,अब भारत नेतृत्व करता है, सारी खूबियों के बाद भी भारत वसुधैव कुटुंबकम का पालन करता है।

अब भारत अनुसरण नहीं, नेतृत्व करता है

सितंबर 2024, अपने आप में विशिष्टताओं से भरा माह रहा, यह माह यादगार भी है, रोमांचक भी है, प्रेरणादाई भी है। संयोग की बात है कि, भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का 17 सितंबर को जन्मदिन भी था और 26 मई, 2014 को पहली बार भाजपा की पूर्ण बहुमत की सरकार के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लेने वाले मोदी जी ने, 60 वर्षों बाद, लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की, 9 जून 2024 को शपथ लेकर, 17 सितंबर 2024 को, अपने तीसरे कार्यकाल के प्रथम 100 दिवस पूर्ण किए। चुनाव से पहले ही मोदी जी ने स्पष्ट कर दिया था कि भारत तीसरे कार्यकाल में बड़े फैसले लेगा। 9 जून 2024 को शपथ लेने के बाद सरकार अपने एजेंडे पर जुट गई। गरीब, किसान, नौजवान और नारी शक्ति के सशक्तिकरण के लिए बड़े-बड़े फैसले लिए गए। इंफ्रास्ट्रक्चर के आधुनिकीकरण व विस्तार में गति से कार्य प्रारंभ किए गए। प्रधानमंत्री जी की दूरदृष्टि के कारण भारत हर मोर्चे पर अभूतपूर्व गति व अभूतपूर्व स्केल पर तेजी से आगे बढ़ा। भारत 2014 में विश्व की दसवीं अर्थव्यवस्था था जो 2024 में मात्र 10 वर्षों की उपलब्धि में पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया और अब तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर तेजी से अग्रसर है।

मोदी जी का संकल्प है, देश से वादा है, मोदी जी की गारंटी है, 2047 तक भारत विकसित भारत होगा। मात्र शेष बचे 23 वर्षों के प्रयासों की पराकाष्ठा के परिणाम स्वरूप भारत 50 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बन जाएगा। सारे विश्व की बड़ी-बड़ी अर्थव्यवस्थाएं डगमगा रही हैं पर भारत की अर्थव्यवस्था तेजी से आगे की ओर अग्रसर है। विदेशी निवेश लाइन लगाकर खड़ा है। 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से ऊपर आ गए हैं। विशिष्टताओं से भरा, संघर्ष-चुनौतियों से बड़ा पथ, मोदी जी को विश्व नेता के रूप में स्थापित करता है। कभी कहा जाता था की - पैसे पेड़ पर नहीं उगते हैं, पर आज भारत 100 दिनों में 15 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा की योजनाओं पर काम शुरू कर देता है। पूरे विश्व में भारतीय होना गर्व की बात होती है। पूरे विश्व के किसी भी कोने में संकट में भारत सबसे पहले सहायक बनकर खड़ा हो जाता है। अब भारत सहायता मांगने वाला देश नहीं, सहायता देने वाला देश है, अब भारत किसी देश का अनुसरण नहीं करता,अब भारत नेतृत्व करता है, सारी खूबियों के बाद भी भारत वसुधैव कुटुंबकम का पालन करता है। डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया, यूपीआई, आत्मनिर्भर भारत, गरीब कल्याण, नारी सशक्तिकरण, स्वच्छता, रेल-रोड-वायु व जल परिवहन या आवागमन, उन्नत इंफ्रास्ट्रक्चर, शिक्षा, कृषि उत्पादन, स्वच्छ पेयजल, विद्युत की उपलब्धता, पर्यावरण संरक्षण, किसानों के लिए बीज, प्रधानमंत्री कृषि समृद्धि योजना, बिजली, सिंचाई के लिए पानी, फसल बीमा योजना, किसान क्रेडिट कार्ड, सस्ता व सुलभ यूरिया, बढ़ता न्यूनतम समर्थन मूल्य, श्री अन्न, भंडारण, परिवहन, वितरण व विक्रय की सुविधा, और पैसा सीधे खाते में, गांव-गांव तक ऑप्टिकल फाइबर का विस्तार, वायु मार्गों का विस्तार, वर्ल्ड क्लास रेलवे, बुजुर्गों का सम्मान व स्वास्थ्य की रक्षा व 5 लाख तक की निःशुल्क स्वास्थ्य सुविधा, संसद से लेकर स्थानीय निकाय, ग्राम पंचायत तक महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण, भारत अब आयातक नहीं निर्यातक देश, नई ऊंचाईयों को छूता विदेशी मुद्रा भंडार, बिना लीकेज के केंद्र से चला पैसा हितधारक के खाते में, यह सब भारत की पहचान बन चुके हैं। यही मोदी जी की भाजपा है, एनडीए की 10 वर्षों की शासन काल की शानदार उपलब्धियां हैं। भाजपा शासन काल में नागरिकों में जबरदस्त उत्साह का संचार हुआ है। निराशा के गर्त में डूबा भारत अब उत्साह से भविष्य के प्रति आशान्वित है, विकसित भारत @ 2047 के प्रति मोदी की गारंटी मान कर निश्चिंत है। विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र में भाजपा ही एकमात्र ऐसा राजनीतिक दल है जिसमें उसकी पंचनिष्ठाऐं और संविधान का पूर्णतः पालन होता है। जनमानस ने जान लिया है,10 वर्षों के शासन के बाद भी भाजपा में लोकतंत्र कायम है। भाजपा की निष्ठाओं में कोई परिवर्तन नहीं आया। सत्ता के लिए कोई आश्चर्यजनक योजना या स्तब्ध कर देने वाला कोई समझौता, भाजपा ने नहीं किया, यही कारण है भाजपा के प्रति जनता का विश्वास मजबूत से और अधिक मजबूत होता जा रहा है। अब केरल में भी भाजपा का लोकसभा सदस्य है। उड़ीसा में पहली बार भाजपा की पूर्ण बहुमत की सरकार है। यह चमत्कार जनता के भरोसे व मजबूत संगठन से संभव हो पाया है। मध्य प्रदेश में 29 में से 29 लोकसभा सीटें भाजपा की हैं। विधानसभा में 163 विधायक हैं। राज्यसभा में धीरे-धीरे बहुमत की तरफ भाजपा अग्रसर है। यह चमत्कार नहीं जनता का भरोसा है, मजबूत संगठन का आधार है और बूथ स्तर तक भाजपा का सक्रिय कार्यकर्ता है।

भाजपा का सदस्यता अभियान, केवल सदस्यता अभियान नहीं, जनता व कार्यकर्ताओं ने इसे जन आंदोलन में परिवर्तित कर दिया है। सारे भेदभाव को दरकिनार कर लोगों ने उत्साह उमंग व विश्वास के साथ सदस्यता अभियान को ऐतिहासिक बना दिया। इतना विश्वसनीय तथा पारदर्शिता के साथ सदस्यता अभियान, विश्व में शायद ही किसी राजनीतिक दल ने किया हो। भाजपा को विश्व के सबसे बड़े राजनीतिक दल का दर्जा जनता व कार्यकर्ताओं ने ही दिलवाया है। यह विश्वास का प्रतीक है।

वन नेशन-वन इलेक्शन में सरकार आगे बढ़ रही है। उम्मीद है शीघ्र ही देश को लगातार चलने वाले चुनावों से मुक्ति मिलेगी। देश व सरकार चुनाव में ही उलझ कर रहने की जगह अपना समय, ऊर्जा, व धन देश हित में लगाएगी। देश की प्रगति में और तेजी लाने में सरकार का यह निर्णय बहुत सार्थक सिद्ध होगा।

7 अक्टूबर 2024, को माननीय प्रधानमंत्री जी के शासन अध्यक्ष के रूप में 23 वर्ष पूर्ण हो रहे हैं। बीते 23 वर्ष प्रधानमंत्री जी के बिना रुके बिना थके, पल-पल देश के लिए समर्पित रहे। पहले गुजरात फिर देश को प्रगति के नए पायदान पर पहुंचाया देश के नागरिकों में उत्साह का संचार किया, बेहतर व उन्नत भविष्य सुनिश्चत किया। ▪

(संजय गोविन्द खोचे)
सम्पादक

100 दिनों में 15 लाख करोड़ से ज्यादा की योजनाओं पर काम शुरु

- पीएम आवास योजना-ग्रामीण के तहत 30,000 से अधिक घरों को मंजूरी।
- अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण के सिंगल विंडो आईटी सिस्टम (SWITS) को लॉन्च किया।
- तीसरे कार्यकाल के पहले 100 दिनों में सभी का प्रभावशाली विकास किया गया है।
- 70 वर्ष से अधिक उम्र के सभी बुजुर्गों को 5 लाख रुपये का मुफ्त इलाज देकर गरीबों और मध्यम वर्ग के स्वास्थ्य को लेकर लिया गया बड़ा फैसला।
- नमो भारत रैपिड रेल से मध्यमवर्गीय परिवारों को बहुत सुविधा मिलेगी।
- 100 दिनों में वंदे भारत नेटवर्क का विस्तार अभूतपूर्व है।
- यह भारत का समय है, यह भारत का स्वर्णिम काल है, यह भारत का अमृत काल है।
- भारत के पास अब खोने के लिए समय नहीं है, हमें भारत की साख और बढ़ानी है और हर भारतीय को सम्मानजनक जिंदगी भी देनी है।
- भारत के विकास का उत्सव निरंतर जारी है।

ये भारत के लोकतंत्र की बहुत बड़ी घटना है। मैंने लोकसभा चुनाव के दौरान देशवासियों को एक गारंटी दी थी। मैंने कहा था कि तीसरे टर्म के पहले 100 दिन, देश के लिए अभूतपूर्व फैसले लिए जाएंगे।

बीते 100 दिनों में, मैंने दिन नहीं देखा, रात नहीं देखा, 100 दिन के एजेंडे को पूरा करने के लिए पूरी ताकत झोंक दी...देश हो या विदेश, जहां भी, जो भी प्रयास करने थे, वो किए... कोई कोर कसर बाकी नहीं छोड़ी।

60 साल के बाद देश की जनता ने एक नया इतिहास रचा है। एक सरकार को लगातार तीसरी बार देश की सेवा करने का अवसर दिया है। ये भारत के लोकतंत्र की बहुत बड़ी घटना है। मैंने लोकसभा चुनाव के दौरान देशवासियों को एक गारंटी दी थी। मैंने कहा था कि तीसरे टर्म के पहले 100 दिन, देश के लिए अभूतपूर्व फैसले लिए जाएंगे। बीते 100 दिनों में, मैंने दिन नहीं देखा, रात नहीं देखा, 100 दिन के एजेंडे को पूरा करने के लिए पूरी ताकत झोंक दी...देश हो या विदेश, जहां भी, जो भी प्रयास करने थे, वो किए... कोई कोर कसर बाकी नहीं छोड़ी। और आपने देखा होगा पिछले 100 दिन में न जाने कैसी कैसी बातें होने लगी। इस दौरान मेरा मजाक उड़ाने लगे... मोदी का मखौल उड़ाने लगे... भांति-भांति के तर्क-वितर्क बताते रहे...

मजा लेते थे और लोग भी हैरान थे कि मोदी क्या कर रहा है? क्यों चुप है? इतनी मजाक हो रहा है... इतना अपमान हो रहा है।

लेकिन ये सरदार पटेल की भूमि से पैदा हुआ बेटा है। हर मजाक, हर मखौल, हर अपमान को सहते हुए, एक प्रण लेकर के 100 दिन मैंने कल्याण के लिए, देश हित के लिए नीति बनाने और निर्णय लेने में जुटा हुआ था। और तय किया था जिनको जितना मखौल उड़ाना है उड़ाने दो। उनको भी तो मौज आएगी, लेलो लेलो। और मैंने तय किया था मैं एक भी जवाब नहीं दूंगा। जिस रास्ते पर मुझे देश के कल्याण के मार्ग पर चलना है। कितने ही प्रकार के हंसी, मजाक, ठिठौरापन होता रहे, मैं अपनी इस राह से भटकूंगा नहीं। और आज मुझे खुशी है कि उन सब अपमानों को पचाते हुए 100 दिन के इन निर्णयों में, देश के हर नागरिक, हर परिवार, हर वर्ग के कल्याण की गारंटी पक्की हो गई है। इन 100 दिनों में 15 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा योजनाओं पर काम शुरू हुआ है। चुनाव के दौरान 3 करोड़ नए घर बनाने की गारंटी देश को दी थी। इस गारंटी पर तेजी से काम हो रहा है। गांव हो या शहर, हम सभी को बेहतर जिंदगी जीने के लिए व्यवस्थाएं जुटाने में लगे हैं। शहरी मिडिल क्लास के घरों के लिए आर्थिक मदद देना हो... श्रमिकों को सही किराए पर अच्छा घर देने का अभियान हो... फैक्ट्रियों में काम करने वालों के लिए विशेष आवास योजना बनानी हो... वर्किंग वूमन के लिए देश में नए होस्टल बनाने हो... सरकार इन पर हजारों करोड़ रुपए खर्च कर रही है।

कुछ दिन पहले ही गरीब और मिडिल क्लास के स्वास्थ्य से जुड़ा बहुत बड़ा फैसला लिया गया। मैंने वायदा किया था कि देश में 70 वर्ष से ऊपर के जितने भी बुजुर्ग हैं, सबको 5 लाख रुपए का मुफ्त इलाज मिलेगा। ये गारंटी भी पूरी हो गई है। अब मिडिल क्लास के बेटे-बेटियों को अपने मां-बाप के इलाज की चिंता नहीं करनी पड़ेगी। ये बेटा, इसकी चिंता करेगा।

इन 100 दिनों में नौजवानों की नौकरी, उनके रोजगार-स्वरोजगार, उनके कौशल विकास के लिए बड़े फैसले लिए गए हैं। नौजवानों के लिए 2 लाख करोड़ रुपए का विशेष पीएम-पैकेज घोषित किया गया है। इसका फायदा 4 करोड़ से अधिक नौजवानों को होगा। अब कंपनियों में पहली नौकरी की पहली सैलरी, अगर कंपनी नए नौजवान को पहली बार रोजगार देती है तो वो पैसे सरकार देने वाली है। सरकार ने मुद्रा लोन, जिस मुद्रा लोन ने स्वरोजगार के क्षेत्र में एक नई क्रांति लाई है, बहुत सफल अभियान रहा है। उसकी सफलता को देखते हुए पहले 10 लाख रुपये तक मिलते थे, अब उसे बढ़ाकर के 20 लाख रुपया कर दिया गया है।

मैंने माताओं-बहनों को गारंटी दी थी कि देश में 3 करोड़ लखपति दीदी बनाई जाएंगी। बीते सालों में 1 करोड़ लखपति दीदी बन चुकी हैं। लेकिन आपको खुशी होगी कि तीसरे टर्म में पहले 100 दिन में पूरे देश में 11 लाख नई लखपति दीदी बनी हैं। हाल में ही, सरकार ने तिलहन उगाने वाले किसानों के हित में भी बड़ा फैसला किया। ये फैसला इसलिए लिया गया है, ताकि देश के किसान हमारे तिलहन किसानों को बढ़े हुए MSP से भी ज्यादा कीमत मिले। तिलहन किसानों को फायदा हो। इसके लिए विदेशी तेल के आयात पर शुल्क बढ़ाया गया है। इससे सोयाबीन और सूरजमुखी जैसी फसलें उगाने वाले किसानों को बहुत लाभ होगा। और देश को खाद्य तेल में आत्मनिर्भर बनाने के मिशन को भी गति मिलेगी। सरकार ने बासमती चावल और प्याज के निर्यात पर भी जो रोक लगी हुई थी उसे भी हटा दिया है। इससे विदेशों में भारत के चावल और प्याज की मांग बढ़ी है। इस निर्णय से भी देश के करोड़ों किसानों को फायदा होगा।

बीते 100 दिनों में रेल, रोड, पोर्ट, एयरपोर्ट और मेट्रो से जुड़े दर्जनों प्रोजेक्ट्स को स्वीकृति दी गई है। 100 दिनों के अंदर देशभर के अनेक शहरों में मेट्रो के विस्तार से जुड़े निर्णय लिए गए हैं।

अहमदाबाद और भुज के बीच नमो भारत रेपिड रेल चलने लगी है। नमो भारत रेपिड रेल देश में एक शहर से दूसरे शहर रोज आने जाने वाले हमारे मिडिल क्लास परिवारों को बहुत सुविधा देने वाली है। इससे नौकरी-पेशा, व्यापार-कारोबार और पढ़ाई-लिखाई से जो साथी जुड़े हुए हैं, उनको बहुत लाभ मिलेगा। आने वाले समय में देश के अनेक शहरों को नमो भारत रेपिड रेल कनेक्ट करने वाली है।

वंदे भारत ट्रेनों के नेटवर्क को इन 100 दिनों में जिस तेजी से बढ़ाया गया है, वो तो अभूतपूर्व है। इस दौरान देश में 15 से अधिक नए रूट्स पर नई वंदे भारत ट्रेनें शुरु हो चुकी हैं। इसका मतलब ये हुआ कि पिछले 15 सप्ताह में हर सप्ताह एक हिसाब से 15 सप्ताह में 15 नई मेट्रो। देश में सवा सौ से ज्यादा वंदे भारत ट्रेनें हर रोज हजारों लोगों को बेहतर सफर का आनंद दे रही हैं।

भारत के लिए ये समय...भारत का गोल्डन पीरियड है...भारत का अमृतकाल है। अगले 25 साल में हमें अपने देश को विकसित बनाना है।

आपको याद होगा...इस बार लाल किले से मैंने भारत में बनने वाले सामानों की क्वालिटी की बात की है। जब हम कहते हैं कि ये एक्सपोर्ट क्वालिटी का है... तो कहीं ना कहीं ये भी मान लेते हैं कि जो एक्सपोर्ट नहीं हो रहा... उसकी क्वालिटी शायद उतनी बेहतर नहीं है। और इसलिए कहते हैं ये एक्सपोर्ट क्वालिटी का है। हमें इस मानसिकता से बाहर निकलना है। मैं चाहता हूं... अपने बेस्ट क्वालिटी के प्रॉडक्ट्स के लिए भारत पूरी दुनिया में अपनी शानदार पहचान बनाए।

आज भारत जिस तरह नए संकल्पों के साथ काम कर रहा है... विदेशों में भी भारत की आज वाह-वाही हो रही है। हाल के दिनों में मुझे अनेक देशों में, अनेक बड़े मंचों पर भारत का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिला। दुनिया में भारत को कितना मान-सम्मान मिल रहा है। दुनिया में हर कोई भारत का, भारतीयों का खुले मन से स्वागत करता है। हर कोई चाहता है कि भारत के साथ अच्छे रिश्ते बने। अगर कहीं कोई संकट है, कहीं कोई समस्या है, तो लोग समाधान के लिए भारत को याद करते हैं। जिस प्रकार भारत के लोगों ने लगातार तीसरी बार स्थिर सरकार बनाई... जिस प्रकार भारत तेज गति से विकास कर रहा है... उससे दुनिया की उम्मीदें और अधिक बढ़ गई हैं। और 140 करोड़ देशवासियों का ये अटूट भरोसा ही है... जिसके चलते मैं भी सीना चौड़ा

करके, गर्व के साथ दुनिया को भरोसा देता हूं, मेरे देशवासियों की ताकत के कारण। भारत पर इस बढ़ते भरोसे का सीधा फायदा, भारत के किसान, भारत के नौजवान को होता है। जब भारत पर भरोसा बढ़ता है तो हमारे स्किल्ड नौजवानों की डिमांड बढ़ती है। जब भारत पर भरोसा बढ़ता है तो हमारा एक्सपोर्ट बढ़ता है और देश में ज्यादा निवेश आता है। जब भारत पर भरोसा बढ़ता है तो विदेशी निवेशक भारत में अपना पैसा लगाते हैं, फैक्ट्रियां लगाते हैं।

एक तरफ, हर देशवासी पूरी दुनिया में भारत का ब्रांड एंबेसडर बनना चाहता है। अपने देश के सामर्थ्य को आगे बढ़ाने में लगा है...वहीं देश में ही नेगेटिविटी से भरे कुछ लोग, उल्टा काम कर रहे हैं। ये लोग देश की एकता पर प्रहार कर रहे हैं। सरदार पटेल ने हमें 500 से ज्यादा रियासतों को मिलाकर भारत का एकीकरण किया। सत्ता के भूखे ये लालची लोग... भारत के ही टुकड़े-टुकड़े कर देना चाहते हैं। आप लोगों ने सुना होगा...अब ये लोग मिलकर कह रहे हैं कि जम्मू-कश्मीर में आर्टिकल-370 को वापस ले आएंगे.. ये लोग जम्मू-कश्मीर में दो संविधान-दो विधान का नियम फिर लागू करना चाहते हैं। तुष्टिकरण के लिए ये लोग किसी भी हद को पार कर रहे हैं... नफरत से भरे हुए ये लोग भारत को बदनाम करने का कोई मौका नहीं छोड़ते। इसलिए इनसे सतर्क भी रहना है और इन पर नजर भी रखनी है।

विकसित होने के रास्ते पर चल रहा भारत... ऐसी ताकतों से डटकर मुकाबला करेगा। भारत के पास अब गंवाने के लिए समय नहीं है। हमें भारत की साख भी बढ़ानी है और हर भारतीय को सम्मान का जीवन भी देना है। हम सभी के प्रयासों से हमारे हर संकल्प सिद्ध होंगे।

आपके लिए, आपके सपनों के लिए अपना पल-पल खपा दूंगा। आपका कल्याण, आपके जीवन की सफलता, आपके सपनों को साकार करना, जीवन में इसके सिवाय कोई इच्छा नहीं है, कोई आकांक्षा नहीं है। सिर्फ और सिर्फ आप ही, मेरे देशवासी ही मेरे आराध्य हैं। मैंने मेरे इस आराध्य देव की पूजा में अपने आपको आहूति देने करने का निर्णय कर लिया है, अपने आपको खपाने का निर्णय कर लिया है। और इसलिए जीऊंगा तो आपके लिए, जूझता रहूंगा तो आपके लिए, जी-जान से खपता रहूंगा तो आपके लिए। आप मुझे आशीर्वाद दें। करोड़ों-करोड़ों देशवासियों के आशीर्वाद से एक नए आत्मविश्वास के साथ नए उमंग और नए हौसले के साथ मैं 140 करोड़ भारतवासियों के सपनों के लिए जी रहा हूं, जीता हूं, जीना चाहता हूं। आपका प्यार बढ़ता ही चला जा रहा है, बढ़ता ही चला जा रहा है और मेरा हौसला भी बुलंद होता चला जा रहा है। ▪

तृतीय कार्यकाल के 100 दिन ऐतिहासिक- मुख्यमंत्री डॉ. यादव

प्रधानमंत्री श्री मोदी के तृतीय कार्यकाल में किये गये ऐतिहासिक कार्यों में महिलाओं का बेहतर भविष्य सुनिश्चित हुआ है।

90 लाख स्व-सहायता समूहों के माध्यम से 10 करोड़ महिलाएं सशक्त हुई हैं। विकसित भारत के अन्नदाता समृद्ध हो रहे हैं।

प्रधानमंत्री श्री मोदी के तृतीय कार्यकाल के 100 दिन राष्ट्र की उन्नति और समग्र विकास के प्रति उनकी अटल प्रतिबद्धता के साक्षी हैं। आज देश का प्रत्येक व्यक्ति गर्व से कहता है कि "मोदी जी जो कहते हैं, वो करके दिखाते हैं।"

प्रधानमंत्री श्री मोदी के तृतीय कार्यकाल में किये गये ऐतिहासिक कार्यों में महिलाओं का बेहतर भविष्य सुनिश्चित हुआ है। 90 लाख स्व-सहायता समूहों के माध्यम से 10 करोड़ महिलाएं सशक्त हुई हैं।

विकसित भारत के अन्नदाता समृद्ध हो रहे हैं। पी. एम. किसान सम्मान निधि की 17वीं किस्त जारी कर 9.3 करोड़ किसानों के खाते में 20 हजार करोड़ रुपए अंतरित किए गये हैं। भारत में बिछ रहा सड़कों के विशाल नेटवर्क में 50 हजार 600 करोड़ रुपए की लागत वाली 8 हाई-स्पीड रोड कॉरिडोर परियोजनाओं को स्वीकृति दी गई है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी के तृतीय कार्यकाल में भारत में खड़े हो रहे वर्ल्ड क्लास इंफ्रास्ट्रक्चर सड़क, रेल, बंदरगाह और वायुमार्गों के विश्व स्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए 3 लाख करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। सबका अपने घर का सपना साकार हो रहा है। इसके अंतर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना में तीन करोड़ घरों के लिए 4.35 लाख करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए हैं। देश के प्रत्येक कोने में रेल नेटवर्क का विस्तार हो रहा है। नई 8 रेलवे लाइन परियोजनाओं के लिए 24 हजार करोड़ रुपए से अधिक की धनराशि स्वीकृत की गई है।

प्रधानमंत्री 3.0 कार्यकाल में कर्मचारियों और पूर्व सैनिकों का कल्याण एकीकृत पेंशन योजना के तहत 23 लाख केंद्रीय कर्मचारियों को 50 प्रतिशत पेंशन देने का निर्णय लिया गया। आयुष्मान भारत योजना में 70 वर्ष और उससे अधिक उम्र के सभी नगारिकों को शामिल किया गया है। भारत के स्पेस सेक्टर को अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था के लिए एक हजार करोड़ रुपए की प्रोत्साहन राशि का आवंटन किया गया है। 100 दिन में देश के एमएसएमई सेक्टर को अत्यधिक बल देने के लिए एमयूडीआरए ऋण की सीमा 10 लाख रुपए से बढ़ाकर 20 लाख रुपए की गई है। ▪

विकसित भारत के संकल्प की पूर्ति में

मील के पत्थर बनेंगे मोदी सरकार के 100 दिन - विष्णुदत्त शर्मा

- **प्रधानमंत्री श्री मोदी ने 100 दिनों में किए गरीब कल्याण और विकास के ऐतिहासिक काम।**
- **दुनिया में बढ़ी भारत की विश्वसनीयता, ग्लोबल लीडर बने प्रधानमंत्री मोदी जी।**
- **देश के विकास के लिए 100 दिनों में दी 15 लाख करोड़ की परियोजनाओं की सौगात।**

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत ने 120 से अधिक देशों के साथ तीसरे "वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ" शिखर सम्मेलन की मेजबानी की।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने गरीब कल्याण के क्षेत्र में भी ऐतिहासिक काम किए हैं और देश के राजनीतिक इतिहास में पहली बार 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर आए हैं।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी **विकसित भारत@2047** के संकल्प को लेकर आगे बढ़ रहे हैं और मोदी 3.0 के 100 दिन उसी संकल्पना को साकार करने में समर्पित रहे हैं। 15 लाख करोड़ की परियोजनाओं की सौगात विकसित भारत की दिशा में मील का पत्थर साबित होंगी। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी लगभग 13 वर्षों तक गुजरात के मुख्यमंत्री रहे और 2014 से लगातार तीसरी बार भारत के प्रधानमंत्री चुने गए। सार्वजनिक जीवन के ढाई दशकों से ज्यादा समय बिना रुके, बिना थके, देश की सेवा करने का काम प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने किया है। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश में उनके जन्म दिवस को सेवा पखवाड़े के रूप में मना रही है।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी शपथ ग्रहण के साथ ही भारत के ऐसे दूसरे नेता बन गए हैं, जिन्होंने तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली हो। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के पिछले दो कार्यकाल में दुनिया में भारत का मान-सम्मान बढ़ा है।

भारत के प्रति दुनिया का जो विश्वास बढ़ा है, वह हम सभी देख रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत ने 120 से अधिक देशों के साथ तीसरे ''वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ'' शिखर सम्मेलन की मेजबानी की। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने गरीब कल्याण के क्षेत्र में भी ऐतिहासिक काम किए हैं और देश के राजनीतिक इतिहास में पहली बार 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर आए हैं। प्रधानमंत्री जी के काम और उनके व्यक्तित्व के आधार पर उनकी छवि एक ग्लोबल लीडर की बन गई है। पहले गुजरात के मुख्यमंत्री और फिर देश के प्रधानमंत्री के रूप में काम करते हुए श्री नरेंद्र मोदी जी ने एक दिन की भी छुट्टी नहीं ली। कार्यशैली और व्यक्तित्व के अनुसार प्रधानमंत्री जी पर महाकवि रामधारी सिंह दिनकर की ये पंक्तियां बिल्कुल सटीक बैठती हैं-

''वसुधा का नेता कौन हुआ, भूखण्ड-विजेता कौन हुआ
अतुलित यश क्रेता कौन हुआ,
नव-धर्म प्रणेता कौन हुआ
जिसने न कभी आराम किया,
विघ्नों में रहकर नाम किया।''

बीते 100 दिनों में अधोसंरचना के विकास के लिए 15 लाख करोड़ की परियोजनाओं की सौगात देश को मिली है। इन परियोजनाओं से जहां लाखों रोजगार के अवसर पैदा होंगे, वहीं देश के विकास को भी दिशा मिलेगी। इन परियोजनाओं में से 3 लाख करोड़ की परियोजनाएं सड़कों, रेल सुविधाओं और बंदरगाहों के विकास के लिए हैं। 50600 करोड़ की लागत से आधुनिक तकनीक से युक्त सड़कें और हाईवे बनाए जायेंगे। देश को 8 नई रेल परियोजनाएं मिली हैं, जिनमें मध्यप्रदेश की इंदौर-मनमाड़ रेल लाइन भी शामिल है। यह

रेल परियोजना प्रदेश के आदिवासियों के विकास का पथ साबित होंगी।

देश के किसानों का जीवन कैसे बेहतर बने, इसके लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने भागीरथी प्रयास किए हैं। किसानों के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए मोदी सरकार ने देश के 9 करोड़ 3 लाख किसानों को पीएम किसान सम्मान निधि के 20 हजार करोड़ रूपए जारी किए हैं। अब तक 12 करोड़ 33 लाख किसानों के बैंक खातों में 3 लाख करोड़ रूपये की राशि भेजी जा चुकी है। न्यूनतम समर्थन मूल्य के माध्यम से प्रधानमंत्री जी ने 12 करोड़ किसानों को 2 लाख करोड़ का लाभ पहुंचाया है। किसानों के लिए 14,200 करोड़ की 7 प्रमुख योजनाओं को मंजूरी प्रदान की है, जिसमें डिजिटल एग्रीकल्चर मिशन शामिल है। नई राष्ट्रीय सहकारिता नीति की ड्राफ्ट रिपोर्ट भी तैयार हो चुकी है, जिसे जल्द ही अंतिम रूप दिया जा रहा है। मध्यप्रदेश में भी किसानों और आम लोगों को लाभ पहुंचाने के लिए प्रत्येक पंचायत में मल्टी कोऑपरेटिव सोसाइटी की व्यवस्था लागू की जाएगी। किसानों को प्याज और बासमती चावल के दाम और अच्छे मिलें, इसके लिए प्रधानमंत्री जी ने प्याज और बासमती चावल से न्यूनतम निर्यात मूल्य हटाने और प्याज पर निर्यात शुल्क को 40 प्रतिशत से घटाकर 20 प्रतिशत कर दिया है। किसानों को आर्थिक रूप से मजबूत करने के लिए कृषि इंफ्रास्ट्रक्चर फंड का विस्तार किया जा रहा है। कृषि क्षेत्र में क्रांति लाने तथा स्टार्ट-अप और रूरल इंटरप्राइजेज को सपोर्ट करने के लिए एग्रीस्योर नामक एक नया फंड लॉन्च किया गया है। बीते 100 दिनों में प्रधानमंत्री जी ने हर वर्ग के हितों का ध्यान रखते हुए कदम उठाए हैं। मध्यम वर्ग को बड़ी राहत देते हुए टैक्स राहत की सीमा 7 लाख रूपये तक बढ़ा दी गई है। सरकारी कर्मचारियों के लिए यूनिफाईड पेंशन स्कीम लागू की गई है।

बेघर गरीबों के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 3 करोड़ नए घर स्वीकृत किए गए हैं। लोगों को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत 2.50 लाख से अधिक घरों में सौर ऊर्जा का सिस्टम लगाया गया है। युवाओं के लिए रोजगार और कौशल को बढ़ावा देने के लिए 2 लाख करोड़ के पीएम पैकेज की घोषणा की गई है, इससे 5 साल में 4.1 करोड़ से अधिक युवाओं को लाभ मिलेगा। 1 करोड़ युवाओं को टॉप कंपनियों में इंटर्नशिप के अवसर और एकमुश्त सहायता राशि मिलेगी। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के कुशल नेतृत्व में दीनदयाल अंत्योदय योजना के तहत 10 करोड़ से अधिक महिलाओं को संगठित कर 90 लाख से अधिक स्वयं सहायता समूह बनाए गए हैं। 11 लाख लखपति दीदियों को प्रमाण पत्र दिए गए हैं और लखपति दीदियों की संख्या 1 करोड़ से अधिक हो गई है।

पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए पर्यटन दीदियों एवं पर्यटन मित्रों के माध्यम से स्वयं सहायता समूहों को जोड़ा जा रहा है। पीएम जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान चलाकर 63 हजार जनजातीय गांवों का विकास किया जा रहा है। कचरा बीनने वालों को भी सफाई कर्मचारियों के साथ शामिल कर उनके सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण के लिए कार्य किया जा रहा है।

स्टार्ट-अप को बढ़ावा देने के लिए प्रधानमंत्री जी ने 31 प्रतिशत बोझ वाले एंजल टैक्स को समाप्त किया है। विदेशी कंपनियों के लिए कार्पोरेट टैक्स को 40 प्रतिशत से घटाकर 35 प्रतिशत किया गया है। मुद्रा लोन की सीमा 10 लाख से बढ़ाकर 20 लाख कर दी गई है। इससे रेहड़ी-पटरी पर रोजगार करने वालों को आसानी से बिना ब्याज का ऋण मिलेगा। छोटे व्यापारियों को बिना गारंटी के लोन देने और मशीनरी व अन्य सामान खरीदने के लिए क्रेडिट गारंटी योजना शुरू की गई है।

देश में आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत गरीबों को 5 लाख रुपये तक मुफ्त उपचार मिल रहा है। प्रधानमंत्री जी ने देशभर के बुजुर्गों के स्वास्थ्य को लेकर आयुष्मान भारत योजना का विस्तार किया और अब 70 वर्ष से अधिक उम्र के देश के सभी बुजुर्गों को 5 लाख रूपए के इलाज की गारंटी प्रदान की है।

इस योजना से देश के 6 करोड़ वृद्ध नागरिकों को लाभ मिलेगा। देश के हेल्थकेयर सिस्टम को और प्रभावी बनाने के लिए 75 हजार नई मेडिकल सीटें बढ़ाई गईं हैं। मेडिकल कॉलेज और एम्स की संख्या भी कई गुना बढ़ गई है। इससे मेडिकल शिक्षा के क्षेत्र में विदेशी निर्भरता को कम करने में मदद मिलेगी। देश में विज्ञान और टेक्नालॉजी के क्षेत्र में कई उल्लेखनीय कार्य किए गए हैं। चंद्रयान व मंगलयान की सफलता पर 23 अगस्त को पहला राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस मनाया गया।

प्रधानमंत्री जी और देश के गृहमंत्री श्री अमित शाह जी का संकल्प था कि देश से गुलामी के सभी प्रतीकों को हटा देंगे। उन्होंने अंग्रेजों के जमाने से चली आ रही आईपीसी को हटाकर 1 जुलाई, 2023 से देश में तीन नए कानून लागू किए हैं और भारतीय दंड संहिता के स्थान पर भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता तथा भारतीय साक्ष्य अधिनियम लागू किये हैं। संगठित आर्थिक अपराधों पर रोक के लिए संसद में नया कानून पारित कराया गया। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिन को भारतीय जनता पार्टी ने सेवा पखवाड़े के रूप में मनाया। इस सेवा पखवाड़े के अंतर्गत 17, 18 और 19 सितंबर को प्रत्येक जिले में स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया गया। मोदी सरकार की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए डॉक्यूमेंट्री फिल्मों का प्रदर्शन किया गया। युवा मोर्चा द्वारा रक्तदान शिविरों का आयोजन किया गया। इसके साथ ही प्रत्येक बूथ पर एक पेड़ मां के नाम अभियान चलाया गया। पखवाड़े के दौरान मंदिरों, सार्वजनिक स्थलों पर स्वच्छता के कार्यक्रम चलाये गये।

18 से 25 सितम्बर तक प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी पर आर. बालासुब्रमण्यम द्वारा लिखित पुस्तक पर केंद्रित संगोष्ठियों का आयोजन किया गया। इस दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ तथा प्रदेश के पैरा ओलंपिक खिलाड़ियों का सम्मान किया गया। 02 अक्टूबर को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की जयंती पर स्वच्छता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे तथा पार्टी कार्यकर्ता खादी के वस्त्र खरीदकर बापू के बताए रास्ते पर अपने कदम बढ़ाएंगे। ▪

मोदी सरकार 3.0 के पहले 100 दिनों में कई क्रांतिकारी कार्य हुए

भारतीय जनता पार्टी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के जन्म दिवस 17 सितंबर से लेकर महात्मा गांधी जी की जयंती 2 अक्टूबर तक हर साल "सेवा पखवाड़ा" मनाती है।

- **भारतीय जनता पार्टी के करोड़ों कार्यकर्ता ऐसे महान शख्सियत के जन्म दिवस को सेवा दिवस के रूप मे मनाते हैं। भाजपा हर बार की तरह इस बार भी 17 सितंबर से लेकर महात्मा गांधी जी की जयंती 2 अक्टूबर तक ''सेवा पखवाड़ा'' मना रही है जिसके दौरान रक्तदान, वृक्षारोपण, झुग्गी बस्तियों की सफाई, स्वच्छता अभियान समेत कई तरह के सेवा कार्य किये जा रहे हैं।**

- **देश आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में ''विकसित भारत'' का संकल्प लेकर चल पड़ा है। उन्होंने देश के संकल्पों को सिद्धि में बदला है। हम उनके उद्देश्यपूर्ण जीवन से कई महत्वपूर्ण चीजें सीख सकते हैं।**

- **मोदी सरकार 3.0 के पहले 100 दिनों में कई क्रांतिकारी कार्य हुए हैं। इंफ्रास्ट्रक्चर को और बेहतर बनाने के लिए 3 लाख करोड़ रुपए के आवंटन को मंजूरी दी गयी और 25 हजार गांवों को सड़कों से जोड़ने के लिए लगभग 62,500 किमी ऑलवेदर ग्रामीण सड़कों का निर्माण भी शुरू हुआ।**

- **मोदी सरकार 3.0 में सौ दिन के अंदर ही पीएम आवास योजना के तहत गरीबों के लिए 3 करोड़ मकान बनाने की मंजूरी दी गयी। पीएम किसान सम्मान निधि की 17वीं किस्त भी जारी की गई है। किसानों के हित को ध्यान में रखते हुए न्यूनतम समर्थन मूल्य की राशि भी बढ़ाई गई है।**

- **इन्हीं 100 दिनों में मोदी सरकार ने यूनिफाइड पेंशन स्कीम की मंजूरी दे दी है। इस दौरान 15 नए वंदे भारत ट्रेन का परिचालन शुरू हो गया हैं। साथ ही 8 नेशनल हाईस्पीड रोड कॉरिडोर, 8 नए ब्रॉडगेज रेलवे लाइन और 12 नए स्मार्ट सिटी बनाने की मंजूरी दी गयी है।**

- **समाज के सभी वर्गों से जुड़ी योजना प्रधानमंत्री आयुष्मान जन आरोग्य योजना के तहत अब देश के 70 साल से ऊपर के लोगों के लिए साल में पांच लाख रुपए तक की मुफ्त इलाज की सुविधा उपलब्ध करायी जाएगी।**

आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का जन्म दिवस है। मैं अपनी ओर से और भारतीय जनता पार्टी के करोड़ों कार्यकर्ता की ओर से आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी को जन्मदिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूं और उनके दीर्घायु एवं स्वस्थ जीवन की कामना करता हूं। भारतीय जनता पार्टी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के जन्म दिवस 17 सितंबर से लेकर महात्मा गांधी जी की जयंती 2 अक्टूबर तक हर साल ''सेवा पखवाड़ा'' मनाती है।

आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने समर्पण के साथ देश के गांव, गरीब, वंचित, पीड़ित, दलित, आदिवासी, युवा, महिला और

किसान की चिंता की और उनके जीवन स्तर ऊपर उठाने के लिए निरंतर काम किया है। प्रधानमंत्री जी ने देश के संकल्पों को सिद्धि में बदला है। भारतीय जनता पार्टी के करोड़ों कार्यकर्ता ऐसे महान शख्सियत के जन्म दिवस को सेवा दिवस के रूप मे मनाते हैं। ये मेरी कामना है कि आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी इसी तरह देश की सेवा के साथ मानवता की सेवा में लगे रहें और हम लोग उनके सेवा कार्यों में योगदान देकर उन्हें ताकत दें।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के तीसरे कार्यकाल के सौ दिन भी पूरे हुए हैं। इसलिए यह दिन बड़ा विशेष है। भारतीय जनता पार्टी सेवा पखवाड़ा के दौरान रक्तदान, वृक्षारोपण, मलिन बस्तियों की सफाई, स्वच्छता अभियान समेत सेवा भाव से कई तरह के अभियान चला रही है। मोदी 3.0 अर्थात आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के तीसरे कार्यकाल में तीव्र गति से काम हुए है। आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के तीसरे कार्यकाल के सौ दिन पूरे होने के उपलक्ष्य में अगले चार-पांच दिनों तक मोदी सरकार के विभिन्न मंत्रालयों के सौ दिनों की उपलब्धियों को मंत्रियों द्वारा जनता को बताया जाएगा। साथ ही, भारतीय जनता पार्टी मोदी 3.0 अर्थात माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के तीसरे कार्यकाल के कार्यों को जनता तक पहुंचाएगी।

मोदी सरकार 3.0 में सौ दिन के अंदर ही प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत गरीबों के लिए 3 करोड़ मकान बनाने की मंजूरी दी गयी। मंजूरी के साथ ही पक्के मकान बनाने का काम भी शुरू हो गया है। इसी प्रकार से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 17वीं किस्त भी जारी कर दी गई है। इस योजना के तहत किसानों के खाते में अब तक लगभग दो लाख करोड़ रुपये से ज्यादा की राशि पहुंच गयी है। सौ दिनों में मोदी सरकार ने यूनीफाइड पेंशन स्कीम की मंजूरी दे दी है। किसानों के हित को ध्यान में रखते हुए न्यूनतम समर्थन मूल्य की राशि बढ़ा दी गयी है। इस दौरान 15 नए वंदे भारत ट्रेन का परिचालन शुरू हो गया हैं। 8 नेशनल हाईस्पीड रोड कॉरिडोर बनाने की मंजूरी दी गयी है। 8 नए ब्रॉडगेज रेलवे लाइन की मंजूरी दी गयी है। 12 नए स्मार्ट सिटी बनाने की मंजूरी दी गयी है। साथ ही, इंफ्रास्ट्रक्चर को और बेहतर बनाने के लिए 3 लाख करोड़ रुपए के आवंटन को मंजूरी दी गयी है।

समाज के सभी वर्गों से जुड़ी योजना प्रधानमंत्री आयुष्मान जन आरोग्य योजना के तहत अब देश के 70 साल से ऊपर के लोगों के लिए साल में पांच लाख रुपए तक की मुफ्त इलाज की सुविधा उपलब्ध करायी जाएगी, चाहे वह व्यक्ति किसी भी आमदनी और किसी भी सामाजिक वर्ग से संबंध रखता हो। प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के चौथे चरण की मंजूरी दे दी गयी है। इसके तहत 25 हजार गांवों को सड़कों से जोड़ने के लिए लगभग 62,500 किलोमीटर ऑलवेदर ग्रामीण सड़कों का निर्माण होगा। प्रधानमंत्री जी के तीसरे कार्यकाल में ऐसे अनेक काम हुए हैं। ये सभी कार्य केवल 100 दिनों में हुए हैं। देश आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में ''विकसित भारत'' का संकल्प लेकर चल पड़ा है। ▪

भाजपा सशक्त तो भारत सशक्त

जिन बूथों पर भाजपा कमजोर, वहां अधिक फोकस कर सदस्यता।

कार्यकर्ता जो तय कर लेता है, उससे कहीं अधिक करके दिखाता है- हितानंद जी

भाजपा कार्यकर्ता जो तय कर लेता है, उससे कहीं अधिक कार्य करके दिखाता है। इसी तरह संगठन पर्व में भी भाजपा संगठन द्वारा जो लक्ष्य निर्धारित किया गया है, उससे कहीं बहुत अधिक संख्या में पार्टी के साथ लोगों को जोड़कर इतिहास बना है। जब व्यक्ति भाजपा से जुड़ता है तो उसका मन और मानस देश हित के लिए काम करने का होता है। देश के प्रति समर्पण का होता है। कांग्रेस के लोग केवल नकारात्मक, झूठ, छल और कपट की राजनीति करते हैं। देश की जनता का विश्वास भाजपा के साथ है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व पर देश की जनता को भरोसा है। जनता के विश्वास को आधार बनाकर संगठन पर्व के माध्यम से संगठन को सशक्त बनाने में जुट जाएं, क्योंकि भाजपा सशक्त होगी तो भारत सशक्त होगा।

भाजपा का हर कार्यकर्ता संगठन पर्व में अपनी महती भूमिका निभाता है। भाजपा का हर कार्यकर्ता अपना स्वयं का एक लक्ष्य तय करता है और उसे पूरा करने के लिए लोगों को पार्टी का सदस्य बनाता है। पन्ना प्रमुख, बूथ अध्यक्ष से लेकर वरिष्ठ पदाधिकारियों ने भी लक्ष्य निर्धारित किये हैं। भाजपा जिन बूथों, क्षेत्रों व मजरे-टोलों में कमजोर थी, उनसे संपर्क करके और प्रधानमंत्री जी की गरीब कल्याण की योजनाएं बताकर उन्हें पार्टी का सदस्य बनाया गया।

बूथ विस्तारक अभियान ने पार्टी संगठन को मजबूती दी और मध्यप्रदेश में भाजपा को विधानसभा व लोकसभा चुनाव में ऐतिहासिक जीत मिली। इसी तरह संगठन पर्व भी पार्टी संगठन को मजबूती देने के लिए ही है। जितने अधिक लोगों को पार्टी से जोड़ा गया, पार्टी संगठन उतना ही मजबूत हुआ। पार्टी संगठन जितना अधिक मजबूत होगा, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प को उतने ही अच्छे तरीके से पूरा कर सकेंगे।

मोदी जी के जीवन पहलुओं पर चित्र प्रदर्शनी

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का जन्मदिवस पूरा देश मना रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के कारण ही आज भारत का दुनिया में मान-सम्मान बढ़ रहा है और देश 11वीं अर्थव्यवस्था से पांचवें स्थान पर आ गया है। श्री मोदी जी देश को तीसरी अर्थव्यवस्था बनाने के लिए हर क्षेत्र मे तेजी से काम कर रहे हैं।

- **प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने देश को पांचवीं अर्थव्यवस्था बनाया।**
- **पत्रकार बीमा योजना के प्रीमियम की दरों में वृद्धि का भार प्रदेश सरकार उठाएगी।**
- **प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी देश का मान-सम्मान रोज बढ़ा रहे हैं।**
- **प्रधानमंत्री जी के जन्मदिन पर पत्रकारों को दी गई सौगात सरकार का स्वागत योग्य कदम।**

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद श्री विष्णुदत्त शर्मा एवं प्रदेश प्रभारी डॉ.महेंद्र सिंह ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के जन्मदिन के अवसर पर सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत प्रदेश कार्यालय में जीवन के विभिन्न पहलुओं और ऐतिहासिक कार्यों को दर्शाती हुई चित्र प्रदर्शनी का फीता काटकर एवं दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन किया।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के 74वें जन्मदिवस पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश के पत्रकारों को सौगात देते हुए कहा कि पत्रकार बीमा योजना में बीमा कंपनी द्वारा प्रीमियम की दरों में की गई वृद्धि का भार राज्य सरकार उठाएगी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद श्री विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिन पर पत्रकारों के लिए, लिए गये बड़े फैसले का स्वागत करता हूं।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का जन्मदिवस पूरा देश मना रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के कारण ही आज भारत का दुनिया में मान-सम्मान बढ़ रहा है और देश 11वीं अर्थव्यवस्था से पांचवें स्थान पर आ गया है।

श्री मोदी जी देश को तीसरी अर्थव्यवस्था बनाने के लिए हर क्षेत्र मे तेजी से काम कर रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री का पदभार संभालते हुए मात्र 100 दिनों में 15 लाख करोड़ से ज्यादा के विकास कार्यों को प्रांरभ किया है।

प्रधानमंत्री जी का कुशल मार्गदर्शन भारत को रोज ऊंचाइयों पर लेकर जा रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के मार्गदर्शन में काम कर प्रदेश का विकास करना हमारा सौभाग्य है। हमारी सरकार हर क्षेत्र में तेजी से विकास करने की दिशा में आगे बढ़ रही है।

प्रदेश के पत्रकार बन्धुओं से बीमा योजना में बीमा कंपनी द्वारा प्रीमियम की दरों में की गई वृद्धि का भार राज्य सरकार उठाएगी। पत्रकारों को यह वित्तीय भार नहीं उठाना पड़ेगा। पत्रकारों से गत वर्षों की तरह ही प्रीमियम लिया जाएगा।

समारोह में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद श्री विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के 74वें जन्मदिवस पर पूरा देश उन्हें शुभकामनाएं देकर उनकी लंबी आयु की कामना कर रहा है। प्रदेश भाजपा ने प्रधानमंत्री जी के जन्मदिवस पर सेवा पखवाड़ा की शुरुआत की है।

भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के जीवन के विभिन्न पहलुओं को दर्शाती चित्र प्रदर्शनी हमें प्रभावित करती है और हमें संदेश देती है कि किस तरह से जीवन को हमेशा सकारात्मक रखकर देश की सेवा की जा सकती है।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का व्यक्तित्व व विचार हमें आगे लेकर जा रहे है। भारतीय जनता पार्टी द्वारा प्रदेश में सेवा पखवाड़ा के तहत अलग-अलग जगहों पर कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। ▪

संकल्प - सुराज और समृद्ध भारत के लिए जीवन समर्पण

अब अपना नमस्ते भी मल्टीनेशनल हो गया है, लोकल से ग्लोबल हो गया है। अपने दिल में भारत को बसा कर रखने वाले हर भारतीय ने किया है।

तीसरी बार, हमारी सरकार की वापसी हुई है। और ऐसा पिछले 60 सालों में भारत में नहीं हुआ था। भारत की जनता ने ये जो नया मैंडेट दिया है, उसके मायने बहुत हैं और बहुत बड़े भी हैं। ये तीसरे टर्म में हमें बहुत बड़े लक्ष्य साधने हैं। हमें तीन गुना ताकत, और तीन गुना गति के साथ आगे बढ़ना है, आपको एक शब्द याद रहेगा पुष्प। हां कमल मान लीजिए मुझे ऐतराज नहीं है। पुष्प और मैं इस पुष्प को डिफाइन करता हूं। पी फोर Progressive भारत, यू फोर Unstoppable भारत! एस फोर Spiritual (स्पिरिचुअल) भारत! एच फोर Humanity First को समर्पित भारत! पी फोर Prosperous भारत। यानि PUSHP- पुष्प की पांच पंखुड़ियां को मिलकर ही विकसित भारत बनाएंगे।

मुझे वो दिन याद आते हैं। जब मैं पीएम भी नहीं था, सीएम भी नहीं था, नेता भी नहीं था। उस समय एक जिज्ञासू के तौर पर यहां आप सब के बीच आया करता था। इस धरती को देखना, इसे समझना, मन में कितने ही सवाल लेकर के आता था। जब मैं किसी पद पर नहीं था। उससे पहले भी मैं अमेरिका के करीब-करीब 29 स्टेट्स में दौरा कर चुका था। उसके बाद जब मैं CM बना तो टेक्नोलॉजी के माध्यम से आपके साथ जुड़ने का सिलसिला जारी रहा। PM रहते हुए भी मैंने आपसे अपार स्नेह पाया है, अपनत्व पाया है। 2014 में मेडिसन स्क्वायर, 2015 में सैन होसे, 2019 में ह्यूस्टन, 2023 में वॉशिंगटन और अब 2024 में न्यूयॉर्क, और लोग हर बार पिछला रिकॉर्ड तोड़ देते हैं।

मैं हमेशा से भारतीय डायस्पोरा के सामर्थ्य को समझता रहा हूं। जब मेरे पास कोई सरकारी पद नहीं था, तब भी समझता था और आज भी समझता हूं। आप सब मेरे लिए हमेशा से भारत के सबसे मजबूत ब्रैंड एंबेसेडर रहे हैं। और इसलिए मैं आप सबको राष्ट्रदूत कहता हूं। आपने अमेरिका को भारत से, और भारत को अमेरिका से कनेक्ट किया है। आपका स्किल, आपका टैलेंट, आपका कमिटमेंट, इसका कोई मुकाबला नहीं है। आप सात समंदर पार भले आ गए हैं। लेकिन कोई समंदर इतना गहरा नहीं, जो दिल की गहराइयों में बसे हिंदुस्तान को आपसे

दूर कर सके। मां भारती ने जो हमें सिखाया है, वो हम कभी भी भूल नहीं सकते। हम जहां भी जाते हैं, सबको परिवार मानकर उनसे घुल मिल जाते हैं। डायवर्सिटी को समझना, डायवर्सिटी को जीना, उसे अपने जीवन में उतारना, ये हमारे संस्कारों में है, हमारी रगों में है। हम उस देश के वासी हैं हमारे यहां सैकड़ों भाषाएं हैं, सैकड़ों बोलियां हैं। दुनिया के सारे मत हैं, पंथ हैं। फिर भी हम एक बनकर, नेक बनकर आगे बढ़ रहे हैं। यहां इस हॉल में ही देखिए, कोई तमिल

बोलता है, कोई तेलुगु, कोई मलयालम, तो कोई कन्नड़ा, कोई पंजाबी, तो कोई मराठी, और तो कोई गुजराती, भाषा अनेक हैं, लेकिन भाव एक है। और वो भाव है- भारत माता की जय। वो भाव है - भारतीयता। दुनिया के साथ जुड़ने के लिए ये हमारी सबसे बड़ी strength है, सबसे बड़ी ताकत है। यही वैल्यूज, हमें सहज रूप से ही विश्व-बंधु बनाती हैं। हमारे यहां कहा जाता है-

तेन त्यक्तेन भुंजीथाः।

यानि जो त्याग करते हैं, वे ही भोग पाते हैं। हम दूसरों का भला करके, त्याग करके सुख पाते हैं। और हम किसी भी देश में रहें, ये भावना नहीं बदलती है। हम जिस सोसायटी में रहते हैं, वहां ज्यादा से ज्यादा योगदान करते हैं। यहां अमेरिका में आपने डॉक्टर्स के रूप में, रिसरचर्स के रूप में, Tech (टेक) Professionals के रूप में, Scientists के रूप में या दूसरे प्रोफेशन्स में जो परचम लहराया हुआ है, वो इसी का प्रतीक है। अभी कुछ समय पहले ही तो यहां T-20 क्रिकेट वर्ल्ड कप हुआ था और USA की टीम क्या गजब खेली, और उस टीम में यहां रह रहे भारतीयों का जो योगदान था वो भी दुनिया ने देखा है।

दुनिया के लिए AI का मतलब है आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस। लेकिन मैं मानता हूं कि AI का मतलब अमेरिका-इंडिया। अमेरिका-इंडिया ये स्पिरिट है और वही तो नई दुनिया का एआई पावर है। यही AI स्पिरिट, भारत-अमेरिका रिश्तों को नई ऊंचाई दे रहा है। मैं, इंडियन डायस्पोरा को सैल्यूट करता हूं। Salute (सेल्यूट) you All.

मैं दुनिया में जहां भी जाता हूं, हर लीडर के मुंह से भारतीय डायस्पोरा की तारीफ ही सुनता हूं। प्रेसिडेंट बाइडेन, मुझे डेलावेयर में अपने घर ले गए थे। उनकी आत्मीयता, उनकी गर्मजोशी, मेरे लिए दिल छू लेने वाला मोमेंट रहा। ये सम्मान 140 करोड़ भारतीयों का है, ये सम्मान आपका है, आपके पुरुषार्थ का है, ये सम्मान यहां रहने वाले लाखों भारतीयों का है।

2024 का ये साल पूरी दुनिया के लिए बहुत अहम है। एक तरफ दुनिया के कई देशों के बीच संघर्ष है, तनाव है तो दूसरी तरफ कई देशों में डेमोक्रेसी का जश्न चल रहा है। भारत और अमेरिका, डेमोक्रेसी के इस जश्न में भी एक साथ हैं। यहां अमेरिका में चुनाव होने वाले हैं और भारत में चुनाव हो चुके हैं। भारत में हुए ये इलेक्शन, ह्यूमन हिस्ट्री के अब तक के सबसे बड़े चुनाव थे, आप कल्पना कर सकते हैं, अमेरिका की कुल आबादी से भी करीब दोगुने वोटर्स, इतना ही नहीं पूरे यूरोप की कुल आबादी से ज्यादा वोटर्स, इतने सारे

लोगों ने भारत में अपने वोट डाले। जब हम भारत की डेमोक्रेसी का उसका स्केल देखते हैं, तो और भी गर्व होता है। तीन महीने का पोलिंग प्रोसेस, 15 मिलियन यानि डेढ़ करोड़ लोगों का पोलिंग स्टाफ, एक मिलियन यानि 10 लाख से ज्यादा पोलिंग स्टेशन, ढाई हजार से ज्यादा पॉलिटिकल पार्टीज, 8 हजार से ज्यादा कैंडिडेट्स, अलग-अलग भाषाओं के हजारों न्यूजपेपर्स, सैकड़ों रेडियो स्टेशन, सैकड़ों टीवी न्यूज चैनल, करोड़ों सोशल मीडिया अकाउंट्स, लाखों सोशल मीडिया चैनल्स, ये सब भारत की डेमोक्रेसी को वाइब्रेंट बनाते हैं। ये फ्रीडम ऑफ एक्सप्रेशन के विस्तार का दौर है। इस लेवल की स्क्रूटनी से होकर हमारे देश की चुनावी प्रक्रिया गुजरती है।

इस लंबी चुनावी प्रक्रिया से गुजरकर इस बार भारत में कुछ अभूतपूर्व हुआ है।

अबकी बार - मोदी सरकार

तीसरी बार, हमारी सरकार की वापसी हुई है। और ऐसा पिछले 60 सालों में भारत में नहीं हुआ था। भारत की जनता ने ये जो नया मैंडेट दिया है, उसके मायने बहुत हैं और बहुत बड़े भी हैं। ये तीसरे टर्म में हमें बहुत बड़े लक्ष्य साधने हैं। हमें तीन गुना ताकत, और तीन गुना गति के साथ आगे बढ़ना है, आपको एक शब्द याद रहेगा पुष्प। हां कमल मान लीजिए मुझे ऐतराज नहीं है। पुष्प और मैं इस पुष्प को डिफाइन करता हूं। पी फोर Progressive भारत, यू फोर Unstoppable भारत! एस फोर Spiritual (स्पिरिचुअल) भारत! एच फोर Humanity First को समर्पित भारत! पी फोर Prosperous भारत। यानि PUSHP- पुष्प की पांच पंखुड़ियां को मिलकर ही विकसित भारत बनाएंगे।

मैं भारत का पहला प्रधानमंत्री हूं, जिसका जन्म आजादी के बाद हुआ। आजादी के आंदोलन में करोड़ों भारतीयों ने स्वराज के लिए जीवन खपा दिया था, उन्होंने अपना हित नहीं देखा, अपने कंफर्ट जोन की चिंता नहीं की, वो तो बस देश की आजादी के लिए सब कुछ भूलकर अंग्रेजों से लड़ने चल पड़े थे। उस सफर में किसी को फांसी का फंदा मिला, किसी के शरीर को गोलियों से भून दिया गया, कोई यातनाएं सहते हुए जेल में ही गुजर गया, कईयों की जवानी जिंदगी जेल में खप गई।

हम देश के लिए मर नहीं पाए, लेकिन हम देश के लिए जरूर जी सकते हैं। मरना हमारे नसीब नहीं था, जीना हमारे नसीब है। पहले दिन से मेरा मन और मेरा मिशन एकदम क्लीयर रहा है। मैं स्वराज्य के लिए जीवन नहीं दे पाया, लेकिन मैंने तय किया सुराज और समृद्ध भारत के लिए जीवन समर्पित करूंगा। मेरे जीवन का एक बहुत बड़ा हिस्सा ऐसा रहा जिसमें मैं सालों-साल तक पूरे देश में घूमता रहा, भटकता रहा, जहां खाना मिला वहां खा लिया, जहां सोने को मिला, वहां सो लिया, समंदर के किनारे से लेकर पहाड़ों तक, रेगिस्तान से लेकर बर्फीली चोटियों तक, मैं हर क्षेत्र के लोगों से मिला, उनको जाना-समझा। मैंने अपने देश के जीवन, अपने देश की संस्कृति, अपने देश की चुनौतियों का फर्स्ट हैंड एक्सपीरियन्स लिया। वो भी एक वक्त था जब मैंने अपनी दिशा कुछ और तय की थी, लेकिन नियति ने मुझे

राजनीति में पहुंचा दिया। कभी नहीं सोचा था कि एक दिन चीफ मिनिस्टर बनूंगा, और बना तो गुजरात का longest serving Chief Minister बन गया। 13 साल तक गुजरात का चीफ मिनिस्टर रहा, इसके बाद लोगों ने प्रमोशन देकर मुझे प्राइम मिनिस्टर बना दिया। लेकिन दशकों तक देश के कोने-कोने में जाकर मैंने जो सीखा है., उसी ने चाहे राज्य हो या केंद्र, मेरे सेवा के मॉडल को, मेरे गवर्नेंस के मॉडल को इतना सफल बनाया है। पिछले 10 साल में इस गवर्नेंस मॉडल की सफलता आपने देखी है, पूरी दुनिया ने देखी है, और अब देश के लोगों ने बहुत बड़े भरोसे के साथ मुझे ये तीसरा टर्म सौंपा है। इस थर्ड टर्म में, मैं तीन गुना ज्यादा दायित्व बोध के साथ आगे बढ़ रहा हूं।

आज भारत, दुनिया के सबसे युवा देशों में से एक है। भारत, Energy से भरा हुआ है, सपनों से भरा हुआ है। रोज नये कीर्तिमान, हर रोज नई खबर। चेस ओलंपियाड में, मेन्स और वुमेन्स, दोनों में भारत को गोल्ड मिला है। यह लगभग सौ साल के इतिहास में पहली बार हुआ है। पूरे देश को, हर हिंदुस्तानी को हमारे चेस प्लेयर्स पर बहुत गर्व है। एक और AI है, जो भारत को ड्राइव कर रही है, वो है-

ए फोर Aspirational (एस्पिरेशनल),
आई फोर India,
Aspirational India.

ये नया फोर्स है, नई ऊर्जा है। आज करोड़ों भारतीयों की aspirations (एस्पिरेशन), भारत की ग्रोथ को ड्राइव कर रही हैं। हर एस्पीरेशन, नए अचीवमेंट को जन्म देती है। और हर अचीवमेंट, नई एस्पिरेशन के लिए खाद पानी बन रही है। एक दशक में भारत, 10वें नंबर से 5वें नंबर की इकॉनॉमी बन गया। अब हर भारतीय चाहता है कि भारत जल्दी से Third largest economy बने। आज देश के एक बहुत बड़े वर्ग की बेसिक नीड्स पूरी हो रही हैं। पिछले 10 साल में, करोड़ों लोगों को क्लीन कुकिंग गैस की सुविधा मिली है, उनके घर तक पाइप से साफ पानी पहुंचने लगा है, उनके घर में बिजली कनेक्शन पहुंचा है, उनके लिए करोड़ों टॉयलेट्स बने हैं। ऐसे करोड़ों लोग अब क्वालिटी लाइफ चाहते हैं।

अब भारत के लोगों को सिर्फ रोड नहीं, उन्हें शानदार एक्सप्रेस वे चाहिए। अब भारत के लोगों को सिर्फ रेल कनेक्टिविटी नहीं, उन्हें हाईस्पीड ट्रेन चाहिए। भारत के हर शहर की अपेक्षा है, उसके यहां मेट्रो चले, भारत के हर शहर की अपेक्षा है, उसका अपना एयरपोर्ट हो। देश का हर नागरिक, हर गांव-शहर चाहता है कि उसके यहां दुनिया की बेस्ट सुविधाएं हों। और इसका नतीजा हम देख रहे हैं। 2014 में भारत के सिर्फ 5 शहरों में मेट्रो थी, आज 23 शहरों में मेट्रो है। आज दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मेट्रो नेटवर्क भारत में है। और इसका हर दिन विस्तार हो रहा है।

2014 में भारत के सिर्फ 70 शहरों में एयरपोर्ट्स थे, आज 140 से ज्यादा शहरों में एयरपोर्ट्स हैं।

2014 में 100 से भी कम ग्राम पंचायतों में ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी थी, 100 से भी कम, आज 2 लाख से भी ज्यादा पंचायतों में ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी है।

2014 में भारत में 140 मिलियन यानि 14 करोड़ के आसपास LPG कंज्यूमर थे। आज भारत में 310 मिलियन यानि 31 करोड़ से ज्यादा LPG कंज्यूमर हैं।

जिस काम में पहले सालों लग जाते थे, वो काम अब महीनों में खत्म हो रहा है। आज भारत के लोगों में एक आत्मविश्वास है, एक संकल्प है, मंजिल तक पहुंचने का इरादा है, भारत में डव्लपमेंट, एक पीपल्स मूवमेंट बन रहा है। और हर भारतीय विकास के इस मूवमेंट में बराबर का पार्टनर बन गया है। उसे भरोसा है भारत की सफलता पर, भारत की उपलब्धियों पर।

भारत आज, land of opportunities है, अवसरों की धरती है। अब भारत, अवसरों का इंतजार नहीं करता, अब भारत अवसरों का निर्माण करता है। बीते 10 साल में भारत ने हर सेक्टर में opportunities का एक नया launching pad तैयार किया है। आप देखिए सिर्फ एक दशक में ही, और ये बात आप सबको गर्व देगी,

सिर्फ एक दशक में ही 25 करोड़ लोग, गरीबी से बाहर निकले हैं। ये कैसे हुआ? ये इसलिए हुआ, हमने पुरानी सोच बदली, अप्रोच बदली। हमने गरीब को Empower करने पर फोकस किया।

50 करोड़ यानि 500 मिलियन से ज्यादा लोगों को बैंकिंग सिस्टम से जोड़ा।

55 करोड़ यानि 550 मिलियन, से ज्यादा लोगों को 5 लाख रुपए तक का फ्री मेडिकल ट्रीटमेंट देना।

4 करोड़ यानि 40 मिलियन से ज्यादा फैमिलीज को पक्के घर देना।

Collateral (कोलैटरल) free loans का सिस्टम बनाकर करोड़ों लोगों को ease of credit से जोड़ना।

ऐसे अनेकों काम हुए, तब इतने लोगों ने, खुद ने गरीबी को हराया। और वो गरीबी से निकलकर के आज यही निओ-मिडिल क्लास, भारत के डव्लपमेंट को तेज गति दे रहा है।

हमने women welfare के साथ ही women led (लेड) development पर फोकस किया है।

सरकार ने जो करोड़ों घर बनवाए, उनकी रजिस्ट्री महिलाओं के नाम हुई।

जो करोड़ों बैंक खाते खुले, उसमें से आधे से ज्यादा खाते महिलाओं के खुले।

10 साल में भारत की 10 करोड़ महिलाएं माइक्रो Entrepreneurship Scheme से जुड़ी हैं।

हम भारत में एग्रीकल्चर को टेक्नॉलॉजी के साथ जोड़ने में अनेक प्रयास कर रहे हैं। उसमें आज खेती में, किसानी मे भरपूर मात्रा में ड्रोन

का उपयोग आज भारत में नजर आता है। शायद ड्रोन आपके लिए नई बात नहीं है। लेकिन नई बात ये है, इसकी जिम्मेदारी कौन समझता है पता है? ये Rural women के पास है। हम हजारों महिलाओं को ड्रोन पायलट्स बना रहे हैं। एग्रीकल्चर में टेक्नोलॉजी का ये बहुत बड़ा रेवॉल्यूशन गांव की महिलाएं लेकर आ रही हैं।

जो Areas पहले Neglected थे, वो आज देश की प्रायॉरिटी हैं। आज भारत जितना कनेक्टेड है, उतना पहले कभी नहीं रहा। आप हैरान होंगे, आज भारत का 5G मार्केट अमेरीका से भी बड़ा हो चुका है। और ये 2 साल के भीतर-भीतर हुआ है। अब तो भारत, मेड इन इंडिया, 6G पर काम कर रहा है। ये इसलिए हुआ, क्योंकि हमने इस सेक्टर को आगे बढ़ाने के लिए policies बनाईं। हमने मेड इन इंडिया टेक्नॉलॉजी पर काम किया। हमने सस्ते डेटा पर, मोबाइल फोन मैन्युफेक्चरिंग पर फोकस किया। आज दुनिया का करीब-करीब हर बड़ा मोबाइल ब्रांड, मेड इन इंडिया है। आज भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल मैनुफैक्चरर है। एक जमाना था मेरे आने से पहले जब हम Mobile Importer थे, आज हम Mobile Exporter बन गए हैं।

अब भारत पीछे नहीं चलता, अब भारत नई व्यवस्थाएं बनाता है, अब भारत नेतृत्व करता है। भारत ने digital public infrastructure- DPI का नया कॉन्सेप्ट दुनिया को दिया है। DPI ने Equality को प्रमोट किया है, ये करप्शन को कम करने का भी बहुत बड़ा माध्यम बना है। भारत का UPI आज, पूरी दुनिया को आकर्षित कर रहा है। आपकी जेब में वॉलेट है, लेकिन भारत में लोगों की जेब के साथ ही फोन में वॉलेट है, ई-वॉलेट है। अनेक भारतीय अब अपने डॉक्यूमेंट्स, फिजिकल फोल्डर्स में नहीं रखते, उनके पास डिजी लॉकर है। वो एयरपोर्ट में जाते हैं, तो डिजी यात्रा से सीमलेस ट्रैवल करते हैं। ये डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर, जॉब्स, इनोवेशन और इससे जुड़ी हर टेक्नॉलॉजी का लॉन्चिंग पैड बन गया है।

भारत, भारत अब रुकने वाला नहीं है, भारत अब थमने वाला नहीं है। भारत चाहता है, दुनिया में ज्यादा से ज्यादा डिवाइस मेड इन इंडिया चिप पर चलें। हमने सेमीकंडक्टर सेक्टर को भी भारत की तेज ग्रोथ का आधार बनाया है। पिछले साल जून में भारत ने सेमीकंडक्टर सेक्टर के लिए इंसेंटिव्स घोषित किए थे। इसके कुछ ही महीनों बाद माइक्रोन की पहली सेमीकंडक्टर यूनिट का शिलान्यास भी हो गया। अब तक भारत में ऐसी 5 यूनिट्स स्वीकृत हो चुकी हैं। वो दिन दूर नहीं जब आप मेड इन इंडिया चिप यहां अमेरिका में भी देखेंगे। ये छोटी सी चिप - विकसित भारत की उड़ान को नई ऊंचाई पर ले जाएगी, और ये मोदी की गारंटी है।

आज भारत में रिफॉर्म्स के लिए जो Conviction (कन्विक्शन), जो कमिटमेंट है, वो अभूतपूर्व है। हमारा ग्रीन एनर्जी ट्रांजिशन प्रोग्राम, इसका बहुत बड़ा उदाहरण है। दुनिया की 17 परसेंट पॉपुलेशन होने के बावजूद, ग्लोबल कार्बन एमिशन में भारत की हिस्सेदारी सिर्फ 4 परसेंट है। दुनिया को बर्बाद करने में हमारा कोई रोल नहीं है। पूरी दुनिया की तुलना में एक तरह से यानि कह सकते हैं ना के बराबर

है। हम भी सिर्फ कार्बन फ्यूल जलाकर अपनी ग्रोथ को सपोर्ट कर सकते थे। लेकिन हमने ग्रीन ट्रांजिशन का रास्ता चुना। प्रकृति प्रेम के हमारे संस्कारों ने हमें गाइड किया। इसलिए, हम सोलर, विंड, हाइड्रो, ग्रीन हाइड्रोजन और न्यूक्लियर एनर्जी पर इन्वेस्टमेंट कर रहे हैं। भारत G20 का ऐसा देश है, जिसने Paris climate goals को सबसे पहले पूरा कर दिया। 2014 के बाद से भारत ने अपनी Solar Energy Installed Capacity को 30 गुना से ज्यादा बढ़ाया है। हम देश के हर घर को सोलर पावर होम बनाने में जुटे हैं। इसके लिए रूफटॉप सोलर का बहुत बड़ा मिशन हमने शुरु किया है। आज हमारे रेलवे स्टेशन और एयरपोर्ट Solarise (सोलराइस) हो रहे हैं। भारत, घरों से लेकर सड़कों तक Energy Efficient Lighting के रास्ते पर चल पड़ा है। इन सारे प्रयासों से भारत में बहुत बड़ी संख्या में Green Jobs पैदा हो रही हैं।

21वीं सदी का भारत, एजुकेशन, स्किल, रिसर्च और इनोवेशन के दम पर आगे बढ़ रहा है। कुछ समय पहले ही भारत की प्राचीन नालंदा यूनिवर्सिटी, नए अवतार में सामने आई है। आज सिर्फ यूनिवर्सिटी को ही नहीं बल्कि नालंदा स्पिरिट को भी रिवाइव कर रहा है। पूरी दुनिया के स्टूडेंट्स भारत आकर पढ़ें, हम इस तरह का आधुनिक इकोसिस्टम बना रहे हैं। बीते 10 साल में, भारत में हर सप्ताह एक यूनिवर्सिटी बनी है। हर दिन दो नए कॉलेज बने हैं। हर दिन एक नई ITI की स्थापना हुई है। 10 साल में ट्रिपल आईटी की संख्या 9 से बढ़कर 25 हो चुकी है। IIMs की संख्या 13 से बढ़कर 21 हो चुकी है। AIIMs की संख्या, तीन गुना बढ़कर 22 हो चुकी है। 10 साल में मेडिकल कॉलेजों की संख्या भी लगभग दोगुनी हो चुकी है। टॉप ग्लोबल यूनिवर्सिटीज भी आज भारत आ रही हैं, भारत का नाम है। अभी तक दुनिया ने भारत के designers का दम देखा, अब दुनिया, design in India का जलवा देखेगी।

आज हमारी साझेदारी, पूरी दुनिया के साथ बढ़ रही है। पहले भारत, सबसे समान दूरी की नीति पर चलता था - Equal Distance. अब भारत, सबसे समान नजदीकी की नीति पर चल रहा है। हम ग्लोबल साउथ की भी बुलंद आवाज बन रहे हैं। भारत की पहल पर G-20

समिट में अफ्रीकन यूनियन को स्थायी सदस्यता मिली। आज जब भारत ग्लोबल प्लेटफॉर्म पर कुछ कहता है, तो दुनिया सुनती है। कुछ समय पहले जब मैंने कहा- This is not the era (एरा) of war... तो उसकी गंभीरता सबने समझी।

आज दुनिया में कहीं भी संकट आए, भारत first responder के रूप में सामने आता है। कोरोना के समय में हमने 150 से ज्यादा देशों को वैक्सीन और दवाइयां भेजी, कहीं भूकंप आए, कहीं सायक्लोन आए, कहीं गृहयुद्ध हो, हम मदद के लिए सबसे पहले पहुंचते हैं। यही हमारे पुरखों की सीख है, यही हमारे संस्कार हैं।

आज का भारत दुनिया में एक नए catalytic agent की तरह उभर रहा है। और इसका प्रभाव हर सेक्टर में दिखेगा। ग्लोबल ग्रोथ के प्रोसेस को तेज करने के लिए भारत का रोल अहम होगा, ग्लोबल पीस के प्रोसेस को तेज करने के लिए भारत का रोल अहम होगा, ग्लोबल क्लाइमेट एक्शन को स्पीड अप करने में भारत का रोल अहम होगा, ग्लोबल स्किल गैप को दूर करने में भारत का रोल अहम होगा, ग्लोबल इनोवेशन्स को नई दिशा देने में भारत का रोल अहम होगा, ग्लोबल सप्लाई चेन में स्टेबिलिटी के लिए भारत की भूमिका अहम होगी।

भारत के लिए शक्ति और सामर्थ्य का अर्थ है, - **''ज्ञानाय दानाय च रक्षणाय''**। यानि

Knowledge is for sharing.

Wealth is for caring.

Power is for protecting. इसीलिए, भारत की प्राथमिकता दुनिया में अपना दबाव बढ़ाने की नहीं, अपना प्रभाव बढ़ाने की है। हम आग की तरह जलाने वाले नहीं, हम सूरज की किरण की तरह रोशनी देने वाले लोग हैं। हम विश्व पर अपना दबदबा नहीं चाहते। हम विश्व की समृद्धि में अपना सहयोग बढ़ाना चाहते हैं। योग को बढ़ावा देना हो, सुपरफूड मिलेट्स को बढ़ावा देना हो, मिशन लाइफ, यानि लाइफस्टाइल फॉर इनवायरन्मेंट का विजन हो, भारत, GDP सेंट्रिक ग्रोथ के साथ ही ह्यूमेन सेंट्रिक ग्रोथ को भी प्राथमिकता दे रहा है।

मेरा आपसे भी आग्रह है, यहां मिशन लाइफ को ज्यादा से ज्यादा प्रमोट करिए। हम अपनी लाइफस्टाइल में थोड़े से बदलाव करके भी पर्यावरण की बहुत मदद कर सकते हैं। आजकल भारत, में एक पेड़ मां के नाम, अपनी मां को याद करते हुए एक पेड़ लगाना, मां जिंदा है तो साथ ले जाना, मां नहीं है तो तस्वीर ले जाना, एक पेड़ मां के नाम लगाने का अभियान आज देश के हर कोने में चल रहा है। और मैं चाहूंगा, आप सभी यहां भी ऐसा अभियान चलाएं। ये हमारी जन्मदाता मां और धरती मां, दोनों का यश बढ़ाएगा।

आज का भारत बड़े सपने देखता है, बड़े सपनों का पीछा करता है। अभी कुछ दिन पहले ही पेरिस ओलंपिक खत्म हुए हैं। अगले ओलंपिक्स का होस्ट, USA है। जल्द ही, आप भारत में भी ओलंपिक्स के साक्षी बनेंगे। हम 2036 के ओलंपिक्स की मेजबानी के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं।

स्पोर्ट्स हो, बिजनेस हो या फिर एंटरटेनमेंट, आज भारत बहुत बड़े आकर्षण का केंद्र है। आज IPL जैसी भारत की लीग्स, दुनिया की टॉप लीग्स में से एक है। भारत की फिल्में, ग्लोबली धूम मचा रही हैं। भारत आज ग्लोबल टूरिज्म में भी परचम लहरा रहा है। दुनिया के अलग-अलग देशों में भारत के त्यौहार मनाने की होड़ है। मैं देख रहा हूं इन दिनों हर शहर में लोग नवरात्रि का गरबा सीख रहे हैं। ये भारत के प्रति उनका प्यार है।

आज हर देश भारत को ज्यादा से ज्यादा समझना चाहता है, जानना चाहता है। आपको एक और बात जानकर खुशी होगी। अमेरिका ने हमारे करीब 300 पुराने जो शिलालेख और मूर्तियां थीं, जो कभी हिंदुस्तान से कोई चोरी कर गया होगा, कोई 1500 साल पुरानी, कोई 2000 साल पुरानी, 300 शिलालेख और मूर्तियां भारत को लौटाई हैं। अभी तक अमेरिका ऐसी लगभग 500 धरोहरें भारत को लौटा चुका है। ये कोई छोटी सी चीज लौटाने का विषय नहीं है। ये हमारी हजारों वर्षों की विरासत का सम्मान है। ये भारत का सम्मान है, और ये आपका भी सम्मान है। मैं अमेरिका की सरकार का इसके लिए बहुत आभारी हूं।

भारत और अमेरिका की पार्टनरशिप लगातार मजबूत हो रही है। हमारी पार्टनरशिप, Global Good के लिए है। हम हर क्षेत्र में सहयोग बढ़ा रहे हैं। और इसमें आपकी सहूलियत का भी ध्यान है। मैंने पिछले साल ये घोषणा की थी कि सिएटेल में हमारी सरकार एक नया Consulate (कौंसुलेट) खोलेगी। अब ये Consulate (कौंसुलेट) शुरू हो चुका है। मैंने दो और Consulates खोलने के लिए आपके सुझाव मांगे थे।

मुझे आपको ये बताते हुए खुशी है कि आपके सुझावों के बाद, भारत ने बोस्टन और लॉस एंजल्स में दो नए consulates (कौंसुलेट) खोलने का निर्णय लिया है। मुझे यूनिवर्सिटी ऑफ ह्यूस्टन में Thiruvalluvar (थिरुवल्लुवर) Chair of Tamil studies को announce करने की भी खुशी है। इससे महान तमिल संत थिरुवल्लुवर का दर्शन, दुनिया तक पहुंचाने में और मदद मिलेगी। ▪

बढ़ता जा रहा भाजपा परिवार- हितानंद जी

श्रद्धेय पं. दीनदयाल उपाध्याय जी की जयंती पर पूरे मध्यप्रदेश के हर बूथ पर अधिकतम सदस्यता दिवस के तहत वृहद रूप में आमजन को पार्टी से जोड़ा गया है।

त्याग - तपस्या के प्रतिमूर्ति, प्रखर राष्ट्रवादी व हमारे मार्गदर्शक श्रद्धेय पं. दीनदयाल उपाध्याय जी की जयंती पर पूरे मध्यप्रदेश के हर बूथ पर अधिकतम सदस्यता दिवस के तहत वृहद रूप में आमजन को पार्टी से जोड़ा गया है। एक-एक कार्यकर्ता ने घर से निकलकर पार्टी विस्तार में अपना योगदान दिया है। सदस्यता अभियान में पार्टी ने एक नया इतिहास रचा है। यह पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के लिए हमारी सच्ची श्रद्धांजलि है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी द्वारा देखी गईं कल्पनाएं साकार हो रही हैं और भाजपा परिवार का लगातार विस्तार हो रहा है। भाजपा जिन नीतियों को लेकर आगे बढ़ी आज भी पार्टी की वही नीतियां हैं। अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति की चिंता करने का काम भाजपा एवं पार्टी की सरकारें कर रही हैं। संगठन पर्व को लेकर पार्टी ने जो लक्ष्य तय किया है उसे कार्यकर्ताओं की मेहनत से हम समय से पहले ही पूर्ण कर लेगें। ▪

पार्टी सदस्यता अभियान के लक्ष्य को पूरा करेगी - जगत प्रकाश नड्डा

भाजपा एक अकेली ऐसी पार्टी है जिसमें प्रदेश, जिला, मण्डल, शक्ति केन्द्र और बूथ स्तर पर भी सदस्यता अभियान चलाने का कार्य होता है।

भाजपा प्रजातान्त्रिक तरीके से पहले ही घोषित करती है कि किस चरण में और कैसे सदस्यता अभियान चलाया जाएगा। यह अभियान पूरी तरह से पारदर्शी होता है, इसे घर में बैठकर नहीं किया जाता।

- **भारतीय जनता पार्टी एक मात्र ऐसी पार्टी है, जो संगठन के संविधान के अनुसार और प्रजातान्त्रिक तरीके से चलती है।**
- **भाजपा की 18 करोड़ से ज्यादा सदस्य होने के बाद भी पार्टी संविधान के अनुच्छेद 9 के तहत हर 6 साल में सदस्यता का नवीनीकरण किया जाता है, इसलिए सदस्यता अभियान पुनः शुरू हो रहा है।**
- **सदस्यता का पहला चरण आदरणीय प्रधानमंत्री जी के कर कमलों से प्रारंभ हो गया है जो 25 सितंबर तक चलेगा, दूसरा चरण 1 अक्टूबर से प्रारंभ होकर 15 अक्टूबर तक और उसके बाद सक्रिय सदस्यता अभियान 16 अक्टूबर से प्रारंभ होकर 31 अक्टूबर तक चलेगा।**
- **17 अगस्त को सदस्यता अभियान की राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित होने के बाद, 777 जिलों में, लगभग 11486 कार्यशालाऐं मण्डल स्तर पर और 4 लाख से अधिक बूथों पर कार्यशालाऐं सम्पन्न हो चुकी हैं।**
- **भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता मिस कॉल से, व्हाट्सएप के माध्यम से, वेबसाइट से, क्यू आर कोड, नमो एप और पार्टी की पर्ची से भी दी जाएगी। मिस कॉल और व्हाट्सएप नंबर 8800002024 है। पार्टी सदस्यता अभियान के लक्ष्य को पूरा करेगी।**
- **आदरणीय प्रधानमंत्री जी जिस तरह से विकसित भारत के लक्ष्य को दिन-रात आगे बढ़ा रहे हैं, इस कार्यक्रम को साकार रूप देने में पार्टी का एक-एक कार्यकर्ता अपना पूरा योगदान देगा और विकसित भारत के संकल्प को पूरा करेगा।**

आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी देश के प्रधान सेवक होने के नाते प्रशासन की बारीकियों में दिन रात व्यस्त रहते हैं, इसके बावजूद उनके लिए संगठन सर्वोपरि और सर्वप्रथम है। आदरणीय प्रधानमंत्री जी पार्टी के हर कार्य में अपना ध्यान लगाकर, पार्टी कैसे आगे बढ़ सकती है इसकी चिंता करते हैं। जब गृहमंत्री श्री अमित शाह विश्व की सबसे बड़ी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष थे, तब उन्होंने सदस्यता अभियान को प्राथमिकता देते हुए कहा था कि हम संगठन के रास्ते और तरीके बदलेंगे ताकि ज्यादा से ज्यादा लोगों को पार्टी में समावेशित किया जा सके। तब पहली बार डिजिटल सदस्यता देने का फैसला लिया गया था। उस समय पूरे 6 महीने तक सदस्यता अभियान चलाकर 10 करोड़ लोगों को पार्टी का सदस्य बनाया गया था।

इस बार के सदस्यता अभियान में भी 10 करोड़ से अधिक लोगों को शामिल किया जाएगा। भारतीय जनता पार्टी एक मात्र ऐसी पार्टी है जो संगठन के संविधान के अनुसार और प्रजातान्त्रिक तरीके से चलती है। भाजपा की 18 करोड़ लोगों की सदस्यता होने के बाद भी पार्टी के संविधान के अनुच्छेद 9 के तहत हर 6 साल में सदस्यता का नवीनीकरण कराना होता है, इस लिए सदस्यता अभियान पुनः शुरू हो रहा है। भाजपा एक अकेली ऐसी पार्टी है जिसमें प्रदेश, जिला, मण्डल, शक्ति केन्द्र और बूथ स्तर पर भी सदस्यता अभियान चलाने का कार्य होता है। भाजपा प्रजातान्त्रिक तरीके से पहले ही घोषित करती है कि किस चरण में और

कैसे सदस्यता अभियान चलाया जाएगा। यह अभियान पूरी तरह से पारदर्शी होता है, इसे घर में बैठकर नहीं किया जाता। सदस्यता का पहला चरण आदरणीय प्रधानमंत्री जी के कर कमलों से प्रारंभ हो गया है जो 25 सितंबर तक चलेगा, दूसरा चरण 1 अक्टूबर से प्रारंभ होकर 15 अक्टूबर तक चलेगा, उसके बाद भाजपा की सक्रिय सदस्यता 16 अक्टूबर से प्रारंभ होकर 31 अक्टूबर तक चलेगी। भारतीय जनता पार्टी के संविधान के अनुसार एक सक्रिय सदस्य ही चुनाव में भाग ले सकता है।

बीते महीने सदस्यता अभियान को लेकर हुई राष्ट्रीय कार्यशाला में अभियान को लेकर बारीकी से चर्चा की गई थी। 17 अगस्त को राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित होने के बाद 19 से 21 अगस्त तक सभी प्रदशों में प्रदेश स्तर की कार्यशाला आयोजित हुई हैं।

777 जिलों में जिला स्तर की कार्यशालाएं हो चुकी हैं और लगभग 11486 कार्यशालऐं मण्डल स्तर पर सम्पन्न हो चुकी हैं। बीते दिन 31 अगस्त को 4 लाख से अधिक बूथों पर भी कार्यशालाऐं सम्पन्न हो चुकी हैं। कई राज्यों में बाढ़ आई है, कई राज्यों में आंदोलन चल रहे हैं, ऐसे राज्यों में सदस्यता अभियान कुछ देरी से प्रारंभ होगा लेकिन यह सतत् चलने वाली प्रक्रिया है। भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता मिस कॉल से, व्हाट्सएप्प से, वेबसाइट से, क्यू आर कोड, नमो एप और पार्टी की पर्ची से भी दी जाएगी।

इस तरह से भारतीय जनता पार्टी सदस्यता अभियान के संकल्प को पूरा करेगी। आदरणीय प्रधानमंत्री जी जिस तरह से विकसित भारत के लक्ष्य को दिन-रात आगे बढ़ा रहे हैं, इस कार्यक्रम को साकार रूप देने में पार्टी का एक-एक कार्यकर्ता अपना पूरा योगदान देगा और विकसित भारत के संकल्प को पूरा करेगा। ▪

70 वर्ष और उससे अधिक आयु के सभी वरिष्ठ नागरिकों के लिए स्वास्थ्य कवरेज

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने प्रमुख योजना आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी पीएम-जेएवाई) के तहत आय की परवाह किए बिना 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के सभी वरिष्ठ नागरिकों को स्वास्थ्य कवरेज को मंजूरी दे दी है।

इसका लक्ष्य छह (6) करोड़ वरिष्ठ नागरिकों वाले लगभग 4.5 करोड़ परिवारों को पारिवारिक आधार पर 5 लाख रुपये के मुफ्त स्वास्थ्य बीमा कवर से लाभान्वित करना है।

इस मंजूरी के साथ, 70 वर्ष और उससे अधिक उम्र के सभी वरिष्ठ नागरिक, चाहे उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति कुछ भी हो, एबी पीएम-जेएवाई का लाभ उठाने के पात्र होंगे। पात्र वरिष्ठ नागरिकों को एबी पीएम-जेएवाई के तहत नया विशिष्ट कार्ड जारी किया जाएगा। एबी पीएम-जेएवाई के तहत पहले से ही कवर किए गए परिवारों के 70 वर्ष और उससे अधिक उम्र के वरिष्ठ नागरिकों को अपने लिए प्रति वर्ष 5 लाख तक का अतिरिक्त टॉप-अप कवर मिलेगा (जिसे उन्हें परिवार के ऐसे अन्य सदस्यों के साथ साझा नहीं करना होगा जो 70 वर्ष से कम आयु के हैं)। 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के अन्य सभी वरिष्ठ नागरिकों को पारिवारिक आधार पर प्रति वर्ष 5 लाख तक का कवर मिलेगा।

70 वर्ष और उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिक जो पहले से ही केंद्र सरकार स्वास्थ्य

योजना, पूर्व सैनिक अंशदायी स्वास्थ्य योजना, आयुष्मान केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल जैसी अन्य सार्वजनिक स्वास्थ्य बीमा योजनाओं का लाभ उठा रहे हैं, वे अपनी मौजूदा योजना चुन सकते हैं या एबी पीएम-जेएवाई का विकल्प चुन सकते हैं। यह स्पष्ट किया गया है कि 70 वर्ष और उससे अधिक के वरिष्ठ नागरिक जो निजी स्वास्थ्य बीमा पॉलिसियों या कर्मचारी राज्य बीमा योजना के तहत हैं, वे एबी पीएम-जेएवाई के तहत लाभ लेने के पात्र होंगे।

एबी पीएम-जेएवाई दुनिया की सबसे बड़ी सार्वजनिक रूप से वित्त पोषित स्वास्थ्य आश्वासन योजना है जो 12.34 करोड़ परिवारों के 55 करोड़ व्यक्तियों को माध्यमिक और तृतीयक देखभाल अस्पताल में भर्ती के लिए प्रति परिवार 5 लाख रुपये प्रति वर्ष स्वास्थ्य कवर प्रदान करती है।

पात्र परिवारों के सभी सदस्यों को, चाहे उनकी उम्र कुछ भी हो, योजना के अंतर्गत शामिल किया गया है। इस योजना में 49 प्रतिशत महिला लाभार्थियों सहित 7.37 करोड़ लाभार्थियों ने अस्पताल में भर्ती होकर उपचार कराया है। जनता को इस योजना के तहत 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक का फायदा हुआ है।

70 वर्ष और उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों के लिए कवर के विस्तार की घोषणा पहले अप्रैल 2024 में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने की थी।

एबी पीएम-जेएवाई योजना में लाभार्थी आधार का निरंतर विस्तार देखा गया है। प्रारंभ में, इस योजना के तहत भारत की निचली 40 प्रतिशत आबादी वाले 10.74 करोड़ गरीब और कमजोर परिवारों को शामिल किया गया था। बाद में, भारत सरकार ने 2011 की जनसंख्या की तुलना में भारत की दशकीय जनसंख्या वृद्धि 11.7 प्रतिशत को देखते हुए जनवरी 2022 में एबी पीएम-जेएवाई के तहत लाभार्थी आधार को 10.74 करोड़ से संशोधित कर 12 करोड़ परिवारों तक कर दिया।

देश भर में काम करने वाली 37 लाख आशा/आंगनवाड़ी कार्यकर्ता/आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और उनके परिवारों को मुफ्त स्वास्थ्य देखभाल लाभ प्रदान करने के लिए इस योजना का और विस्तार किया गया। मिशन को आगे बढ़ाते हुए, एबी पीएम-जेएवाई अब देश भर में 70 वर्ष और उससे अधिक आयु वर्ग के सभी नागरिकों को 5 लाख रुपये की मुफ्त स्वास्थ्य देखभाल कवरेज प्रदान करेगी। ▪

भाजपा ही जीवंत संगठन-अमित शाह

भाजपा विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी के साथ-साथ सबसे अनूठी पार्टी भी है। केवल भाजपा ही एक ऐसी पार्टी है, जो हर 6 साल में अपने सदस्यता अभियान को संचालित करती है।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने मिस्ड कॉल के जरिये इस अभियान के तहत सबसे पहले भाजपा की सदस्यता ग्रहण की।

भारतीय जनता पार्टी में कार्यकर्ता सिर्फ सदस्य नहीं है, बल्कि कार्यकर्ता एक जीवंत इकाई है, एक विचारधारा का वाहक है, कार्य संस्कृति का पोषक है तथा सरकार और संगठन के बीच में कड़ी का काम करते है, जिसके कारण सरकार हमेशा जनता से जुड़ी रहती है। भाजपा विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी के साथ-साथ सबसे अनूठी पार्टी भी है। केवल भाजपा ही एक ऐसी पार्टी है, जो हर 6 साल में अपने सदस्यता अभियान को संचालित करती है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने मिस्ड कॉल के जरिये इस अभियान के तहत सबसे पहले भाजपा की सदस्यता ग्रहण की।

आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के सदस्यता लेते ही भारतीय जनता पार्टी के 2024 का सदस्यता अभियान एक बार पुनः शुरू हो गया है।

आज भारत के राजनीतिक मानचित्र में 1500 से ज्यादा राजनीतिक दल हैं, मगर कोई भी राजनीतिक दल लोकतांत्रिक तरीके खुलेपन और सातत्यपूर्ण तरीके से हर 6 साल में अपने सदस्यता अभियान को संचालित नहीं करती है। केवल भाजपा ही एक ऐसी पार्टी है, जिसने इस परंपरा एवं संस्कृति को लेकर सदैव आगे बढ़ा है। भाजपा के कार्यकर्ता सदस्यता अभियान की शुरुआत से समापन तक फिर से पार्टी की सदस्यता लेंगे। भारतीय जनता पार्टी के कई शुभेक्षक पार्टी के कार्यकर्ता बनेंगे और धीरे-धीरे पार्टी में समाहित होंगे।

भाजपा कार्यकर्ताओं के जनता के जुड़ाव के कारण ही सशक्त और समृद्ध भारत के निर्माण का सपना पूर्ण किया जाएगा। 1950 में इस कारवें की शुरुआत हुई, भाजपा उस समय एक छोटी इकाई थी। एक छोटी इकाई से लेकर राष्ट्र की सबसे बड़ी पार्टी बनने तक, हर चुनाव में भाजपा ने भारत माता की जय के जयकारे के साथ, विरोधियों को हमेशा ललकारा है। यह उत्साह एक जीवंत संगठन से ही आता है।

भाजपा का सदस्यता अभियान सर्वस्पर्शी और सर्वसमावेशी होना चाहिए। सदस्यता अभियान से कोई बूथ अछूता नहीं रहना चाहिए। सर्व-समावेशी का मतलब है कि हर उम्र, समूह, जाति, मजहब के प्रत्येक व्यक्ति को भाजपा में सम्मिलित करने के लिए सदस्यता अभियान आगे बढ़ना चाहिए। सदस्यता अभियान के लिए कार्य योजना बनाई गई है और 2014 की भांति भाजपा, सदस्यता अभियान के लक्ष्य को पूरा करेगी।

भाजपा एक विचारधारा को लेकर चली है, भाजपा ने अपनी विचारधारा के आधार पर राजनीति में काम करना शुरू किया। भारतीय जनता पार्टी ने कई वर्षों तक संघर्ष किया, कई हार देखी, कई प्रचंड पराजय झेली और साथ में विजय को भी महसूस किया, मगर पार्टी निरंतर अपने कार्य को करती रही है। विगत 10 वर्षों के अंदर माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा सरकार ने 60 करोड़ गरीबों को घर, बिजली, राशन, गैस और 5 लाख तक की स्वास्थ की सभी सुविधाएं प्रदान की हैं।

ग्रामीण विकास हो, शहरी विकास हो, ऊर्जा का क्षेत्र हो, अंतरिक्ष का क्षेत्र हो, डिजिटलाईजेशन हो, इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत बनाना हो, आंतरिक और बाह्य सुरक्षा को मजबूत करना हो, स्वास्थ का क्षेत्र हो या शिक्षा क्षेत्र में नई शिक्षा नीति हो, हर क्षेत्र में विगत

10 वर्षों में देश ने नई ऊँचाइयों को हासिल किया है और विश्व में अपना स्थान बनाया है। यह भारतीय जनता पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं के लिए गौरव का विषय है। विगत 10 वर्षों में आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में देश के कई लंबित मुद्दों का हल निकला है। चाहे राम मंदिर हो, धारा 370 को हटाना हो, यूसीसी का आगाज करना हो, तीन तलाक को समाप्त करना हो या काशी विश्वनाथ में कॉरिडर बनाना हो, यह सारे कार्य माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में किए गए हैं।

पूरे देश में भाजपा के इतिहास में कार्यकर्ताओं को संगठन बनाने का काम और सदस्यता को संस्थागत करने का काम आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने किया है। 80 के दशक में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी गुजरात के संगठन मंत्री बने थे, लेकिन तब कटी हुई पर्चियां रजिस्टर नहीं होती थी। आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने उस समय दिन-रात 45 दिन तक गाड़ी में सफर किया और सदस्यता अभियान को संस्थागत किया। उस समय हर सदस्य का डेटा रजिस्टर किया गया और गुजरात के संगठन को मजबूती प्रदान की गई। संगठन में जान डालना पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों की जिम्मेदारी होती है।

सदस्यता अभियान को पूर्ण कर नया संगठन संगठित किया जाएगा और फिर एक बार भारत विजय और भाजपा विजय का अभियान शुरू किया जाएगा। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने हम सबके सामने महान भारत और विकसित भारत की कल्पना और आजादी की शताब्दी वर्ष में भारत को हर क्षेत्र में सर्वप्रथम बनाने का स्वप्न हम सबके सामने रखा है। इस स्वप्न सिद्धि का मार्ग भाजपा कार्यालय से जाता है और इसके लिए ही यह सदस्यता अभियान शुरू किया जा रहा है।

हम सबको मिलकर माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा जी के संदेश को हर गली-घर में, गाँव में, शहर में, पहाड़ में, जंगल में, द्वीपों में, हर जगह जाकर भाजपा के परिवार का विस्तार करना है। सभी कार्यकर्ता पार्टी में फिर से एक बार नया खून लाए और लोगों को पार्टी के कार्य संस्कृति से परिचित कराएं। भाजपा के करोड़ों कार्यकर्ता इस अभियान को सफल बनाएंगे और माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के महान भारत और विकसित भारत के सपने को संगठन के माध्यम से चरितार्थ करेंगे। ▪

पड़ोसी से

अटल बिहारी वाजपेयी

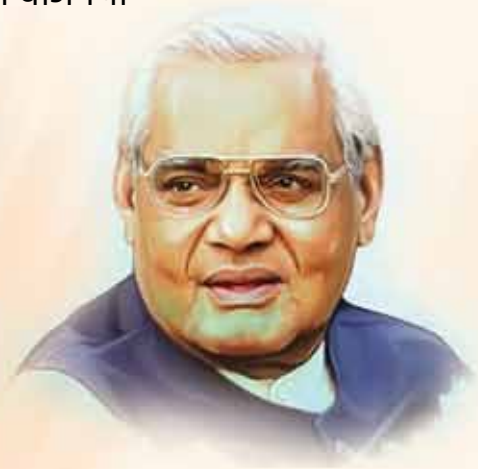

एक नहीं, दो नहीं, करो बीसों समझौते
पर स्वतन्त्र भारत का मस्तक नहीं झुकेगा।

अगणित बलिदानों से अर्जित यह स्वतन्त्रता
अश्रु,स्वेद, शोणित से सिंचित यह स्वतन्त्रता
त्याग, तेज, तप, बल से रक्षित यह स्वतन्त्रता
प्राणों से भी प्रियतर यह स्वतंत्रता।

इसे मिटाने की साजिश करने वालों से
कह दो चिनगारी का खेल बुरा होता है
औरों के घर आग लगाने का जो सपना
वो अपने ही घर में सदा खरा होता है।

अपने ही हाथों तुम अपनी कब्र न खोदो
अपने पैरों आप कुल्हाड़ी नहीं चलाओ
ओ नादान पड़ोसी अपनी आँखें खोलो
आजादी अनमोल न इसका मोल लगाओ।

पर तुम क्या जानो आजादी क्या होती है
तुम्हें मुफ्त में मिली न कीमत गई चुकाई
अँगरेजों के बल पर दो टुकड़े पाये हैं
माँ को खंडित करते तुमको लाज न आई।

अमरीकी शस्त्रों से अपनी आजादी को
दुनिया में कायम रख लोगे, यह मत समझो
दस-बीस अरब डालर लेकर आने वाली
बरबादी से तुम बच लोगे, यह मत समझो।

धमकी, जेहाद के नारों से, हथियारों से
कश्मीर कभी हथिया लोगे, यह मत समझो
हमलों से, अत्याचारों से, संहारों से
भारत का भाल झुका लोगे, यह मत समझो।

जब तक गंगा की धार, सिंधु मे ज्वार
अग्नि में जलन, सूर्य में तपन शेष
स्वातंत्र्य समर की वेदी पर अर्पित होंगे
अगणित जीवन, यौवन अशेष।

अमरीका क्या संसार भले ही हो विरुद्ध
काश्मीर पर भारत का ध्वज नहीं झुकेगा,
एक नहीं, दो नहीं, करो बीसों समझौते
पर स्वतंत्र भारत का मस्तक नहीं झुकेगा।

प्रदेश में सज रहा वैभव का चित्र-विष्णुदत्त शर्मा

भारतीय जनता पार्टी डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी के बलिदान से खड़ी हुई और पं. दीनदयाल उपाध्याय जी के अंत्योदय के विचार से चल रही है। हमें गर्व है कि भाजपा दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी है, जिसे वटवृक्ष बनाने में पार्टी के एक-एक कार्यकर्ता की त्याग एवं तपस्या जुड़ी है।

देश की एकता और अखंडता पर प्रहार को रोकने के लिए पहले जनसंघ फिर भारतीय जनता पार्टी का गठन किया गया। देश की एकता और अखंडता के लिए डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने अपना बलिदान दे दिया। आजादी के बाद संविधान में जम्मू-कश्मीर में धारा 370 लगाने का प्रावधान कर दिया गया, जिसका विरोध करते हुए डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने बलिदान दे दिया। भारतीय जनता पार्टी डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी के बलिदान से खड़ी हुई और पं. दीनदयाल उपाध्याय जी के अंत्योदय के विचार से चल रही है। हमें गर्व है कि भाजपा दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी है, जिसे वटवृक्ष बनाने में पार्टी के एक-एक कार्यकर्ता की त्याग एवं तपस्या जुड़ी है। भाजपा की स्थापना के समय श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी ने कहा था कि अगर हमारी बहुमत की सरकार आई तो हम कश्मीर से धारा 370 हटा देंगे। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में जब केंद्र में पूर्ण बहुमत की सरकार बनी तो कश्मीर से धारा-370 को खत्म कर दिया गया। आज कार्यकर्ताओं की मेहनत और परिश्रम की बदौलत जब कोई व्यक्ति सदस्य बनता है तो संगठन का तंत्र मजबूत होता है और वैभव का चित्र बनता है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने के बाद कहा था कि मेरी सरकार, गरीब, बेसहारा, महिला, युवा, किसानों की सरकार होगी। आज मोदी सरकार उसी आधार पर चल रही है और सबका साथ, सबका विकास के मंत्र को साकार किया जा रहा है।

भाजपा कार्यकर्ता संगठन पर्व में मध्यप्रदेश के लिए निर्धारित डेढ़ करोड़ की सदस्यता के लक्ष्य को प्राप्त कर हर लक्ष्य को प्राप्त करने के इतिहास को फिर दोहराएंगे। लोकसभा चुनाव में भाजपा कार्यकर्ताओं की अथक मेहनत से ही प्रदेश की सभी 29 लोकसभा सीटों पर ऐतिहासिक विजय प्राप्त की है। भाजपा सदस्य बनने से गरीबों के कल्याण की सरकार बनेगी। सभी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी को ताकत देने के लिए सदस्य बनें। भारत के मान-सम्मान और विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने के लिए भाजपा कार्यकर्ता अधिक से अधिक लोगों को पार्टी का सदस्य बनाएं। भारतीय जनता पार्टी का संगठन पर्व केवल आंकड़ों को बढ़ाने और सत्ता सुख भोगने के लिए नहीं हैं, बल्कि जनता का दुख-दर्द दूर करने के साथ-साथ देश का मान-सम्मान बढ़ाने के लिए है। जब हमारी केवल दो सीटें थी तब सत्ताधारी दलों ने हमारा मजाक उड़ाया था, तब श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी ने कहा था जितना मजाक उड़ाना है उड़ा लीजिए, लेकिन एक दिन वक्त बदलेगा, सूरज निकलेगा, अंधेरा छटेगा और कमल खिलेगा। भारतीय जनता पार्टी एक कार्यकर्ता आधारित संगठन है। चाइना में कुछ साल पहले कम्युनिस्ट पार्टी के 9 करोड़ सदस्य थे, लेकिन 2019 में हमारी पार्टी के 18 करोड़ सदस्य बन गए। इस बार संगठन पर्व का जो टारगेट प्रदेश में डेढ़ करोड़ का है उसे हम कार्यकर्ताओं की मेहनत की बदौलत जरूर पूरा करेंगे। पं. दीनदयाल उपाध्याय जी कहते थे कि जो हमारा परंपरागत विरोधी है वह हमारा मतदाता बने और हमारा जो मतदाता बना है वह भारतीय जनता पार्टी का सदस्य बने। जो भारतीय जनता पार्टी का कार्यकर्ता बनेगा तो वह भारत माता को परम वैभव पर पहुंचायेगा। मोहल्ले, क्षेत्र, विधानसभा, वार्ड में प्रत्येक घर में सदस्यता अभियान चलाकर भाजपा की सदस्यता दिलाएं।

लोकसभा चुनाव में मध्यप्रदेश में 2 करोड़ 24 लाख लोगों ने भाजपा को आशीर्वाद दिया है। सभी कार्यकर्ता भाजपा को वोट देने वाले सभी लोगों को इस संगठन पर्व के तहत सदस्य बनाएं। मध्यप्रदेश में कांग्रेस की झूठ और छल-कपट की राजनीति नहीं चलने देना है। उसके पीछे प्रत्येक बूथ पर सजग प्रहरी बनकर खड़े रहना है। बूथ का कार्यकर्ता काम करता है तो छल कपट की राजनीति मध्यप्रदेश में नहीं चलती है। बूथ पर भारतीय जनता पार्टी के 41 लाख कार्यकर्ताओं की फौज खड़ी है। यह सिर्फ भीड़ नहीं है, यह 41 लाख कार्यकर्ता वह हैं जो अपने बूथ को जीतने की रणनीति बनाते हैं। यही कार्यकर्ता प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी और केन्द्रीय मंत्री श्री अमित शाह जी की रणनीति पर काम करके बूथ को मजबूत बनाते हैं। करोड़ों कार्यकर्ता भारतीय जनता पार्टी के संगठन पर्व के अभियान में इतिहास बनाने का काम करेंगे। ▪

मध्यप्रदेश को नंबर एक राज्य बनाने, लक्ष्य से अधिक लोगों को पार्टी का सदस्य बनाएं

डॉ. मोहन यादव

भाजपा कार्यकर्ता संगठन पर्व के तहत जब घर-घर संपर्क कर लोगों को सदस्य बनाने जाएं तो यह जरूर बताएं कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र और मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार गरीबों के आंसू को पोंछने के लिए तैयार खड़ी है। सरकार की व्यवस्था में सुव्यवस्था लहराती है, इसके लिए सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश पर प्रदेश से 62 हजार माइक उतारे गए हैं।

विकास की अवधारणा पर कार्य करते हुए प्रदेश के सभी 55 जिलों में नई शिक्षा नीति के तहत प्रधानमंत्री एक्सीलेंस कॉलेज की स्थापना की गई। 1977 में नर्मदा जल को लेकर जो समझौता हुआ उसे वर्षों तक क्रियान्वित नहीं किया गया। वर्ष 2003 में मध्यप्रदेश में भाजपा की सरकार बनी, उसके बाद नर्मदा जल का उपयोग कर प्रदेश के मालवा-निमाड़ अंचल को हरा भरा करने के लिए कार्य किया गया। सदस्य बनाते समय प्रदेश की जनता को भाजपा कार्यकर्ता यह जरूर बताएं कि सालों तक शासन करने वाली कांग्रेस पार्टी ने बुंदेलखंड को हरा भरा करने के लिए कोई कार्य नहीं किया, बुंदेलखंड पैकेज के नाम पर करोड़ों की बंदरबाट जरूर की। लेकिन श्री नरेन्द्र मोदी जी प्रधानमंत्री बने, उसके बाद बुंदेलखंड को हरा-भरा करने के लिए 45 हजार करोड़ की केन-बेतवा लिंक परियोजना को मंजूरी प्रदान की। इस परियोजना के 12 हजार करोड़ के टेंडर भी मध्यप्रदेश सरकार जारी कर चुकी है।

इस परियोजना के लिए प्रधानमंत्री जी ने 45 हजार करोड़ उत्तर प्रदेश को भी दिए हैं। इसी तरह ग्वालियर-चंबल अंचल के सूखे के क्षेत्र को हराभरा बनाने के लिए चंबल-पार्वती-काली सिंध परियोजना के लिए 70 हजार करोड़ का प्रावधान किया गया है। इस परियोजना से प्रदेश के ग्वालियर-चंबल अंचल को पीने और सिंचाई के लिए पानी की भरपूर व्यवस्था होगी। यह परियोजनाएं पहले भी आ सकती थीं, लेकिन कांग्रेस सरकारों ने जनता की भलाई के लिए कार्य ही नहीं किया।

अगर वर्षों पहले यह परियोजनाएं आ जाती तों बुंदेलखंड और ग्वालियर-चंबल अंचल की दिशा और दशा ही आज अलग होती। बड़े लोग अपने उपयोग के लिए अपने घरों में हेलीकॉप्टर रखते हैं, लेकिन मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार ने गरीबों के घर तक हेलीकॉप्टर की सुविधा पहुंचाने का कार्य किया है।

सदस्य बनाते समय भाजपा कार्यकर्ता प्रदेश की जनता को बताएं कि भाजपा की सरकार गरीबों के लिए कार्य करने वाली सरकार है। हमारी सरकार ने हर अस्पताल में एंबुलेंस की व्यवस्था की है। भगवान न करे किसी के साथ कोई अनहोनी हो, लेकिन अगर ऐसा हो जाता है तो हर अस्पताल में शव वाहन की व्यवस्था भी की है। मरीजों को दूसरे जिलों के अस्पतालों में पहुंचाने के लिए हेलीकॉप्टर सुविधा भी चल रही है। छल, प्रपंच और झूठ की राजनीति करने वाले लोगों को जवाब देने के लिए भाजपा कार्यकर्ता पंचनिष्ठा के साथ सबको गले लगाएं और मध्यप्रदेश के लिए निर्धारित लक्ष्य से अधिक सदस्य बनाकर इतिहास बनाएं। जिस तरह सभी कार्यकर्ताओं ने विधानसभा और लोकसभा के चुनाव में अपने अथक मेहनत से इतिहास बनाया है, उसी तरह लक्ष्य से अधिक सदस्य बनाकर फिर इतिहास बनाएं। ▪

भाजपा कार्यकर्ता संगठन पर्व के तहत जब घर-घर संपर्क कर लोगों को सदस्य बनाने जाएं तो यह जरूर बताएं कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र और मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार गरीबों के आंसू को पोंछने के लिए तैयार खड़ी है।

लक्ष्य बड़ा नहीं, उसे हासिल करें कार्यकर्ता

डॉ. मोहन यादव

सदस्यता अभियान के पहले चरण में सभी कार्यकर्ताओं ने अच्छा प्रदर्शन किया है और अब 1 अक्टूबर से सदस्यता अभियान का दूसरा चरण शुरू हो रहा है। लेकिन हमारे सामने चुनौती बड़ी है। अभी पितृपक्ष चल रहे हैं, फिर नवरात्रि आ रही है। लेकिन हमें अपनी कार्ययोजना इस तरह से बनाना है कि हम दशहरे पर होने वाली शस्त्र पूजन तक डेढ़ करोड़ का लक्ष्य प्राप्त कर लें। लोकसभा चुनाव में 29 में से 29 सीटें जीतीं और विधानसभा चुनाव में163 सीटों पर जीत हासिल की थी। अगर प्रदेश की 230 विधानसभाओं को देखें, तो इनमें से 10-15 सीटों को छोड़कर अन्य सीटों पर जीत हासिल कर चुके हैं। इस हिसाब से देखें, तो डेढ़ करोड़ का लक्ष्य कोई बड़ा लक्ष्य नहीं है।

श्री नरेंद्र मोदी जी जब 2014 में प्रधानमंत्री बने थे, तो उन्होंने सबसे पहले बौद्धिक संपदा नीति बनाई। उस समय लोग प्रधानमंत्री जी के इस कदम को समझ नहीं पाए। लेकिन आज उसी नीति के बल पर देश से प्रतिभाओं का पलायन रुका है और वह नीति आज सार्थक होती दिखाई दे रही है। प्रधानमंत्री जी ने प्रक्रियाओं को आसान बनाने के लिए जो कदम उठाए, उसी का परिणाम है कि सागर की रीजनल कान्क्लेव में आए नीदरलैंड के एक उद्योगपति 60 दिनों में फैक्ट्री स्थापित कर उत्पादन चालू करने की बात करते हैं और प्रधानमंत्री जी तथा प्रदेश सरकार को धन्यवाद देते हैं।

इसी तरह जब सदस्यता अभियान में पहली बार मोबाइल के प्रयोग की बात आई, तो उसका औचित्य बहुत से लोगों को समझ नहीं आया, लेकिन आज मोबाइल हमारे सदस्यता अभियान के दौरान संभावित सदस्यों से संपर्क और उन्हें सदस्यता दिलाने में महत्वपूर्ण साधन साबित हो रहा है। हमारा नेतृत्व यह चाहता है कि हम सभी कार्यकर्ता समय के हिसाब से अपडेट होते रहे। इसलिए सदस्यता अभियान में लक्ष्य हासिल करने के लिए तकनीकी साधनों का प्रयोग करें। ▪

भाजपा दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी

विष्णुदत्त शर्मा

पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के विचारों के कारण ही भारतीय जनता पार्टी दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बन गई है। संगठन पर्व के पहले चरण के तहत जो लक्ष्य निर्धारित किया था, उससे कहीं ज्यादा सदस्य बनकर रिकॉर्ड कायम कर रहे हैं। पं. दीनदयाल उपाध्याय जी ने जो अंत्योदय का विचार दिया उसका अनुसरण करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी की सरकार सभी का कल्याण करने का काम कर रही है। भाजपा कार्यकर्ताओं ने मध्यप्रदेश के सभी 64871 बूथों पर कम से कम 100 नए सदस्य बनाकर पं. दीनदयाल उपाध्याय जी को सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित की।

पं. दीनदयाल उपाध्याय जी के विचारों पर चलते हुए भारतीय जनता पार्टी दुनिया की सबसे बडी पार्टी बनी, जिसका नेतृत्व प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी कर रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत का मान-सम्मान वैश्विक स्तर पर दिन-प्रतिदिन बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की गरीब कल्याण की योजनाओं से देश के 25 करोड़ लोग गरीबी की रेखा से ऊपर आए हैं।

प्रधानमंत्री जी देश को जल्द ही तीसरी अर्थव्यवथा बनाने के लिए तेजी से हर क्षेत्र में विकास के कार्य कर रहे हैं। प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में देश के गरीबों, महिलाओं और हर वर्ग का जीवन स्तर बदल रहा हैं।

पूरे प्रदेश के लोग भाजपा के साथ जुड़ रहे हैं, लेकिन कांग्रेस पार्टी भाजपा के सदस्यता अभियान को लेकर भ्रम फैलाकर नकारात्मक राजनीति कर रही है। ▪

विकसित भारत@2047 का समर्थन, सहयोग व भागीदारी सुनिश्चित करें

राष्ट्र निर्माण यात्रा में शामिल हों

जो परिवर्तन आप देखना चाहते है उसका आरंभ खुद से करें।

भाजपा की सदस्यता लें, भाजपा में शामिल हों

भाजपा एक मजबूत और विकसित भारत के निर्माण के लिए पूरी निष्ठा से प्रतिबद्ध है, जो भारत के लोगों के विश्वास और अटूट समर्थन के बिना अकल्पनीय है।

भाजपा से जुड़ें और उस अभूतपूर्व परिवर्तन का हिस्सा बनें जो समाज के सभी वर्गों के जीवन को बेहतरी की ओर बदल रहा है। आइए, मिलकर 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' का निर्माण करें और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के करिश्माई नेतृत्व में नए भारत का उदय देखें।

सशक्त भाजपा - विकसित भारत
सदस्यता अभियान-2024

भाजपा का सदस्य बनने के लिए

88 00 00 2024

पर मिस्ड कॉल करें

भारतीय जनता पार्टी

सशक्त भाजपा, विकसित भारत

भाजपा के सदस्यता अभियान में बन रहा इतिहास- विष्णुदत्त शर्मा

बूथ कार्यकर्ताओं की अथक मेहनत व परिश्रम से मध्यप्रदेश में सदस्यता में इतिहास बन रहा है। अब तक एक करोड़ 5 लाख से अधिक लोग मिस्डकॉल से भाजपा की सदस्यता ले चुके हैं। 98 लाख से अधिक लोग विधिवत फॉर्म भरकर भाजपा परिवार का सदस्य बन चुके हैं। निर्धारित लक्ष्य का 70 प्रतिशत पूरा करके मध्यप्रदेश देश में तीसरे नंबर पर है। पहले नंबर पर असम और दूसरे नंबर पर हिमाचल प्रदेश है, लेकिन बड़े राज्यों में मध्यप्रदेश पहले स्थान पर है। संगठन पर्व का पहला चरण संपन्न हुआ है। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री श्री बीएल संतोष जी ने संगठन पर्व में देश की टॉप 20 विधानसभा सीटों को लेकर ट्वीट किया था, जिसमें मध्यप्रदेश की 6 विधानसभाएं शामिल हैं। यह भी अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है।

प्रदेश के टॉप जिलों में इंदौर, मंदसौर एवं भोपाल शामिल है। मध्यप्रदेश का कार्यकर्ता अपने मेहनत और परिश्रम से संगठन पर्व में निर्धारित लक्ष्य से अधिक सदस्य बनाकर नया कीर्तिमान स्थापित करेगा। यह तब संभव होता है, जब प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव यह कहते हैं कि मैं मुख्यमंत्री बाद में पहले भाजपा का कार्यकर्ता हूं। संगठन शक्ति, टीम भावना से कार्य करते हुए मध्यप्रदेश भाजपा के कार्यकर्ता अपने लक्ष्य को पूरा करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव बूथ की बैठक लेने के साथ शक्ति केंद्र, मंडल तक की बैठकों में शामिल होते हैं, यही हमारी संगठन शक्ति और टीम भावना है।

पार्टी का संगठन पर्व पूरी पारदर्शिता के साथ चल रहा है। इसका सबसे बड़ा प्रमाण यह है कि एक करोड़ पांच लाख में 98 लाख से अधिक लोग विधिवत फार्म भर चुके हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने एक करोड़ युवाओं को राजनीति में आने का आह्वान किया है। प्रधानमंत्री 2047 तक विकसित भारत की संकल्पना के साथ कार्य कर रहे हैं। 2047 के विकसित भारत का नेतृत्व आज के 18 से 25 वर्ष के ही युवा करेंगे।

इस आयु वर्ग का युवा बड़ी संख्या में भाजपा के साथ जुड़ रहा है। संगठन पर्व में रिकॉर्ड संख्या में युवा भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर रहे हैं। मध्यप्रदेश के बहुत से जिलों में लक्ष्य के करीब सदस्यता हो चुकी है, कई विधानसभाएं ऐसी हैं, जो देश की टॉप 20 में शामिल हैं। छिंदवाड़ा जैसे जिलों में बड़ी संख्या में लोग पार्टी का सदस्य बन रहे हैं। प्रधानमंत्री जी ने पीएम आवास और उज्ज्वला योजना में महिलाओं को मालिकाना हक दिया है। यह महिलाएं भी भाजपा से जुड़ें, इसके लिए भी कार्यकर्ता प्रयास करें। जिन विधानसभाओं में लक्ष्य से कम सदस्यता हुई है, वहां अधिक ध्यान देने की जरूरत है। जिन जन प्रतिनिधियों, पार्टी पदाधिकारियों का स्वयं की सदस्यता का लक्ष्य पूरा हो चुका है, वे आसपास की कमजोर विधाननसभा के कुछ बूथों, मंडलों में सदस्यता पर जोर दें।

एक अक्टूबर से संगठन पर्व का अगला चरण शुरू होगा, जो 15 अक्टूबर तक चलेगा। 16 से 31 अक्टूबर तक सक्रिय सदस्यता का अभियान चलेगा। ▪

नीतियों और उपलब्धियों से सदस्यों को जोड़ें- हितानंद जी

सदस्यता का पहला चरण समाप्त हो चुका है। कार्यकर्ताओं की बदौलत 1 करोड़ 5 लाख से अधिक सदस्य बनाकर देश में रिकॉर्ड कायम करने की दिशा में कदम बढ़ा दिया है, लेकिन देश में नया इतिहास लिखने के लिए दूसरा चरण जो 1 से 15 अक्टूबर तक होगा उसके लिए कार्यकर्ताओं को और ज्यादा समय देना होगा। प्रदेश में कांग्रेस को बूथ स्तर पर मुक्त करने के लिए हमें एकजुटता के साथ मिलकर फोकस करना होगा। दूसरे चरण के अभियान में 5-6 अक्टूबर और उसके बाद 13 अक्टूबर को अवकाश होने पर बड़ी संख्या में लोग घर पर मिलेंगे इसलिए विशेष अभियान चलाकर सदस्यता दिलायी जायेगी। इस दौरान अपने क्षेत्रों में ज्यादा से ज्यादा सदस्य बनाने पर जोर दें, ताकि हम दूसरे चरण में डेढ़ करोड़ से ज्यादा सदस्य बनाकर रिकॉर्ड बना सकें। ज्यादा से ज्यादा लोगों को अपनी पार्टी के कामकाज और उसकी नीतियों से अवगत कराकर नए सदस्य बनाने का प्रयास करना है। ▪

वन नेशन, वन इलेक्शन का निर्णय ऐतिहासिक - विष्णुदत्त शर्मा

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी की सरकार जो कहती है वह करके दिखाती है। हमने घोषणा पत्र में कहा था कि देश में वन नेशन, वन इलेक्शन लागू करेंगे।

समिति की सिफारिशों को मंजूरी देकर केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने इस ऐतिहासिक कार्य की शुरूआत कर दी है। वन नेशन, वन इलेक्शन को लेकर कांग्रेस ने देश में भ्रम फैलाया, जबकि भाजपा ने अपना वादा निभाकर ऐतिहासिक कार्य किया है।

- **मोदी 3.0 कार्यकाल की 100 दिनों की शतकीय पारी के साथ ही एक और गारंटी पूरी होने की शुरूआत।**
- **लोकतंत्र होगा मजबूत, नई राजनैतिक संस्कृति होगी स्थापित।**

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की दूरदर्शिता से अमृत काल में हम नया इतिहास लिखने को तैयार हैं। इस फैसले से देश में कई प्रकार के संसाधनों की बचत होगी। इस अवधारणा से चुनावी प्रक्रिया को सरल और प्रभावी बनाया जा सकता है और देश में एक नई राजनैतिक संस्कृति को स्थापित किया जा सकता है, जिससे लोकतंत्र को और मजबूती मिलेगी। यदि सभी चुनाव एक साथ होते हैं तो यह राजनीतिक स्थिरता को बढ़ावा मिलेगा और सरकारों को कार्य करने का अधिक समय मिलेगा।

एक ही समय पर चुनाव कराने से सरकारों और राजनीतिक पार्टियों के खर्चों में कमी आएगी, जिससे संसाधनों का बेहतर उपयोग हो सकेगा। एक साथ चुनाव होने से राजनीतिक दल अपनी नीतियों और विकास कार्यों पर अधिक ध्यान केन्द्रित कर सकेंगे।

हर गारंटी पूरा होने की गारंटी हैं मोदी जी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी की सरकार जो कहती है वह करके दिखाती है। हमने घोषणा पत्र में कहा था कि देश में वन नेशन, वन इलेक्शन लागू करेंगे। समिति की सिफारिशों को मंजूरी देकर केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने इस ऐतिहासिक कार्य की शुरूआत कर दी है। वन नेशन, वन इलेक्शन को लेकर कांग्रेस ने देश में भ्रम फैलाया, जबकि भाजपा ने अपना वादा निभाकर ऐतिहासिक कार्य किया है।

देश में 1951 से 1967 तक संसद और विधानसभाओं के चुनाव एक साथ होते थे, लेकिन बाद में यह क्रम बिगड़ गया। 1999 में लॉ कमीशन ने ये सिफारिश की थी कि संसद और राज्य विधानसभाओं के चुनाव पांच साल में एक बार होना चाहिए, ताकि देश में विकास के कार्यक्रम चलते रहें, अनावश्यक खर्चों से बचा जा सके और कानून व्यवस्था प्रभावित न हो। 2015 में भी संसदीय समिति ने अपनी 79 वीं रिपोर्ट में वन नेशन, वन इलेक्शन को चरणों में लागू करने की सिफारिश की थी। इसके आधार पर ही पूर्व राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में हाई लेवल कमेटी गठित की गई थी। इस समिति ने संविधान एवं कानूनी विशेषज्ञों, राजनीतिक दलों, पूर्व न्यायाधीशों, वकीलों एवं आम लोगों से चर्चा के आधार पर अपनी रिपोर्ट तैयार की थी। कोविंद कमेटी ने वन नेशन, वन इलेक्शन को दो चरणों में लागू करने की सिफारिश की है। पहले चरण में संसद और विधानसभाओं के चुनाव साथ होंगे। दूसरे चरण में सभी स्थानीय संस्थाओं ग्राम पंचायत, जिला पंचायत, नगर निगम, नगर पालिकाओं आदि के चुनाव होंगे। सिफारिशों को लेकर राष्ट्र व्यापी विचार-विमर्श होगा, जिसके बाद इसे लागू करने की प्रक्रिया शुरू होगी। ▪

श्री नरेन्द्र मोदी के रूप में विशाल भारत को मिला विश्वदृष्टि-सम्पन्न नेतृत्व

डॉ. मोहन यादव

आज भारत देश की वैश्विक साख और गरिमा में जो वृद्धि हुई है उसका पूरा श्रेय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी को जाता है।

विश्व शांति की स्थापना में भारत का योगदान हो या प्रौद्योगिकी के विशाल क्षितिज में लंबी उड़ान, यह सब प्रधानमंत्री जी की विशाल दृष्टि से संभव हो रहा है। हम सब बदलाव की इस प्रक्रिया को प्रत्यक्ष देख रहे हैं। यह सौभाग्य से कम नहीं है।

भारत जैसे विशाल देश को विकास के वैश्विक दृष्टि सम्पन्न नेतृत्व की अपेक्षा थी वह प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के रूप में पूरी हो गई है। भारत के हर नागरिक की यही भावना है। इसलिए वे उन्हें मन से चाहते हैं। मध्यप्रदेश के नागरिकों की ओर से हमारे लाड़ले प्रधानमंत्री जी को जन्म दिन की अशेष शुभकामनाएं।

आज भारत देश की वैश्विक साख और गरिमा में जो वृद्धि हुई है उसका पूरा श्रेय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी को जाता है। विश्व शांति की स्थापना में भारत का योगदान हो या प्रौद्योगिकी के विशाल क्षितिज में लंबी उड़ान, यह सब प्रधानमंत्री जी की विशाल दृष्टि से संभव हो रहा है। हम सब बदलाव की इस प्रक्रिया को प्रत्यक्ष देख रहे हैं। यह सौभाग्य से कम नहीं है। मध्यप्रदेश से श्री मोदीजी का विशेष अनुराग है। उन्होंने अपने लोकप्रिय कार्यक्रम ''मन की बात'' में प्रदेश में हुए कई नवाचारों का उल्लेख कर मध्यप्रदेश का पूरे देश में सम्मान बढ़ाया है। यह हमारे समय का सत्य है कि हम भारत के नवनिर्माण को अपने सामने होता देख रहे है। भारत के नागरिक के रूप में हम नई वैश्विक पहचान के साथ दुनिया के सामने शान से खड़े हैं और गौरवशाली क्षणों को जी रहे हैं। इन मूल्यवान और ऐतिहासिक क्षणों का उपहार देने के लिए हम अपने राष्ट्र नायक श्री नरेंद्र मोदी जी को कोटिशः नमन करते हैं। पूरा देश उनका जन्मदिन मना रहा है। वे ऐसे तपस्वी पथ प्रदर्शक हैं, जिनके नेतृत्व में भारत उजाले की ओर बढ़ रहा है। उदासी और अंधेरे को हम पीछे छोड़ आए हैं। भारत को अब ऐसे प्रतिबद्ध जन सेवक का साथ मिला है, जिसके लिए राष्ट्र सर्वोपरि और नागरिक अमूल्य पूंजी है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की दीक्षा और भारतीय जनता पार्टी के संस्कारों में

रचे-बसे श्री नरेंद्र मोदी का व्यक्तित्व इतना विशाल हो गया है कि उसे शब्दों में बांधना एक चुनौतीपूर्ण काम है। उनके व्यक्तित्व की ऐसी कई विशेषताएं हैं जो नई पीढ़ी के लिए प्रेरणादायक हैं चाहे वे किसी भी क्षेत्र में काम करते हों। हम सब उनसे लगातार सीखते रहते हैं। भारत को श्री नरेंद्र मोदी का नेतृत्व ऐसे समय मिला जब भारत अवसाद में डूबा हुआ अंधेरे की तरफ चल पड़ा था। वैश्विक परिदृश्य में एक कोने में खड़ा दिखाई देता था और इसे एक स्फूर्तिदायक, नई दृष्टि और नई ऊर्जा से भरे नेतृत्व की आवश्यकता थी।

राष्ट्रवादी प्रधान नायक

राष्ट्रवादी प्रधान नायक रुप में श्री नरेन्द्र मोदी ने देश में जिस प्रकार राष्ट्रवादी मूल्यों का संचार किया है वह अद्भुत है। इसकी अनुभूति प्रत्येक नागरिक को हो रही है। वर्तमान और भविष्य की एक साथ चिंता उनकी दृष्टि में परिलक्षित होती है। वर्तमान को मजबूत बनाकर भविष्य को सुरक्षित करने का उनका दृष्टिकोण उनकी हर योजना में स्पष्ट रेखांकित होता है। हम कह सकते हैं कि नये भारत के वास्तुकार के रूप में मोदी जी ने न सिर्फ राजनीतिक बल्कि सामाजिक बुनावट और सोच को भी नये आयामों से देखने का अवसर दिया है। भारत को एक सुगठित राष्ट्र बनाने में उन्होंने जो कला-कौशल दिखाया है वह भारत के इतिहास में प्रमुखता के साथ दर्ज होगा।

गुणों की खान

श्री नरेन्द्र मोदी का संपूर्ण व्यक्तित्व एक पाठशाला बन गया है। उनके व्यक्तित्व के कई अनूठे आयाम हम देख चुके हैं, जो हमें आश्चर्य चकित कर देते हैं। उनकी सबसे बड़ी और असाधारण बात है उनके वक्तव्य और भाषण। जितनी स्पष्टता और प्रभावी तरीके से वे अपनी बात रखते हैं वह आश्चर्यजनक है। उनकी दूरदृष्टि या विजन बिल्कुल स्पष्ट होता है। उन्होंने लोगों में विश्वास जगाया है कि भारत में आर्थिक विकास करने और दुनिया में अपना प्रभुत्व कायम करने की क्षमता है।

अनुशासित जीवन के प्रति उनके अनुराग ने सभी भारतीयों को प्रभावित और प्रेरित किया है। राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ में एक बाल स्वयं सेवक बनने से लेकर प्रधानमंत्री बनने तक उनका जीवन अनुशासित रहा है। स्वास्थ्य के प्रति सजग रहते हुए, हर पल उत्साह से बिताना और नियमित योग करना उनकी दिनचर्या है। कई अवसर ऐसे आये जब श्री मोदी ने यह सिखाया और प्रयोग करके दिखाया कि कैसे धैर्य और विनम्रता सबसे भरोसेमंद साथी है। इनके सहारे कठिन चुनौतियों से निपटा जा सकता है। मोदी जी स्वयं टैकसेवी है और वे खुद को तकनीक के क्षेत्र में होने वाले परिवर्तनों से अपडेट रखते हैं। उनका तकनीकी के प्रति रुझान हमें प्रेरणा देता है कि तकनीकी के साथ बने रहना न सिर्फ स्वयं बल्कि समाज के लिये भी जरूरी है।

इतिहास बदलने वाले कदम

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी में समय के साथ चलने और समय के पार देखने की अद्भुत क्षमता है। इसीलिए उन्होंने अपने नेतृत्व में जितनी योजनाएं बनाई वे सब वर्तमान को मजबूत बनाते हुए भविष्य को सुरक्षित करने वाली योजनाएं हैं। वर्ष 2047 तक विकसित भारत समृद्ध भारत का मिशन पूरा करने और भारत को विश्व की प्रथम 5 अर्थव्यवस्थाओं में शामिल करने के महान लक्ष्य को पूरा करने में हम रात-दिन मेहनत करेंगे।

योजनाओं को डिजाइन करते हुए श्री मोदी ने इस बात का भी पूरी तरह ध्यान रखा कि केंद्र और राज्य की भूमिका स्पष्ट हो। उनकी परस्पर जिम्मेदारियां स्पष्ट हों ताकि संघीय ढांचे की गरिमा पर कोई आंच नहीं आने पाए। सभी योजनाओं का उद्देश्य देश को विकसित बनाना और आर्थिक अर्थव्यवस्था को सुधारना है। नागरिकों को अच्छी सुविधाएं आत्मनिर्भर जीवन यापन के अच्छे विकल्प, अच्छी स्वास्थ्य सेवाएं, अच्छा रोजगार, बेहतर वातावरण आदि उपलब्ध कराना है। प्रधानमंत्री जन धन योजना, स्वच्छ भारत मिशन, स्किल इंडिया मिशन, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, अमृत योजना, डिजिटल इंडिया मिशन, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, आत्मनिर्भर भारत ने वर्तमान भारत की तस्वीर बदल दी है। भारतीय लोकतंत्र में एक स्वर्णिम अध्याय शुरू हुआ है और उसमें निरंतर नये-नये आयाम जुड़ते जा रहे हैं।

राष्ट्र नायक श्री मोदी के नेतृत्व में हम सब आशा भरे और आत्मविश्वास बढ़ाने वाला ऐसा समय देख रहे हैं, जो हमारा सपना था। भारत को एक नई ऊंचाई पर ले जाने का हमारा सपना जल्दी ही पूरा होगा। आज हम भारतीय इस विकास की गाथा में खुद को भागीदार मानते हैं। ''सबका साथ-सबका विकास और सबका विश्वास'' के मंत्र अब हर नागरिक का सूत्र वाक्य है। हम श्री नरेन्द्र मोदी के जन्म दिवस पर उनके स्वस्थ एवं दीर्घायु होने की कामना करने के साथ यह भी प्रार्थना करते हैं कि उनके नेतृत्व में भारत एक समृद्ध राष्ट्र बने और हर नागरिक समृद्धशाली हो। ▪

(लेखक मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री हैं।)

वन नेशन-वन इलेक्शन संसदीय प्रणाली में ऐतिहासिक सुधार

डॉ. मोहन यादव

इस पहल से न केवल भारतीय लोकतांत्रिक मूल्यों व आदर्शों को और अधिक मजबूती मिलेगी, बल्कि यह हमारी संसदीय प्रणाली में एक ऐतिहासिक सुधार भी साबित होगा...

प्रधानमंत्री श्री मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारतीय लोकतंत्र ने वन नेशन-वन इलेक्शन की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम बढ़ाया है। यह अभी तक का सबसे बड़ा निर्णय है। अलग-अलग राज्यों में बार-बार चुनाव से विकास कार्य प्रभावित होते हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने चुनाव से पहले ही वन नेशन-वन इलेक्शन की घोषणा कर दी थी और इसके लिए पूर्व राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद के मार्गदर्शन में एक आयोग गठित किया था, जिसने इस संबंध में प्रस्ताव पेश किया। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने मंत्रीमंडल से प्रस्ताव को स्वीकृत करवा कर भारतीय लोकतंत्र को मजबूत करने का कार्य किया है। इस पहल से न केवल भारतीय लोकतांत्रिक मूल्यों व आदर्शों को और अधिक मजबूती मिलेगी, बल्कि यह हमारी संसदीय प्रणाली में एक ऐतिहासिक सुधार भी साबित होगा। आने वाले संसद के शीतकालीन सत्र में इस प्रस्ताव को स्वीकृति मिल जाएगी। ▪

पं. दीनदयाल उपाध्याय
स्वावलंबी और समर्थ समाज निर्माण के प्रेरक

डॉ. मोहन यादव

विलक्षण व्यक्तित्व के धनी, ऋषि राजनेता, एकात्म मानव दर्शन तथा अंत्योदय के प्रणेता और हमारे मार्गदर्शक पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के चरणों में कोटिशः नमन्।

संपूर्ण समाज, मानवता और राष्ट्र के लिये समर्पित श्रद्धेय दीनदयाल जी ने राष्ट्र निर्माण के लिये जो सूत्र दिये हैं वह भारतीय संस्कृति, परंपरा, देशज ज्ञान और एकात्म पर केंद्रित हैं। श्रद्धेय दीनदयाल जी ने जनसंघ की स्थापना से लेकर अंतिम सांस तक, अपने जीवन को यज्ञ में आहुति की तरह समर्पित किया और समग्र कल्याण का दर्शन दिया। इस दर्शन को विश्व एकात्म मानव दर्शन के रूप में जानता है।

पंडित जी मौलिक विचारक थे। उनका कहना था कि हमारी विरासत हजारों साल पुरानी है। हमें अतीत से प्रेरणा लेनी है और उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करना है। उनका मानना था, जब समाज आत्म-निर्भर होगा तभी स्वाभिमानी होगा और जब स्वाभिमानी होगा तभी स्वावलंबी होगा। वे कहते थे, हमें देशानुकूल होने के साथ युगानुकूल भी होना है।

पंडित जी मौलिक विचारक थे। उनका कहना था कि हमारी विरासत हजारों साल पुरानी है। हमें अतीत से प्रेरणा लेनी है और उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करना है।

उनका मानना था, जब समाज आत्म-निर्भर होगा तभी स्वाभिमानी होगा और जब स्वाभिमानी होगा तभी स्वावलंबी होगा। वे कहते थे, हमें देशानुकूल होने के साथ युगानुकूल भी होना है।

मौलिक भारतीय चिंतन के आधार पर विकास के लिये पंडित दीनदयाल जी ने एकात्म मानव दर्शन दिया। एकात्म मानव दर्शन में व्यक्ति के सुख की समग्र परिकल्पना की गई है। इसमें शरीर, मन, बुद्धि और आत्मा के समन्वय तथा एकात्मता का विचार है। यह दर्शन समस्त मानव के उत्थान पर केंद्रित है। इसमें सहज, सरल और सरस समाज निर्माण का मार्ग है। हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का सबका साथ, सबका विकास और सबका कल्याण इसी अवधारणा का प्रकटीकरण है।

पंडित दीनदयाल जी ने अपने व्याख्यानों में विकास और निर्माण का मंत्र दिया। वे कहते थे, स्वाभिमानी बनो! अपने पुरुषार्थ से स्वाभिमानी कैसे बना जाये, वह इसका भी उल्लेख करते थे। उन्होंने देश-दुनिया को चतुर्पुरुषार्थ की संकल्पना दी। ये पुरुषार्थ हैं धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष। यह चतुर्पुरुषार्थ मन, बुद्धि, आत्मा और शरीर के संतुलन से संभव हैं। इनके द्वारा ही एक आदर्श समाज और आदर्श राष्ट्र का निर्माण हो सकता है।

पहला पुरुषार्थ धर्म है जिसमें शिक्षा, संस्कार और व्यवस्था है तो दूसरे अर्थ में साधन, संपन्नता और वैभव आता है। अर्थ उपार्जन सही तरीके से हो, इसके लिये पंडित दीनदयाल जी ने मानव धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। इस तरह धर्मानुकूल, अर्थात् उचित मार्ग से अर्थ उपार्जन करने का मार्ग प्रशस्त किया। तीसरा पुरुषार्थ है काम, जिसमें मन की समस्त कामनाएं शामिल हैं। मनुष्य को संतुलित, समयानुकुल और सकारात्मक स्वरूप में कार्य करना चाहिए। चौथा पुरुषार्थ है मोक्ष, अर्थात् संतोष की परम स्थिति। यदि व्यक्ति संतोषी होगा तो वह समाज और राष्ट्र निर्माण का आधार बन सकता है। इन चार पुरुषार्थों की अवधारणा के अनुसार, यदि व्यक्ति और समाज को विकास के अवसर दिये जायें तो स्वावलंबी और समर्थ समाज का निर्माण किया जा सकता है। इस समाज की परिकल्पना हमारे वेदों में की गई है। यही पंडित दीनदयाल जी की एकात्म मानव दर्शन की मूल अवधारणा है।

पंडित दीनदयाल जी की स्वावलंबी समाज निर्माण की अवधारणा को हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी विश्वकर्मा योजना, आत्मनिर्भर भारत, स्टार्टअप इंडिया, वोकल फॉर लोकल, एक भारत-श्रेष्ठ भारत आदि योजनाओं के माध्यम से धरातल पर लाने को प्रयासरत हैं। इन योजनाओं ने समाज को सशक्त बनाया और हर जन की अंतरात्मा को

पंडित दीनदयाल जी ने एकात्म मानवदर्शन और अंत्योदय से भारत राष्ट्र के कल्याण का जो मार्ग बताया, वह आकार ले रहा है।

गरीब से गरीब व्यक्ति के जीवन में बदलाव आये, उन्हें मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हों और उनका जीवन सफल हो, ऐसे हर संभव प्रयास करना श्रद्धेय पंडित दीनदयाल जी के दर्शन का मूल भाव है।

पुरुषार्थ करने के लिये प्रेरित किया है।

अंत्योदय अर्थात् समाज के सबसे अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति का कल्याण। पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी ने अंत्योदय के लिये जो मार्ग बताया था, वह माननीय प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में धरातल पर दिखाई दे रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी गांव, गरीब, किसान, वंचित, शोषित, युवा और महिलाओं के कल्याण के लिये संकल्पित हैं। देश के गरीब से गरीब व्यक्ति के जीवन में सामाजिक सुरक्षा, मुद्रा, जनधन, उज्ज्वला, स्वच्छता मिशन, शौचालय निर्माण, दीनदयाल ग्राम ज्योति, प्रधानमंत्री आवास, जन औषधि केंद्र तथा आयुष्मान भारत जैसी जनकल्याणकारी योजनाओं से अभूतपूर्व परिवर्तन हुआ है।

मुझे यह बताते हुए संतोष है कि हम समाज के सभी वर्गों की सहभागिता के साथ, सबके विकास को ध्यान में रखते हुए कार्य कर रहे हैं। प्रदेश में प्रत्येक स्तर पर त्वरित पारदर्शी उत्तरदायी तथा संवेदनशील शासन व्यवस्था सुनिश्चित करने की दिशा में प्रभावी कदम उठाये जा रहे हैं।

प्रधानमंत्री जी की प्रेरणा से हम हर जन के कल्याण और प्रदेश के विकास के लिये चार मिशन, युवा शक्ति मिशन, गरीब कल्याण मिशन, किसान कल्याण मिशन और नारी सशक्तिकरण मिशन बनाकर काम करने जा रहे हैं। इससे युवा, गरीब, किसान और महिलाओं के समग्र विकास पर कार्य किया जायेगा। यह मिशन पंडित दीनदयाल जी के अंत्योदय कल्याण के लक्ष्य पूर्ति में सहभागी बनेंगे।

मध्यप्रदेश में गरीब कल्याण के लिये कई योजनाएं और कार्य अमल में लाये जा रहे हैं। इनमें इंदौर की हुकुमचंद मिल के 4 हजार 800 श्रमिक परिवारों को उनका अधिकार दिया गया है। स्वामित्व योजना के माध्यम से 23 लाख 50 हजार लोगों को भू-अधिकार पत्र वितरित किये गये हैं।

मुख्यमंत्री जनकल्याण योजना 2.0 के अंतर्गत 30 हजार 500 से अधिक श्रमिक परिवारों को 670 करोड़ रुपये से अधिक की अनुग्रह सहायता प्रदान की गई है और सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना से प्रतिमाह 55 लाख 60 हजार से अधिक हितग्राहियों को पिछले एक वर्ष में लगभग 4 हजार करोड़ रुपये से अधिक की पेंशन राशि वितरित की गई।

इसी तरह तेंदूपत्ता संग्राहकों का मानदेय 3 हजार रुपये प्रति मानक बोरा से बढ़ाकर चार हजार रुपये किया गया। पीएम जन-मन योजना से विशेष पिछड़ी जनजातियों को अधोसंरचना, बिजली की उपलब्धता, आहार अनुदान तथा अन्य समुचित व्यवस्था के लिये योजनाएं चलाई जा रही हैं।

पंडित दीनदयाल जी ने एकात्म मानवदर्शन और अंत्योदय से भारत राष्ट्र के कल्याण का जो मार्ग बताया, वह आकार ले रहा है। गरीब से गरीब व्यक्ति के जीवन में बदलाव आये, उन्हें मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हों और उनका जीवन सफल हो, ऐसे हर संभव प्रयास करना श्रद्धेय पंडित दीनदयाल जी के दर्शन का मूल भाव है।

भारत, वर्ष 2047 तक विश्व की महाशक्ति बनने के संकल्प के साथ प्रगति पथ पर अग्रसर है। भारत को सर्वश्रेष्ठ राष्ट्र बनाने के लिये हमें दीनदयाल जी के मौलिक चिंतन और आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा को आत्मसात करना होगा।

हमारे पथ प्रदर्शक, मार्गदर्शक, राष्ट्र निर्माण के दृष्टा, विराट समर्पण के प्रतीक, मां भारती की सेवा में जीवनपर्यंत समर्पित पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी को एक बार पुनः नमन्। ▪

(लेखक, मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री हैं)

मुख्यमंत्री निवास में क्षमावाणी महोत्सव

जैन परम्परा और संस्कृति का गौरवशाली इतिहास है। जैन मुनि, आचार्य, साधु-संतों को मार्ग से गुजरने के दौरान आवश्यकता होने पर शासकीय भवन उपलब्ध कराएंगे।

कोई भी देश उन्नति व प्रगति करता है और सक्षम बनता है तो अपनी संस्कृति का दूसरों पर भी प्रभाव डालना चाहता है। हमें गर्व है कि हमारा देश हमेशा अपनी शक्ति का सदुपयोग करने की दिशा में बढ़ता है इसमें हमारा दर्शन छुपा है।

- **बड़ा आदमी छोटे के प्रति विनम्रता का भाव रखें तो यह वीरता को दर्शाता है।**
- **प्रदेश में जैन कल्याण बोर्ड का गठन किया जाएगा।**
- **क्षमतावान और शक्तिवान व्यक्ति ही क्षमा कर सकता है।**
- **समाज में अग्रणी भूमिका निभाता है जैन समाज।**

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद श्री विष्णुदत्त शर्मा ने मुख्यमंत्री निवास में आयोजित क्षमावाणी महोत्सव को संबोधित किया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि जैन परम्परा और संस्कृति का गौरवशाली इतिहास है। जैन मुनि, आचार्य, साधु-संतों को मार्ग से गुजरने के दौरान आवश्यकता होने पर शासकीय भवन उपलब्ध कराएंगे। कोई भी देश उन्नति व प्रगति करता है और सक्षम बनता है तो अपनी संस्कृति का दूसरों पर भी प्रभाव डालना चाहता है। हमें गर्व है कि हमारा देश हमेशा अपनी शक्ति का सदुपयोग करने की दिशा में बढ़ता है इसमें हमारा दर्शन छुपा है। भारत शक्ति सम्पन्न बनकर अपने नागरिकों का भला करना तथा विश्व के सर्वश्रेष्ठ देशों में शामिल होना चाहता है। लेकिन हमें गर्व उस समय और होता है जब इतना शक्ति सम्पन्न होकर भी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में रूस और यूक्रेन के बीच जाकर शांति का संदेश देता है, इससे हमारा देश अपने आप धन्य होता है।

मध्यप्रदेश सरकार ने खुले में मांस की बिक्री पर रोक लगाई है। कानून व्यवस्था, सुशासन की स्थापना करना सरकार का दायित्व है। हजारों सालों से हमारे देश के शासकों ने ''जियो और जीने दो'' की परम्परा का निर्वहन किया। हमने कभी किसी देश पर हमला नहीं किया। किसी को गुलाम नहीं बनाया। यह हमारी परम्परा रही है। कदम-कदम पर हमारी संस्कृति के उदाहरण मिलते हैं। सागर में आचार्य विद्यासागर जी के नाम पर मेडिकल कॉलेज खोलने की स्वीकृति मिल गई है। राज्य सरकार ने सभी संभागों के अंतर्गत आयुर्वेदिक कॉलेज खोलने का निर्णय लिया है। गौशालाओं, गाय को पालने के लिए प्रोत्साहन देंगे। दूध बिक्री पर बोनस देने का निर्णय किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि समर्थ, सक्षम और बड़ा आदमी छोटे के प्रति क्षमा का भाव रखें तो सही है। बड़ा आदमी छोटे के प्रति विन्रमता का भाव रखे तो यह वीरता को दर्शाता है। यह भगवान महावीर का दर्शन है। जैन समाज के आचार्यों ने हमें आगे बढ़ने का मार्ग दिखाया है। जैन संतों के माध्यम से जीवन जीने का आनंद, प्रेरणा, संबल और सहारा मिलता है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद श्री विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि पौराणिक कथाओं के अनुसार एक बार यह पता लगाना शुरू किया गया कि सर्वश्रेष्ठ भगवान कौन हैं। इसके लिए ऋषि भृगु पहले भगवान शंकर के पास पहुंचे। इसके बाद अंत में वे भगवान विष्णु से मिलने पहुंचे। भगवान विष्णु के अनुचरों ने कहा कि भगवान अभी योग निद्रा में हैं, आप इंतजार कीजिए।

इसके बाद भृगु ऋषि को क्रोध आ गया। क्रोध में आकर ऋषि भृगु भगवान विष्णु के कक्ष में पहुंचे और उनके सीने में पैर मार दिया। इसके बावजूद भगवान श्री विष्णु ने गुस्सा नहीं किया और कहा कि ऋषिवर मेरा शरीर तो वज्र का है, हमें कोई चोट नहीं लगी। मुझे पैर मारने से कहीं आपको चोट तो नहीं लगी, यह है हमारी सनातन परंपरा। जैन समाज इसी सनातन परंपरा के ध्वज वाहक का कार्य कर रहा है।

हमारे समाज और देश के विकास में जैन समाज की महती भूमिका है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सभी समाज वर्गों को साथ लेकर उनके विकास और उत्थान के लिए कार्य कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के सबका साथ, सबका विकास, सबका प्रयास और सबका विश्वास के मूल मंत्र पर कार्य करते हुए मध्यप्रदेश को प्रगति के पथ पर आगे ले जाने का कार्य कर रहे हैं। ▪

'मन की बात' के श्रोता ही असली सूत्रधार

- 'मन की बात' के 10 साल पूरे हो रहे हैं।
- 'मन की बात' के श्रोता ही इस शो के असली सूत्रधार है।
- देश भर में जारी जल संरक्षण के प्रयास, जल संकट से निपटने में सहायक होंगे।
- 2 अक्टूबर को 'स्वच्छ भारत मिशन' के 10 साल पूरे होंगे।
- 'वेस्ट टू वेल्थ' का मंत्र लोगों के बीच लोकप्रिय हो रहा है।
- अमेरिकी सरकार ने भारत को लगभग 300 प्राचीन कलाकृतियाँ लौटाईं।
- 'एक पेड़ माँ के नाम' एक असाधारण पहल है, जो वास्तव में 'जनभागीदारी' का उदाहरण है।
- भारत एक मैन्युफैक्चरिंग पावर हाउस बन गया है।

'मन की बात' की इस लंबी यात्रा के कई ऐसे पड़ाव हैं, जिन्हें मैं कभी भूल नहीं सकता। 'मन की बात' के करोड़ों श्रोता हमारी इस यात्रा के ऐसे साथी हैं, जिनका मुझे निरंतर सहयोग मिलता रहा। देश के कोने- कोने से उन्होनें जानकारियां उपलब्ध कराई। 'मन की बात' के श्रोता ही इस कार्यक्रम के असली सूत्रधार हैं।

'मन की बात' में एक बार फिर हमें जुड़ने का अवसर मिला है। ये Episode मुझे भावुक करने वाला है, मुझे बहुत सी पुरानी यादों से घेर रहा है - कारण ये है कि 'मन की बात' की हमारी इस यात्रा को 10 साल पूरे हो रहे है। 10 साल पहले 'मन की बात' का प्रारंभ 3 अक्टूबर को विजयादशमी के दिन हुआ था और ये कितना पवित्र संयोग है, कि, इस साल 3 अक्टूबर को जब 'मन की बात' के 10 वर्ष पूरे होंगे, तब, नवरात्रि का पहला दिन होगा। 'मन की बात' की इस लंबी यात्रा के कई ऐसे पड़ाव हैं, जिन्हें मैं कभी भूल नहीं सकता। 'मन की बात' के करोड़ों श्रोता हमारी इस यात्रा के ऐसे साथी हैं, जिनका मुझे निरंतर सहयोग मिलता रहा। देश के कोने- कोने से उन्होनें जानकारियां उपलब्ध कराई। 'मन की बात' के श्रोता ही इस कार्यक्रम के असली सूत्रधार हैं। आमतौर पर एक धारणा ऐसी घर कर गई है कि जब तक चटपटी बातें न हो, नकारात्मक बातें न हो तब तक उसको ज्यादा तवज्जो नहीं मिलती है। लेकिन 'मन की बात' ने साबित किया है कि देश के लोगों में positive जानकारी की कितनी भूख है। Positive बातें, प्रेरणा से भर देने वाले उदाहरण, हौसला देने वाली गाथाएँ, लोगों को, बहुत पसंद आती हैं। जैसे एक पक्षी होता है 'चकोर' जिसके बारे में कहा जाता है कि वो सिर्फ वर्षा की बूंद ही पीता है। 'मन की बात' में हमने देखा कि लोग भी चकोर पक्षी की तरह, देश की उपलब्धियों को, लोगों की सामूहिक उपलब्धियों को, कितने गर्व से सुनते हैं। 'मन की बात' की 10 वर्ष की यात्रा ने एक ऐसी माला तैयार की है, जिसमें, हर episode के साथ नई गाथाएँ, नए कीर्तिमान, नए व्यक्तित्व जुड़ जाते हैं। हमारे समाज में सामूहिकता की भावना के साथ जो भी काम हो रहा हो, उन्हें 'मन की बात' के द्वारा सम्मान मिलता है। मेरा मन भी तभी गर्व से भर जाता है, जब मैं 'मन की बात' के लिए आयी चिट्ठियों को पढ़ता हूँ। हमारे देश में कितने प्रतिभावान लोग हैं, उनमें देश और समाज की सेवा करने का कितना जज्बा है। वो लोगों की निस्वार्थ भाव से सेवा करने में अपना पूरा जीवन समर्पित कर देते हैं। उनके बारे में जान कर मैं ऊर्जा से भर

जाता हूँ। 'मन की बात' की ये पूरी प्रक्रिया मेरे लिए ऐसी है, जैसे मंदिर जा करके ईश्वर के दर्शन करना। 'मन की बात' के हर बात को, हर घटना को, हर चिट्ठी को मैं याद करता हूँ तो ऐसे लगता है मैं जनता जनार्दन, जो मेरे लिए ईश्वर का रूप है मैं, उनका दर्शन कर रहा हूँ।

मैं दूरदर्शन, प्रसार भारती और All India Radio से जुड़े सभी लोगों की भी सराहना करूंगा। उनके अथक प्रयासों से 'मन की बात' इस महत्वपूर्ण पड़ाव तक पहुंचा है। मैं विभिन्न TV channels को, Regional TV channels का भी आभारी हूँ जिन्होनें लगातार इसे दिखाया है। 'मन की बात' के द्वारा हमने जिन मुद्दों को उठाया, उन्हें लेकर कई Media Houses ने मुहिम भी चलाई। मैं Print Media को भी धन्यवाद देता हूँ कि उन्होनें इसे घर-घर तक पहुंचाया। मैं उन YouTubers को भी धन्यवाद दूंगा जिन्होनें 'मन की बात' पर अनेक कार्यक्रम किए। इस कार्यक्रम को देश की 22 भाषाओं के साथ 12 विदेशी भाषाओं में भी सुना जा सकता है। मुझे अच्छा लगता है जब लोग ये कहते हैं कि उन्होनें 'मन की बात' कार्यक्रम को अपनी स्थानीय भाषा में सुना। आप में से बहुत से लोगों को ये पता होगा कि 'मन की बात' कार्यक्रम पर आधारित एक Quiz competition भी चल रहा है, जिसमें, कोई भी व्यक्ति हिस्सा ले सकता है। Mygov.in पर जाकर आप इस competition में हिस्सा ले सकते हैं और ईनाम भी जीत सकते है। इस महत्वपूर्ण पड़ाव पर, मैं एक बार फिर आप सबसे आशीर्वाद माँगता हूँ। पवित्र मन और पूर्ण समर्पण भाव से, मैं इसी तरह, भारत के लोगों की महानता के गीत गाता रहूँ। देश की सामूहिक शक्ति को, हम सब, इसी तरह celebrate करते रहें - यही मेरी ईश्वर से प्रार्थना है, जनता-जनार्दन से प्रार्थना है।

पिछले कुछ सप्ताह से देश के अलग-अलग हिस्सों में जबरदस्त बारिश हो रही है। बारिश का ये मौसम, हमें याद दिलाता है कि 'जल-संरक्षण' कितना जरूरी है, पानी बचाना कितना जरूरी है। बारिश के दिनों में बचाया गया पानी, जल संकट के महीनों में बहुत मदद करता है, और यही 'Catch the Rain' जैसे अभियानों की भावना है। मुझे खुशी है कि पानी के संरक्षण को लेकर कई लोग नई पहल कर रहे हैं। ऐसा ही एक प्रयास उत्तर प्रदेश के झांसी में देखने को मिला है। आप जानते ही हैं कि 'झांसी' बुंदेलखंड में है, जिसकी पहचान, पानी की किल्लत से जुड़ी हुई है। यहाँ, झांसी में कुछ महिलाओं ने घुरारी नदी को नया जीवन दिया है। ये महिलाएं Self help group से जुड़ी हैं और उन्होनें 'जल सहेली' बनकर इस अभियान का नेतृत्व किया है। इन महिलाओं ने मृतप्राय हो चुकी घुरारी नदी को जिस तरह से बचाया है, उसकी किसी ने कल्पना भी नहीं की होगी। इन जल सहेलियों ने बोरियों में बालू भरकर चेकडैम (Check Dam) तैयार किया, बारिश का पानी बर्बाद होने से रोका और नदी को पानी से लबालब कर दिया। इन महिलाओं ने सैकड़ों जलाशयों के निर्माण और उनके Revival में भी बढ़-चढ़कर हाथ बटाया है। इससे इस क्षेत्र के लोगों की पानी की समस्या तो दूर हुई ही है, उनके चेहरों पर, खुशियां भी लौट आई हैं।

कहीं नारी-शक्ति, जल-शक्ति को बढ़ाती है तो कहीं जल-शक्ति भी नारी-शक्ति को मजबूत करती है। मुझे मध्य प्रदेश के दो बड़े ही प्रेरणादायी प्रयासों की जानकारी मिली है। यहाँ डिंण्डौरी के रयपुरा गाँव में एक बड़े तालाब के निर्माण से भू-जल स्तर काफी बढ़ गया है। इसका फायदा इस गाँव की महिलाओं को मिला। यहाँ 'शारदा आजीविका स्वयं सहायता समूह' इससे जुड़ी महिलाओं को मछली पालन का नया व्यवसाय भी मिल गया। इन महिलाओं ने Fish-Parlour भी शुरू किया है, जहाँ होने वाली मछलियों की बिक्री से उनकी आय भी बढ़ रही है। मध्य प्रदेश के छतरपुर में भी महिलाओं का प्रयास बहुत सराहनीय है। यहाँ के खोंप गाँव का बड़ा तालाब जब सूखने लगा तो महिलाओं ने इसे पुनर्जीवित करने का बीड़ा उठाया। 'हरी बगिया स्वयं सहायता समूह' की इन महिलाओं ने तालाब से बड़ी मात्रा में गाद निकाली, तालाब से जो गाद निकली उसका उपयोग उन्होंने बंजर जमीन पर fruit forest तैयार करने के लिए किया। इन महिलाओं की मेहनत से ना सिर्फ तालाब में खूब पानी भर गया, बल्कि, फसलों की उपज भी काफी बढ़ी है। देश के कोने-कोने में हो रहे 'जल संरक्षण' के ऐसे प्रयास पानी के संकट से निपटने में बहुत मददगार साबित होने वाले हैं। मुझे पूरा भरोसा है कि आप भी अपने आसपास हो रहे ऐसे प्रयासों से जरूर जुड़ेंगे।

उत्तराखंड के उत्तरकाशी में एक सीमावर्ती गाँव है 'झाला'। यहां के युवाओं ने अपने गाँव को स्वच्छ रखने के लिए एक खास पहल शुरू की है। वे अपने गाँव में 'धन्यवाद प्रकृति' या कहें 'Thank you Nature' अभियान चला रहे हैं। इसके तहत गाँव में रोजाना दो घंटे सफाई की जाती है। गाँव की गलियों में बिखरे हुए कूड़े को समेटकर, उसे, गाँव के बाहर, तय जगह पर, डाला जाता है। इससे झाला गाँव भी स्वच्छ हो रहा है और लोग जागरूक भी हो रहे हैं। आप सोचिए, अगर ऐसे ही हर गाँव, हर गली-हर मोहल्ला, अपने यहां ऐसा ही Thank You अभियान शुरू कर दे, तो कितना बड़ा परिवर्तन आ सकता है।

स्वच्छता को लेकर पुडुचेरी के समुद्र तट पर भी जबरदस्त मुहिम चलाई जा रही है। यहां रम्या जी नाम की महिला, माहे municipality और इसके आसपास के क्षेत्र के युवाओं की एक टीम का नेतृत्व कर रही है। इस टीम के लोग अपने प्रयासों से माहे Area और खासकर वहाँ के Beaches को पूरी तरह साफ-सुथरा बना रहे हैं।

मैंने यहां सिर्फ दो प्रयासों की चर्चा की है, लेकिन, हम आसपास देखें, तो पाएंगे कि देश

के हर किसी हिस्से में, 'स्वच्छता' को लेकर कोई-ना-कोई अनोखा प्रयास जरूर चल रहा है। कुछ ही दिन बाद आने वाले 2 अक्टूबर को 'स्वच्छ भारत मिशन' के 10 साल पूरे हो रहे हैं। यह अवसर उन लोगों के अभिनंदन का है जिन्होंने इसे भारतीय इतिहास का इतना बड़ा जन-आंदोलन बना दिया। ये महात्मा गांधी जी को भी सच्ची श्रद्धांजलि है, जो जीवन पर्यंत, इस उद्देश्य के लिए समर्पित रहे।

ये 'स्वच्छ भारत मिशन' की ही सफलता है कि 'Waste to Wealth' का मंत्र लोगों में लोकप्रिय हो रहा है। लोग 'Reduce, Reuse और Recycle' पर बात करने लगे हैं, उसके उदाहरण देने लगे हैं। अब जैसे मुझे केरला में कोझिकोड में एक शानदार प्रयास के बारे में पता चला। यहां Seventy four (74) year के सुब्रह्मण्यन जी 23 हजार से अधिक कुर्सियों की मरम्मत करके उन्हें दोबारा काम लायक बना चुके हैं। लोग तो उन्हें 'Reduce, Reuse, और Recycle', यानि, RRR (Triple R) Champion भी कहते है। उनके इन अनूठे प्रयासों को कोझिकोड सिविल स्टेशन, PWD और LIC के दफ्तरों में देखा जा सकता है।

स्वच्छता को लेकर जारी अभियान से हमें ज्यादा-से-ज्यादा लोगों को जोड़ना है, और यह एक अभियान, किसी एक दिन का, एक साल का, नहीं होता है, यह युगों-युगों तक निरंतर करने वाला काम है। यह जब तक हमारा स्वभाव बन जाए 'स्वच्छता', तब तक करने का काम है। मेरा आप सबसे आग्रह है कि आप भी अपने परिवार, दोस्तों, पड़ोसियों या सहकर्मियों के साथ मिलकर स्वच्छता अभियान में हिस्सा जरूर ले। मैं एक बार फिर 'स्वच्छ भारत मिशन' की सफलता पर आप सभी को बधाई देता हूँ।

हम सभी को अपनी विरासत पर बहुत गर्व है। और मैं तो हमेशा कहता हूँ 'विकास भी-विरासत भी'। यही वजह है कि मुझे हाल की अपनी अमेरिका यात्रा के एक खास पहलू को लेकर बहुत सारे संदेश मिल रहे हैं। एक बार फिर हमारी प्राचीन कलाकृतियों की वापसी को लेकर बहुत चर्चा हो रही है। मैं इसे लेकर आप सबकी भावनाओं को समझ सकता हूँ और 'मन की बात' के श्रोताओं को भी इस बारे में बताना चाहता हूँ। अमेरिका की मेरी यात्रा के दौरान अमेरिकी सरकार ने भारत को करीब 300 प्राचीन कलाकृतियों को वापस लौटाया है। अमेरिका के राष्ट्रपति बाइडेन ने पूरा अपनापन दिखाते हुए डेलावेयर (Delaware) के अपने निजी आवास में इनमें से कुछ कलाकृतियों को मुझे दिखाया। लौटाई गईं कलाकृतियाँ Terracotta, Stone, हाथी के दांत, लकड़ी,

तांबा और कांसे जैसी चीजों से बनी हुई है। इनमें से कई तो चार हजार साल पुरानी हैं। चार हजार साल पुरानी कलाकृतियों से लेकर 19वीं सदी तक की कलाकृतियों को अमेरिका ने वापस किया है - इनमें फूलदान, देवी-देवताओं की टेराकोटा (Terracotta) पट्टिकाएं, जैन तीर्थंकरों की प्रतिमाओं के अलावा भगवान बुद्ध और भगवान श्री कृष्ण की मूर्तियाँ भी शामिल हैं। लौटाई गईं चीजों में पशुओं की कई आकृतियाँ भी है। पुरुष और महिलाओं की आकृतियों वाली जम्मू-कश्मीर की Terracotta tiles तो बेहद ही दिलचस्प हैं। इनमें कांसे से बनी भगवान श्री गणेश जी की प्रतिमाएं भी हैं, जो, दक्षिण भारत की हैं। वापस की गई चीजों में बड़ी संख्या में भगवान विष्णु की तस्वीरें भी हैं। ये मुख्य रूप से उत्तर और दक्षिण भारत से जुड़ी है। इन कलाकृतियों को देखकर पता चलता है कि हमारे पूर्वज बारीकियों का कितना ध्यान रखते थे। कला को लेकर उनमें गजब की सूझ-बूझ थी। इनमें से बहुत सी कलाकृतियों को तस्करी और दूसरे अवैध तरीकों से देश के बाहर ले जाया गया था - यह गंभीर अपराध है, एक तरह से यह अपनी विरासत को खत्म करने जैसा है, लेकिन मुझे इस बात की बहुत खुशी है, कि पिछले एक दशक में, ऐसी कई कलाकृतियां, और हमारी बहुत सारी प्राचीन धरोहरों की, घर वापसी हुई है। इस दिशा में, आज, भारत कई देशों के साथ मिलकर काम भी कर रहा है। मुझे विश्वास है जब हम अपनी विरासत पर गर्व करते हैं तो दुनिया भी उसका सम्मान करती है, और उसी का नतीजा है कि आज विश्व के कई देश हमारे यहाँ से गई हुई ऐसी कलाकृतियों को हमें वापस दे रहे हैं।

अगर मैं पूछूं कि कोई बच्चा कौन सी भाषा सबसे आसानी से और जल्दी सीखता है - तो आपका जवाब होगा 'मातृ भाषा'। हमारे देश में लगभग बीस हजार भाषाएं और बोलियाँ हैं और ये सब की सब किसी-न-किसी की तो मातृ-भाषा है ही हैं। कुछ भाषाएं ऐसी हैं जिनका उपयोग करने वालों की संख्या बहुत कम है, लेकिन आपको यह जानकर खुशी होगी, कि उन भाषाओं को संरक्षित करने के लिए, आज, अनोखे प्रयास हो रहे हैं। ऐसी ही एक भाषा है हमारी 'संथाली' भाषा। 'संथाली' को digital Innovation की मदद से नई पहचान देने का अभियान शुरू किया गया है। 'संथाली', हमारे देश के कई राज्यों में रह रहे संथाल जनजातीय समुदाय के लोग बोलते हैं। भारत के अलावा बांग्लादेश, नेपाल और भूटान में भी संथाली बोलने वाले आदिवासी समुदाय मौजूद हैं। संथाली भाषा की online पहचान तैयार करने के लिए ओडिशा के मयूरभंज में रहने वाले श्रीमान रामजीत टुडु एक अभियान चला रहे है। रामजीत जी ने एक ऐसा digital platform तैयार किया है, जहां संथाली भाषा से जुड़े साहित्य को पढ़ा जा सकता है और संथाली भाषा में लिखा जा सकता है। दरअसल कुछ साल पहले जब रामजीत जी ने मोबाईल फोन का इस्तेमाल शुरू किया तो वो इस बात से दुखी हुए कि वो अपनी मातृभाषा में संदेश नहीं दे सकते! इसके बाद वो 'संथाली भाषा' की लिपि 'ओल चिकी' को टाईप करने की संभावनाएं

तलाश करने लगे। अपने कुछ साथियों की मदद से उन्होंने 'ओल चिकी' में टाईप करने की तकनीक विकसित कर ली। आज उनके प्रयासों से 'संथाली' भाषा में लिखे लेख लाखों लोगों तक पहुँच रहें हैं।

जब हमारे दृढ़ संकल्प के साथ सामूहिक भागीदारी का संगम होता है तो पूरे समाज के लिए अद्भुत नतीजे सामने आते हैं। इसका सबसे ताजा उदाहरण है 'एक पेड़ मां के नाम' - ये अभियान अद्भुत अभियान रहा, जन-भागीदारी का ऐसा उदाहरण वाकई बहुत प्रेरित करने वाला है। पर्यावरण संरक्षण को लेकर शुरू किये गए इस अभियान में देश के कोने-कोने में लोगों ने कमाल कर दिखाया है। उत्तर प्रदेश, गुजरात, मध्य प्रदेश, राजस्थान और तेलंगाना ने लक्ष्य से अधिक संख्या में पौधारोपण कर नया रिकार्ड बनाया है। इस अभियान के तहत उत्तर प्रदेश में 26 करोड़ से ज्यादा पौधे लगाए गए। गुजरात के लोगों ने 15 करोड़ से ज्यादा पौधे रोपे। राजस्थान में केवल अगस्त महीने में ही 6 करोड़ से अधिक पौधे लगाए गए हैं। देश के हजारों स्कूल भी इस अभियान में जोर-शोर से हिस्सा ले रहें हैं।

हमारे देश में पेड़ लगाने के अभियान से जुड़े कितने ही उदाहरण सामने आते रहते हैं। ऐसा ही एक उदाहरण है तेलंगाना के के. एन. राजशेखर जी का। पेड़ लगाने के लिए उनकी प्रतिबद्धता हम सब को हैरान कर देती है। करीब चार साल पहले उन्होंने पेड़ लगाने की मुहिम शुरू की। उन्होंने तय किया कि हर रोज एक पेड़ जरूर लगाएगें। उन्होंने इस मुहिम का कठोर व्रत की तरह पालन किया।

वो 1500 से ज्यादा पौधे लगा चुके हैं। सबसे बड़ी बात ये है कि इस साल एक हादसे का शिकार होने के बाद भी वे अपने संकल्प से डिगे नहीं। मैं ऐसे सभी प्रयासों की हृदय से सराहना करता हूँ। मेरा आपसे भी आग्रह है कि 'एक पेड़ मां के नाम' इस पवित्र अभियान से आप जरूर जुड़िए।

आपने देखा होगा, हमारे आस-पास कुछ लोग ऐसे होते हैं जो आपदा में धैर्य नहीं खोते, बल्कि उससे सीखते हैं। ऐसी ही एक महिला है सुबाश्री, जिन्होंने अपने प्रयास से, दुर्लभ और बहुत उपयोगी जड़ी-बूटियों का एक अद्भुत बगीचा तैयार किया है। वो तमिलनाडु के मदुरै की रहने वाली हैं। वैसे तो पेशे से वो एक टीचर हैं, लेकिन औषधीय वनस्पतियों, Medical Herbs के प्रति इन्हें गहरा लगाव है। उनका ये लगाव 80 के दशक में तब शुरू हुआ, जब एक बार, उनके पिता को जहरीले सांप ने काट लिया। तब पारंपरिक जड़ी-बूटियों ने उनके पिता की सेहत सुधारने में काफी मदद की थी। इस घटना के बाद उन्होंने पारंपरिक औषधियों और जड़ी-बूटियों की खोज शुरू की। आज, मदुरई के वेरिचियुर गाँव में उनका अनोखा Herbal Garden है, जिसमें, 500 से ज्यादा दुर्लभ औषधीय पौधे है। अपने इस बगीचे को तैयार करने के लिए उन्होंने कड़ी मेहनत की है। एक-एक पौधे को खोजने के लिए उन्होंने दूर-दूर तक यात्राएं कीं, जानकारियाँ जुटाईं और कई बार दूसरे लोगों से मदद भी मांगी। कोविड के समय उन्होंने Immunity बढ़ाने वाली जड़ी-बूटियाँ लोगों तक पहुँचाई। आज उनके Herbal Garden को देखने के लिए लोग दूर-दूर से आते हैं। वो सभी को Herbal पौधों की जानकारी और उनके उपयोग के बारे में बताती हैं। सुबाश्री हमारी उस पारंपरिक विरासत को आगे बढ़ा रही हैं, जो सैकड़ों वर्षों से, हमारी संस्कृति का हिस्सा है। उनका Herbal Garden हमारे अतीत को भविष्य से जोड़ता है। उन्हें हमारी ढेर सारी शुभकामनाएं।

बदलते हुए इस समय में Nature of Job बदल रही हैं और नए-नए sectors का उभार हो रहा है। जैसे Gaming, Animation, Reel Making, Film Making या Poster Making। अगर इनमें से किसी skill में आप अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं तो आपके Talent को बहुत बड़ा मंच मिल सकता है, अगर आप किसी Band से जुड़े हैं या फिर Community Radio के लिए काम करते हैं, तो भी आपके लिए बहुत बड़ा अवसर है। आपके Talent और Creativity को बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार का सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने 'Create in India' इस theme के तहत 25 Challenges शुरू किए हैं। ये Challenges आपको जरूर दिलचस्प लगेंगे। कुछ Challenges तो Music, Education और यहाँ तक कि Anti-Piracy पर भी Focused हैं। इस आयोजन में कई सारे Professional Organisation भी शामिल हैं, जो, इन Challenges को, अपना पूरा support दे रहे हैं। इनमें शामिल होने के लिए आप wavesindia.org पर login कर सकते हैं। देश-भर के creators से मेरा विशेष आग्रह है कि वे इसमें जरूर हिस्सा लें और अपनी creativity को सामने लाएं।

इस महीने एक और महत्वपूर्ण अभियान के 10 साल पूरे हुए हैं। इस अभियान की सफलता में, देश के बड़े उद्योगों से लेकर छोटे दुकानदारों तक का योगदान शामिल है। मैं बात कर रहा हूँ 'Make In India' की। मुझे ये देखकर बहुत खुशी मिलती है, कि गरीब, मध्यम वर्ग और MSMEs को इस अभियान से बहुत फायदा मिल रहा है। इस अभियान ने हर वर्ग के लोगों को अपना Talent सामने लाने का अवसर दिया है। भारत Manufacturing का Power house बना है और देश की युवा-शक्ति की वजह से दुनिया-भर की नजरें हम पर हैं। Automobiles हो, Textiles हो, Aviation हो, Electronics हो, या फिर Defence, हर Sector में देश का export लगातार बढ़ रहा है। देश में FDI का लगातार बढ़ना भी हमारे 'Make In India' की सफलता की गाथा कह रहा है। अब हम मुख्य रूप से दो चीजों पर focus कर रहे हैं। पहली है 'Quality' यानि, हमारे देश में बनी चीजें global standard की हों। दूसरी है 'Vocal for Local' यानि, स्थानीय चीजों को ज्यादा से ज्यादा बढ़ावा मिले। 'मन की बात' में हमने #MyProductMyPride की भी चर्चा की है। Local Product को बढ़ावा देने से देश के लोगों को किस तरह से फायदा होता है, इसे एक उदाहरण से समझा जा सकता है।

महाराष्ट्र के भंडारा जिले में Textile की एक पुरानी परंपरा है- 'भंडारा टसर सिल्क हैंडलूम' ('Bhandara Tussar Silk Handloom')। टसर सिल्क (Tussar Silk) अपने design, रंग और मजबूती के लिए जानी जाती है। भंडारा के कुछ हिस्सों में 50 से भी अधिक 'Self Help Group,' इसे संरक्षित करने के काम में जुटे हैं। इनमें महिलाओं की बहुत बड़ी भागीदारी है। यह silk तेजी से लोकप्रिय हो रही है और स्थानीय समुदायों को सशक्त बना रही है, और यही तो 'Make In India' की spirit है।

त्योहारों के इस मौसम में आप फिर से अपना पुराना संकल्प भी जरूर दोहराइए। कुछ भी खरीदेंगे, वो, 'Made In India', ही होना चाहिए, कुछ भी gift देंगे, वो भी, 'Made In India' ही होना चाहिए। सिर्फ मिट्टी के दीये खरीदना ही 'Vocal for Local' नहीं है। आपको, अपने क्षेत्र में बने स्थानीय उत्पादों को ज्यादा-से-ज्यादा promote करना चाहिये। ऐसा कोई भी product, जिसे बनाने में भारत के किसी कारीगर का पसीना लगा है, जो भारत की मिट्टी में बना है, वो हमारा गर्व है - हमें इसी गौरव पर हमेशा चार चाँद लगाने हैं।

'मन की बात' के इस Episode में मुझे आपसे जुड़कर बहुत अच्छा लगा। इस कार्यक्रम से जुड़े अपने विचार और सुझाव हमें जरूर भेजियेगा। मुझे आपके पत्रों और संदेशों की प्रतीक्षा है। कुछ ही दिन बाद त्योहारों का season शुरू होने वाला है। नवरात्र से इसकी शुरुआत होगी और फिर अगले दो महीने तक पूजा-पाठ, व्रत-त्योहार, उमंग-उल्लास, चारों तरफ, यही वातावरण छाया रहेगा। ▪

बारडोली सत्याग्रह की सफलता पर महिलाओं ने सरदार की उपाधि प्रदान की

सरदार वल्लभ भाई भारत के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे। भारत की आजादी के बाद वे प्रथम गृह मंत्री और उप-प्रधानमंत्री बने। बारडोली सत्याग्रह का नेतृत्व कर रहे पटेल को सत्याग्रह की सफलता पर वहाँ की महिलाओं ने सरदार की उपाधि प्रदान की। आजादी के बाद विभिन्न रियासतों में बिखरे भारत के भू-राजनीतिक एकीकरण में केंद्रीय भूमिका निभाने के लिए पटेल को भारत का बिस्मार्क और लौह पुरूष भी कहा जाता है।

पटेल का जन्म नडियाद, गुजरात में एक लेउवा/लेवा गुर्जर कृषक परिवार में हुआ था। वे झवेरभाई पटेल एवं लाडबा देवी की चौथी संतान थे। उनकी शिक्षा मुख्यतः स्वाध्याय से ही हुई। लन्दन जाकर उन्होंने बैरिस्टर की पढ़ाई की और वापस आकर अहमदाबाद में वकालत करने लगे। महात्मा गांधी के विचारों से प्रेरित होकर उन्होने भारत के स्वतन्त्रता आन्दोलन में भाग लिया।

खेडा संघर्ष

स्वतन्त्रता आन्दोलन में सरदार पटेल का सबसे पहला और बड़ा योगदान खेडा संघर्ष में हुआ। गुजरात का खेडा खण्ड (डिविजन) उन दिनो भयंकर सूखे की चपेट में था। किसानों ने अंग्रेज सरकार से भारी कर में छूट की मांग की। जब यह स्वीकार नहीं किया गया तो सरदार पटेल, गांधीजी एवं अन्य लोगों ने किसानों का नेतृत्व किया और उन्हे कर न देने के लिये प्रेरित किया।

अन्त में सरकार झुकी और उस वर्ष करों में राहत दी गयी। यह सरदार पटेल की पहली सफलता थी। यद्यपि अधिकांश प्रान्तीय कांग्रेस समितियाँ पटेल के पक्ष में थीं, गांधी जी की इच्छा का आदर करते हुए पटेल जी ने प्रधानमंत्री पद की दौड़ से अपने को दूर रखा और इसके लिये नेहरू का समर्थन किया। उन्हे उप-प्रधानमंत्री एवं गृह मंत्री का कार्य सौंपा गया। किन्तु इसके बाद भी नेहरू और पटेल के सम्बन्ध तनावपूर्ण ही रहे।

सरदार पटेल ने आजादी के ठीक पूर्व (संक्रमण काल में) ही पीवी मेनन के साथ मिलकर कई देसी राज्यों को भारत में मिलाने के लिये कार्य आरम्भ कर दिया था। पटेल और मेनन ने देसी राजाओं को बहुत समझाया कि उन्हे स्वायत्तता देना सम्भव नहीं होगा। इसके परिणाम स्वरूप तीन को छोड़कर शेष सभी राजवाड़ो ने स्वेच्छा से भारत में विलय का प्रस्ताव स्वीकार कर लिया। केवल जम्मू एवं कश्मीर, जूनागढ़ तथा हैदराबाद के राजाओं ने ऐसा करना नहीं स्वीकारा। जूनागढ़ के नवाब के विरुद्ध जब बहुत विरोध हुआ तो वह भागकर पाकिस्तान चला गया और जूनागढ़ भी भारत में मिल गया। जब हैदराबाद के निजाम ने भारत में विलय का प्रस्ताव अस्वीकार कर दिया तो सरदार पटेल ने वहाँ सेना भेजकर निजाम का आत्मसमर्पण करा लिया। किन्तु नेहरू ने कश्मीर को यह कहकर अपने पास रख लिया कि यह समस्या एक अंर्तराष्ट्रीय समस्या है।

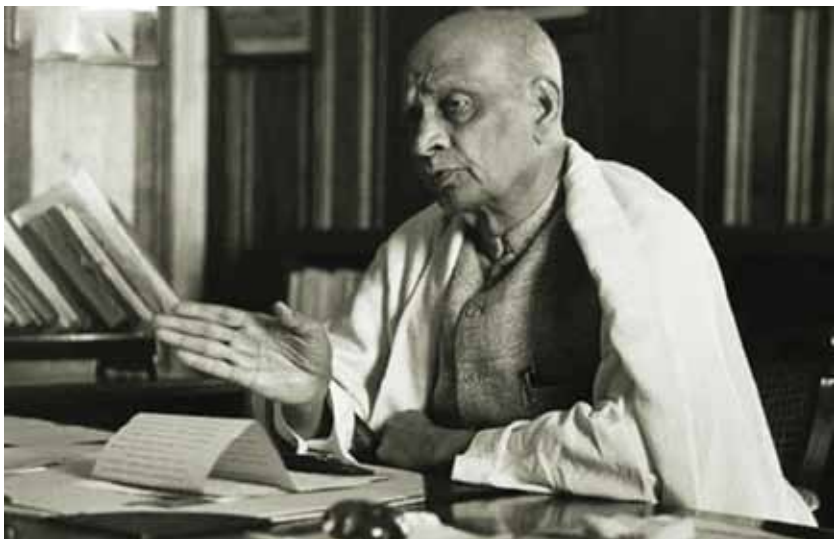

सरदार पटेल ने आजादी के ठीक पूर्व (संक्रमण काल में) ही पीवी मेनन के साथ मिलकर कई देसी राज्यों को भारत में मिलाने के लिये कार्य आरम्भ कर दिया था।

पटेल और मेनन ने देसी राजाओं को बहुत समझाया कि उन्हे स्वायत्तता देना सम्भव नहीं होगा। इसके परिणाम स्वरूप तीन को छोड़कर शेष सभी राजवाड़ो ने स्वेच्छा से भारत में विलय का प्रस्ताव स्वीकार कर लिया।

स्वतंत्र भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पं. नेहरू व प्रथम उपप्रधानमंत्री सरदार पटेल में आकाश-पाताल का अंतर था। यद्यपि दोनों ने इंग्लैण्ड जाकर बैरिस्टरी की डिग्री प्राप्त की थी परंतु सरदार पटेल वकालत में पं. नेहरू से बहुत आगे थे तथा उन्होंने सम्पूर्ण ब्रिटिश साम्राज्य के विद्यार्थियों में सर्वप्रथम स्थान प्राप्त किया था। नेहरू प्रायः सोचते रहते थे, सरदार पटेल उसे कर डालते थे। नेहरू शास्त्रों के ज्ञाता थे, पटेल शस्त्रों के भी पुजारी थे। पटेल ने भी ऊंची शिक्षा पाई थी परंतु उनमें किंचित भी अहंकार नहीं था।

वे स्वयं कहा करते थे, 'मैंने कला या विज्ञान के विशाल गगन में ऊंची उड़ानें नहीं भरीं। मेरा विकास कच्ची झोपड़ियों में

गरीब किसान के खेतों की भूमि और शहरों के गंदे मकानों में हुआ है।' 'पं. नेहरू को गांव की गंदगी, तथा जीवन से चिढ़ थी।' पं. नेहरू अंतर्राष्ट्रीय ख्याति के इच्छुक थे तथा समाजवादी प्रधानमंत्री बनना चाहते थे।

सरदार पटेल की महानतम देन थी 562 छोटी-बड़ी रियासतों का भारतीय संघ में विलीनीकरण करके भारतीय एकता का निर्माण करना। विश्व के इतिहास में एक भी व्यक्ति ऐसा नहीं हुआ जिसने इतनी बड़ी संख्या में राज्यों का एकीकरण करने का साहस किया हो। 13 नवम्बर को सरदार पटेल ने सोमनाथ के भग्न मंदिर के पुनर्निर्माण का संकल्प लिया, जो पंडित नेहरू के तीव्र विरोध के पश्चात भी बना। 1948 में हैदराबाद भी केवल 4 दिन की पुलिस कार्रवाई द्वारा मिला लिया गया। न कोई बम चला, न कोई क्रांति हुई, जैसा कि डराया जा रहा था।

जहां तक कश्मीर रियासत का प्रश्न है इसे पंडित नेहरू ने स्वयं अपने अधिकार में लिया हुआ था, परंतु यह सत्य है कि सरदार पटेल कश्मीर में जनमत संग्रह तथा कश्मीर के मुद्दे को संयुक्त राष्ट्र संघ में ले जाने पर बेहद क्षुब्ध थे। निःसंदेह सरदार पटेल द्वारा यह 562 रियासतों का एकीकरण विश्व इतिहास का एक आश्चर्य था। भारत की यह रक्तहीन क्रांति थी। महात्मा गांधी ने सरदार पटेल को इन रियासतों के बारे में लिखा था, 'रियासतों की समस्या इतनी जटिल थी जिसे केवल तुम ही हल कर सकते थे।' यद्यपि विदेश विभाग पं. नेहरू का कार्यक्षेत्र था, परंतु कई बार उप प्रधानमंत्री होने के नाते कैबिनेट की विदेश विभाग समिति में उनका जाना होता था। उनकी दूरदर्शिता का लाभ यदि उस समय लिया जाता तो अनेक वर्तमान समस्याओं का जन्म नहीं होता। 1950 में पंडित नेहरू को लिखे एक पत्र में पटेल ने चीन तथा उसकी तिब्बत के प्रति नीति से सावधान किया था और चीन का रवैया कपटपूर्ण तथा विश्वासघाती बतलाया था।

अपने पत्र में चीन को अपना दुश्मन, उसके व्यवहार को अभद्रतापूर्ण और चीन के पत्रों की भाषा को किसी दोस्त की नहीं, भावी शत्रु की भाषा कहा था। उन्होंने यह भी लिखा था कि तिब्बत पर चीन का कब्जा नई समस्याओं को जन्म देगा। 1950 में नेपाल के संदर्भ में लिखे पत्रों से भी पं. नेहरू सहमत न थे। 1950 में ही गोवा की स्वतंत्रता के संबंध में चली दो घंटे की कैबिनेट बैठक में लम्बी वार्ता सुनने के पश्चात सरदार पटेल ने केवल इतना कहा 'क्या हम गोवा जाएंगे, केवल दो घंटे की बात है।' 'नेहरू इससे बड़े नाराज हुए थे। यदि पटेल की बात मानी गई होती तो 1961 तक गोवा की स्वतंत्रता की प्रतीक्षा न करनी पड़ती।' ▪

आज भी देशभक्ति के लिए प्रेरित करता है
जय जवान-जय किसान का नारा

मरो नहीं मारो, जय जवान-जय किसान, जैसे नारे देने वाले शास्त्री जी ने भारत सेवक संघ में शामिल होकर अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत की। असहयोग आंदोलन, दांडी मार्च, भारत छोड़ो आंदोलन समेत कई आंदोलनों में लाल बहादुर शास्त्री ने सक्रिय भूमिका अदा की।

सादगी, अटूट देशभक्ति और ईमानदारी। यह परिचय है देश के पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी का। 2 अक्टूबर 1904 को उत्तर प्रदेश के मुगलसराय में मुंशी लाल बहादुर श्रीवास्तव का जन्म हुआ। मुंशी लाल बहादुर श्रीवास्तव अपने घर में सबसे छोटे थे लिहाजा घर वालों ने उन्हें नाम दिया 'नन्हे'। पिता की मौत के बाद नन्हे अपनी मां के साथ मिर्जापुर चले गए। मिर्जापुर में नन्हे अपने नाना के साथ रहने लगे। मिर्जापुर में ही नन्हे ने प्राथमिक शिक्षा हासिल की। जब लाल बहादुर श्रीवास्तव काशी विद्यापीठ से पढ़कर निकले तो उन्हें शास्त्री की उपाधि दी गई। बस इसी के बाद से ही लाल बहादुर श्रीवास्तव ने अपने नाम के अंत से जाति सूचक शब्द हटा लिया और वो बन गए लाल बहादुर शास्त्री।

साल 1920 में शास्त्री जी आजादी की लड़ाई में कूद पड़े। शास्त्री जी गांधीवादी नेता थे उन्होंने सम्पूर्ण जीवन देश और गरीबों की सेवा में लगा दिया। जब लाल बहादुर शास्त्री ने महात्मा गांधी के असहयोग आंदोलन में हिस्सा लिया था तब वो थोड़े समय के लिए जेल चले गए थे। लेकिन जेल से निकलते ही उन्होंने तत्कालीन काशी विद्यापीठ से संस्कृत भाषा में स्नातक स्तर की परीक्षा पास की और शास्त्री की उपाधि से नवाजे गए। मरो नहीं मारो, जय जवान-जय किसान, जैसे नारे देने वाले शास्त्री जी ने भारत सेवक संघ में शामिल होकर अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत की। असहयोग आंदोलन, दांडी मार्च, भारत छोड़ो आंदोलन समेत कई आंदोलनों में लाल बहादुर शास्त्री ने सक्रिय भूमिका अदा की।

भारत के आजाद होने के बाद सन् 1961 में लाल बहादुर शास्त्री गृह मंत्री के प्रभावशाली पद पर आसीन हुए। पंडित जवाहर लाल नेहरू के निधन के बाद सन् 1964 में शास्त्री जी देश के प्रधानमंत्री बने। जम्मू-कश्मीर के विवादित प्रांत पर पड़ोसी पाकिस्तान के साथ 1965 में हुए युद्ध में उनके द्वारा दिखाई गई दृढ़ता के लिए उनकी बहुत प्रशंसा हुई। ताशकंद में पाकिस्तान के राष्ट्रपति अयूब खान के साथ युद्ध न करने की ताशकंद घोषणा के समझौते पर हस्ताक्षर करने के बाद उनकी मृत्यु हो गई। उन्हें मरणोपरान्त वर्ष 1966 में भारत रत्न से भी सम्मानित किया गया। शास्त्रीजी की मृत्यु जिस संदिग्ध अवस्था में हुई उसकी सच्चाई का अभी तक पता नहीं चला है, ताशकंद की धरती पर जिस भारत पाक संधि पर हस्ताक्षर किया गया, उस दबाव में तो उनकी मृत्यु नहीं हुई, वह सवाल आज भी सवाल बना हुआ है। ▪

आत्म शुद्धि के बिना अहिंसा का पालन असंभव : गांधीजी

इससे आगे का मेरा जीवन इतना अधिक सार्वजनिक हो गया है कि शायद ही कोई चीज ऐसी हो, जिसे जनता जानती न हो। फिर सन् 1921 से मैं कांग्रेस के नेताओं के साथ इतना अधिक ओत-प्रोत होकर रहा हूं कि किसी प्रसंग का वर्णन नेताओं के संबंध की चर्चा किए बिना मैं यथार्थ रूप में कर ही नहीं सकता। ये संबंध अभी ताजे हैं। श्रद्धानंदजी, देशबंधु, लालाजी और हकीम साहब आज हमारे बीच नहीं हैं, पर सौभाग्य से दूसरे कई नेता अभी मौजूद हैं। कांग्रेस के महान परिवर्तन के बाद का इतिहास अभी तैयार हो रहा है। मेरे मुख्य प्रयोग कांग्रेस के माध्यम से हुए हैं। अतएव, उन प्रयोगों के वर्णन में नेताओं के संबंधों की चर्चा अनिवार्य है। शिष्टता के विचार से भी फिलहाल तो मैं ऐसा कर ही नहीं सकता। अंतिम बात यह है कि इस समय चल रहे प्रयोगों के बारे में मेरे निर्णय निश्चयात्मक नहीं माने जा सकते। अतएव, इन प्रकरणों को तत्काल तो बंद कर देना ही मुझे अपना कर्तव्य मालूम होता है। यह कहना गलत नहीं होगा कि इसके आगे मेरी कलम ही चलने से इनकार करती है।

पाठकों से विदा लेते हुए मुझे दुःख होता है। मेरे निकट अपने इन प्रयोगों की बड़ी कीमत है। मैं नहीं जानता कि मैं उनका यथार्थ वर्णन कर सका हूं या नहीं। यथार्थ वर्णन करने में मैंने कोई कसर नहीं रखी है। सत्य को मैने जिस रूप में देखा है, जिस मार्ग से देखा है, उसे उसी तरह प्रकट करने का मैंने सतत् प्रयत्न किया है और पाठकों के लिए उसका वर्णन करके चित्त में शांति का अनुभव किया है, क्योंकि मैंने आशा यह रखी है कि इससे पाठकों में सत्य और अहिंसा के प्रति अधिक आस्था उत्पन्न होगी। सत्य से भिन्न कोई परमेश्वर है, ऐसा मैंने कभी अनुभव नहीं किया। यदि इन प्रकरणों के पन्ने-पन्ने से यह प्रतीति न हुई हो कि सत्यमय बनने का एकमात्र मार्ग अहिंसा ही है तो प्रयत्न को व्यर्थ समझता हूं। प्रयत्न चाहे व्यर्थ हो, किंतु वचन व्यर्थ नहीं है। मेरी अहिंसा सच्ची होने पर भी कच्ची है, अपूर्ण है। अतएव, हजारों सूर्यों को इकट्ठा करने से भी जिस सत्य रूपी सूर्य के तेज का पूरा माप नहीं निकल सकता, सत्य की मेरी झाँकी ऐसे सूर्य की केवल एक किरण के दर्शन के समान ही है। आज तक के अपने प्रयोगों के अंत में मैं इतना तो अवश्य कह सकता हूं कि सत्य का संपूर्ण दर्शन संपूर्ण अहिंसा के बिना असंभव है। ऐसे व्यापक सत्य-नारायण के प्रत्यक्ष दर्शन के लिए जीवमात्र

के प्रति आत्मवत् प्रेम की परम आवश्यकता है और जो मनुष्य ऐसा करना चाहता है, वह जीवन के किसी भी क्षेत्र से बाहर नहीं रह सकता। यही कारण है कि सत्य की मेरी पूजा मुझे राजनीति में खींच लाई है। जो मनुष्य यह कहता है कि धर्म का राजनीति के साथ कोई संबंध नहीं है, वह धर्म को नहीं जानता, ऐसा कहने में मुझे संकोच नहीं होता।

बिना आत्मशुद्धि के जीवमात्र के साथ ऐक्य सध ही नहीं सकता। आत्मशुद्धि के बिना अहिंसा-धर्म का पालन सर्वथा असंभव है। अशुद्ध आत्मा परमात्मा के दर्शन करने में असमर्थ है। अतएव, जीवन-मार्ग के सभी क्षेत्रों में शुद्धि की आवश्यकता है।

यह शुद्धि साध्य है, क्योंकि व्यष्टि और समष्टि के बीच ऐसा निकट का संबंध है कि एक की शुद्धि अनेकों की शुद्धि के बराबर हो जाती है और व्यक्तिगत प्रयत्न करने की शक्ति तो सत्य-नारायण ने सबको जन्म से ही दी है। लेकिन मैं प्रतिक्षण यह अनुभव करता हूं कि शुद्धि का यह मार्ग विकट है। शुद्ध बनने का अर्थ है- मन से, वचन से और काया से निर्विकार बनना, राग-द्वेषादि से रहित होना। इस निर्विकारता तक पहुँचने का प्रतिक्षण प्रयत्न करते हुए भी मैं वहां पहुंच नहीं पाया हूं, इसलिए लोगों की स्तुति मुझे भुलावे में नहीं डाल सकती। उलटे यह स्तुति प्रायः तीव्र वेदना पहुंचाती है।

जो मनुष्य यह कहता है कि धर्म का राजनीति के साथ कोई संबंध नहीं है, वह धर्म को नहीं जानता, ऐसा कहने में मुझे संकोच नहीं होता।

मन के विकारों को जीतना, संसार को शस्त्र-युद्ध से जीतने की अपेक्षा मुझे अधिक कठिन मालूम होता है। हिंदुस्तान आने के बाद भी मैं अपने भीतर छिपे हुए विकारों को देख सका हूं शर्मिंदा हुआ हूं, किंतु हारा नहीं हूं। सत्य के प्रयोग करते हुए मैंने आनंद लूटा है और आज भी लूट रहा हूं। लेकिन मैं जानता हूं कि अभी मुझे विकट मार्ग तय करना है। इसके लिए मुझे शून्यवत बनना है। मनुष्य जब तक स्वेच्छा से अपने को सबसे नीचे नहीं रखता, तब तक उसे मुक्ति नहीं मिलती।

अहिंसा नम्रता की पराकाष्ठा है और यह अनुभव सिद्ध बात है कि इस नम्रता के बिना मुक्ति कभी नहीं मिलती। ऐसी नम्रता के लिए प्रार्थना करते हुए और उसके लिए संसार की सहायता की याचना करते हुए इस समय तो मैं इन प्रकरणों को बंद करता हूं। ▪

त्याग एवं समर्पण की प्रतिमूर्ति
राजमाता विजया राजे सिंधिया

राजमाता विजया राजे सिंधिया का जन्म 12 अक्टूबर, 1919 में सागर, मध्य प्रदेश के राणा परिवार में हुआ था। श्रीमती विजया राजे सिंधिया के पिता श्री महेन्द्रसिंह ठाकुर जालौन जिला के डिप्टी कलेक्टर थे और उनकी माता श्रीमती विंदेश्वरी देवी थीं। श्रीमती विजया राजे सिंधिया का विवाह के पूर्व का नाम लेखा दिव्येश्वरी था। राजमाता सिंधिया के पुत्र श्री माधवराव सिंधिया, पुत्री श्रीमती वसुंधरा राजे सिंधिया और श्रीमती यशोधरा राजे सिंधिया हैं।

श्रीमती विजया राजे सिंधिया को ग्वालियर की राजमाता के रूप में जाना जाता था। भारत के विशालतम और संपन्नतम राजे-रजवाड़ों में से ग्वालियर एक था। उस रियासत के महाराजा के साथ उनका विवाह हुआ था। 1957 में श्रीमती विजया राजे सिंधिया ने कांग्रेस से चुनाव लड़ा और वे विजयी हुईं। अपने पति के स्वर्गवास के बाद सन् 1962 में कांग्रेस के टिकट पर वे संसद सदस्य बनीं। पांच साल के बाद अपने सैद्धान्तिक मूल्यों के कारण वे कांग्रेस छोड़कर जनसंघ में शामिल हो गईं। एक राज परिवार से रहते हुए भी वे अपनी ईमानदारी, सादगी और प्रतिबद्धता के कारण पार्टी में सर्वप्रिय बन गईं। शीघ्र ही वे पार्टी में शक्ति स्तंभ के रूप में सामने आईं।

राजमाता विजया राजे सिंधिया भारतीय जनता पार्टी के संस्थापकों में से एक थीं। राजमाता ने जनसंघ और भाजपा के कई प्रमुख नेताओं जैसे- श्री अटल बिहारी वाजपेयी और श्री लालकृष्ण आडवाणी के साथ काम किया। यही नहीं, मध्य प्रदेश की राजनीति में भी उनका महत्वपूर्ण योगदान है।

राजमाता विजया राजे सिंधिया भारतीय जनता पार्टी के संस्थापकों में से एक थीं। राजमाता ने जनसंघ और भाजपा के कई प्रमुख नेताओं जैसे- श्री अटल बिहारी वाजपेयी और श्री लालकृष्ण आडवाणी के साथ काम किया।

1967 में मध्य प्रदेश में सरकार गठन में उन्होंने बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। हालांकि, श्रीमती विजया राजे सिंधिया का सार्वजनिक जीवन प्रभावशाली और आकर्षक था, लेकिन उन्होंने अपने व्यक्तिगत जीवन में मुश्किलों का सामना किया। सन् 1989 के आम चुनाव में राजमाता विजया राजे सिंधिया ने एक बार फिर गुना से भाजपा प्रत्याशी के रूप में जीत दर्ज कीं। इससे पहले 22 साल पूर्व सन् 1967 में राजमाता यहां से जीती थीं। 1991 के चुनाव में श्रीमती विजया राजे सिंधिया ने कांग्रेस प्रत्याशी को पराजित किया। राजमाता सिंधिया सिद्धांतों के प्रति समर्पित सांस्कृतिक राष्ट्रवाद से ओतप्रोत विदुषी जननायक थीं। उन्होंने महलों के वैभव को छोड़कर जनता के न्याय के लिए संघर्ष का मार्ग स्वीकार किया और सड़कों पर उतरकर राजमाता से लोकमाता बन गईं। उन्होंने समर्पित जीवन जिया। सेवा की उनमें ललक थी। सादगी और सरलता उनका स्वभाव था। राजमाता का मानना था की अपनों की जड़ खोदकर कभी कोई दूसरों का चहेता नहीं बना है। राजमाता सिंधिया लंबे समय तक महिलाओं से जुड़ी रहीं और उन्हें सदैव प्रेरित करती थीं।

वे हमेशा सेवा के लिए समर्पित रहीं। उन्हें पद और सत्ता ने कभी आकर्षित नहीं किया। उन्होंने सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के लिए खुद को पूरी तरह समर्पित कर दिया। राजमाता त्याग एवं समर्पण की प्रतिमूर्ति थी। राजमाता विजया राजे सिंधिया ने लोगों के दिलों पर बरसों राज किया।

सत्ता के शिखर पर रहने के बाद भी उन्होंने जनसेवा से कभी अपना मुख नहीं मोड़ा। राजमाता का सपना था कि जब देश में कमल खिलेगा तभी अंतिम सांस लेंगी। यह स्वप्न पूरा भी हुआ और श्री अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में केंद्र में सरकार बनी। सन् 1998 से राजमाता का स्वास्थ्य खराब रहने लगा और 25 जनवरी, 2001 में राजमाता विजया राजे सिंधिया का स्वर्गवास हो गया। ▪

संस्कृति राष्ट्र की आत्मा है

पं. दीनदयाल उपाध्याय

आम लोगों ने संघ कार्य के अनेक रूपों का विचार किया होगा। एक प्रश्न हमारे सामने यह भी आता है कि समय-समय पर हम कहते हैं कि हमारा कार्य सांस्कृतिक अधिष्ठान पर खड़ा है। इस दृष्टि से यह जिज्ञासा होना स्वाभाविक ही है कि वह संस्कृति क्या है? संघ की प्रतिज्ञा में भी हम ऐसा कहते हैं, 'हिंदू धर्म, हिंदू संस्कृति की रक्षा कर हिंदू समाज की सर्वांगीण उन्नति करने के लिए हम संघ के घटक बने हैं।' बिना संस्कृति संरक्षण के राष्ट्र की उन्नति नहीं हो सकती, यह भी हम स्वीकारते हैं।

आखिर संस्कृति है क्या? हम यह भी देखते हैं कि संस्कृति के नाम पर आज देश में बहुत से कार्य प्रारंभ हो गए हैं। हर कहीं हम Cultural progress का नाम सुनते हैं। हमारे कलाकार सांस्कृतिक शिष्टमंडलों के रूप में विदेश जाते हैं, अन्य देशों से हम संस्कृति का संबंध जोड़ते हैं आदि। कहने का तात्पर्य यह कि हम नाच-गान को ही संस्कृति मान बैठते हैं।

भारत के विचारकों के समक्ष यह प्रश्न उपस्थित होता है कि क्या गाना, नाचना, नाटक खेलना मात्र ही संस्कृति है। यदि यही संस्कृति की परिभाषा है तो इसका प्रचार हमारे पूर्वज ऋषियों, विद्वानों, स्वामी विवेकानंद जैसे लोगों द्वारा न होकर फिल्म अभिनेता तथा अभिनेत्रियों द्वारा ही होगा।

संस्कृति शब्द को आज गलत अर्थ ही दिया गया है। यह अज्ञानवश हो सकता है और जानबूझकर भी। जानबूझकर इसलिए कि अपनी स्वार्थपूर्ति के लिए वे संस्कृति शब्द का उपयोग उन लोगों में गलत धारणा पैदा करके अपना उल्लू सीधा करना चाहते हैं। जैसे डालडा को घी की संज्ञा देने से यह बात स्पष्ट है। घी शब्द के बारे में लोगों की धारणा अच्छी है। इसलिए डालडा के साथ साफ किया हुआ तेल-ऐसा न जोड़कर घी शब्द जोड़ दिया गया है। कुछ समय उपरांत लोग इस डालडा को ही वास्तविक घी समझकर इसका उपयोग करने में लज्जा महसूस नहीं करेंगे। ठीक यही बात संस्कृति के संबंध में है। संस्कृति के प्रति जिनकी श्रद्धा है, उन्हें गलत रास्ते पर डालने के लिए इस नवीन संस्कृति का प्रचार किया जा रहा है। राष्ट्रीयता के संबंध में भी यही बात हुई। हमें Indian Nationalism की भ्रांत धारणा दी गई और कहा गया कि मुसलमान, ईसाई सभी यहां के राष्ट्रीय हैं। सिक्खों को यह गलत धारणा दी गई कि वे हिंदू नहीं हैं आदि।

प्रत्येक राष्ट्र में राष्ट्रीयता की भावना जिससे बनी रहे, वही संस्कृति का आधार माना जाता है। संस्कृति राष्ट्र की आत्मा है। आत्मा निकल जाने के पश्चात जैसे सब अंग-प्रत्यंग निश्चेष्ट हो जाते हैं। उसी प्रकार की अवस्था संस्कृति का लोप हो जाने से राष्ट्र की होती है। जैसे यूनान और मिस्र का प्राचीन राज्य समाप्त हो गया।

इसका यह अर्थ तो नहीं कि वहां की भूमि, नदियां, पर्वत, व्यक्ति आदि नष्ट हो गए। ये वस्तुएं तो ज्यों-की-त्यों बनी रहती हैं, परंतु व्यक्ति को एक सूत्र में बांधने की जो शत संस्कृति में है, वह शत समाप्त हो जाती है।

आज सांस्कृतिक कार्यक्रमों के बारे में इसी कारण लोगों की कल्पना नाचने-गाने की ही हो गई है। एक व्यक्ति ने पूछा कि आप कहते हैं कि हमारा कार्य सांस्कृतिक है, परंतु हमें तो ऐसा दिखाई नहीं देता, क्योंकि वहां तो नाच-गाना होता नहीं। फिर मैंने व्यंग्य कसते हुए कहा कि जिस प्रकार नाचने-गाने में वे स्वर-ताल का ध्यान रखते हैं, इसी प्रकार संघ के कार्यक्रमों में एक कहने पर बायां पैर और दो कहने पर दायां पैर निकलता है और एक ताल के अनुसार कार्य होता है, इसलिए यह भी सांस्कृतिक हुआ।

संस्कृति के पीछे क्या भाव है, यह समझना

कुछ कठिन है। संस्कृति शब्द का प्रयोग वेदों को छोड़कर अन्य प्राचीन वाङ्मय में नहीं हुआ। संस्कृति को धर्म के अंतर्गत ही मान लिया गया था, परंतु आज संस्कृति शब्द का व्यापक प्रचार होने के कारण लोग इस शब्द को सुनकर चौंकते नहीं। कुछ लोगों ने इसे Culture के अनुवाद के रूप में स्वीकार किया है। यह भी संभावना हो सकती है कि यह शब्द स्वतंत्र रूप से विकसित हुआ हो। संस्कृति से मिलता-जुलता संस्कार शब्द हमारा पूर्व परिचित शब्द है। हमारे यहां सोलह संस्कार होते हैं, संस्कारों से मनुष्य बनता है, बिना संस्कार के वह पशु समान है- ऐसा बराबर सुनने में आता है। साधारणतया हम कह सकते हैं कि जो बाह्य वातावरण है, उसका मनुष्य पर जो परिणाम होता है, उसे हम संस्कार (Impression) कह सकते हैं।

परंतु संस्कार अच्छे और बुरे दोनों हो सकते हैं। किसी को चोरी की आदत लग जाए तो हम कहेंगे, उस पर बुरे संस्कार पड़े हैं। परंतु जब हम संस्कार कहते हैं तो उससे हमारा अभिप्राय अच्छे संस्कार से ही होता है। बुरे संस्कारों के लिए हम कुसंस्कार शब्द का प्रयोग करेंगे। जैसे चरित्रवान कहने से हमारा आशय अच्छे चरित्र वाले व्यक्ति से होता है, जबकि बुरे चरित्र वाले व्यक्ति के लिए हम चरित्रहीन शब्द का प्रयोग करते हैं।

अतः संस्कृति का अर्थ हुआ, अच्छे संस्कारों का परिणाम (प्रभाव)। मलयालम भाषा में हिंदू संस्कृति के लिए हिंदू संस्कार शब्द का प्रयोग होता है। स्वाभाविक प्रश्न उठता है कि किन संस्कारों को हम अच्छा कहेंगे और किनको बुरा। इसकी व्याख्या करना सरल नहीं। पर एक छोटी सी कसौटी तो है। वह यह कि समाज के ध्येय के लिए जो पोषक है, वह अच्छा और जो बाधक है, वह बुरा। जैसे यदि हमारा लक्ष्य दिल्ली जाना है, तो जो रेलगाड़ी या मोटरगाड़ी उधर ले जाने में सहायक हो, वह अच्छी और जो विपरीत दिशा में ले जानेवाली है, वह बुरी।

परंतु दूसरा प्रश्न उत्पन्न होता है कि ध्येय क्या है? इस संबंध में हम इतना जानते हैं कि हमारी जो एकात्मकता है, एकीकरण है, इसकी अनुभूति ही हमारा ध्येय है। जब सब लोग एकता का अनुभव करें, तभी समाज अथवा राष्ट्र बनता है। यदि हम राष्ट्र के नाते जीवित रहना चाहते हैं तो एकात्मकता की अनुभूति जिससे होगी, वही हमारा ध्येय होगा।

यदि पांव में कांटा चुभ जाए और पता न लगे कि कहां चुभा है तो चिंता होने लगती है। शरीर के कण-कण की जब तक ठीक अनुभूति रहती है, तब तक ठीक है, परंतु जब बेहोशी आदि में शरीर का ज्ञान नहीं रहता, क्रियाओं, चेष्टाओं का ज्ञान नहीं रहता तो वह स्थिति चिंताजनक होती है और सारा शरीर गया, ऐसा लगने लगता है। जैसे लकवे में, हाथ होते हुए भी हाथ की क्रिया रुक जाती है, हाथ की अनुभूति नहीं होती। जब तक शरीर में चेतना है, अंगों का संबंध बराबर बना रहता है।

तभी तक हममें सामर्थ्य है, जीवन है। इसी प्रकार राष्ट्र रूपी शरीर में चेतना बनाए रखना आवश्यक है। अतः जिन कारणों से राष्ट्र में चेतना का निर्माण होता है, वे अच्छे और दूसरे बुरे।

प्रत्येक राष्ट्र में राष्ट्रीयता की भावना जिससे बनी रहे, वही संस्कृति का आधार माना जाता है। संस्कृति राष्ट्र की आत्मा है। आत्मा निकल जाने के पश्चात जैसे सब अंग-प्रत्यंग निश्चेष्ट हो जाते हैं। उसी प्रकार की अवस्था संस्कृति का लोप हो जाने से राष्ट्र की होती है। जैसे यूनान और मिस्र का प्राचीन राज्य समाप्त हो गया। इसका यह अर्थ तो नहीं कि वहां की भूमि, नदियां, पर्वत, व्यक्ति आदि नष्ट हो गए। ये वस्तुएं तो ज्यों-की-त्यों बनी रहती हैं, परंतु व्यक्ति को एकसूत्र में बांधने की जो शक्ति संस्कृति में है, वह शक्ति समाप्त हो जाती है। लकड़ियों को सूत के धागे से बांधा जा सकता है परंतु व्यक्ति-व्यक्ति को बांधने वाला सूत्र संस्कृति ही है। यह सूत्र वर्तमान प्राणियों के अतिरिक्त हमारा संबंध हमारे पूर्वजों अर्थात् राम, कृष्ण, शिवा, प्रताप, गोविंद सिंह आदि से तथा आगे जन्म लेने वालों से भी जोड़ देता है। इसी के बूते पर राष्ट्र टिक सकता है। अतः राष्ट्र रूप में जीवित रहने के लिए यही संस्कृति प्राप्तव्य है। अतः सिद्ध हुआ कि सारे समाज को आपस में जोड़ने वाला नाता संस्कृति है। जिन कार्यक्रमों से यह नाता जुड़ता है, वह संस्कार तथा जिन कार्यों से यह नाता टूटने लगता है, वे कु-संस्कार।

डाकुओं में जो स्वार्थ के कारण एकता है, क्या उसे भी संस्कृति मानें? उत्तर मिलेगा- 'नहीं।' कुछ देशों की संस्कृति का आधार यद्यपि यह भी है। जैसे अरब में मुसलमानों का संगठन लूट-खसोट के आधार पर ही किया इसी प्रकार इंग्लैंड भी सामूहिक स्वार्थ के नाम पर ही खड़ा हुआ।

परंतु हमने स्वार्थ के आधार पर एकता खड़ी नहीं की। यही हमारी और दूसरों की संस्कृति में अंतर है। जैसे मां से प्रेम करने के भिन्न-भिन्न आधार हो सकते हैं। इसी प्रकार विवाह के भी भिन्न आधार हो सकते हैं। एक यह कि विवाह दो प्राणियों का एकात्मकता के नाते आगे बढ़ना इसलिए है कि घर की देखभाल के लिए पत्नी मिल जाएगी। इसी प्रकार परिवार में हमारे माता-पिता भी शामिल होंगे। परंतु यूरोप में परिवार में मां-बाप नहीं होते।

जीवन में सभी चीजों की ओर देखने की हमारी दृष्टि कुछ भिन्न है। कुछ राष्ट्रों में ईमानदारी को व्यापार के लिए सर्वोत्तम नीति माना जाता है, परंतु हम इसे व्यापार की नीति के रूप में नहीं अपितु जीवन की नीति के रूप में अपनाना चाहते हैं।

प्रत्येक व्यक्ति की अलग-अलग रुचि होती है। यह रुचि भिन्नता मूलतः सब प्राणियों में विद्यमान है। इसी प्रकार राष्ट्रों में भी रुचि भिन्नता है, अपनी-अपनी विशेषता है। सबके आधार भिन्न-भिन्न रहते हैं। इसके कारण हमारे देश में भी कुछ चीजें हमें रंजित करती हैं और कुछ नहीं। हमारी विशेष प्रवृत्ति है, जिसके आधार पर हम संगठन करते हैं। वह प्रवृत्ति स्वार्थ की नहीं, निःस्वार्थ भाव की है। ▪

(राष्ट्र जीवन की दिशा से साभार)

▪ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने लाड़ली बहनों के बैंक खातों में 1574 करोड़ रुपए अंतरित किए।

▪ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव तथा प्रदेश अध्यक्ष श्री विष्णुदत्त शर्मा ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी को पुष्पांजलि अर्पित की।

▪ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, प्रदेश अध्यक्ष श्री विष्णुदत्त शर्मा ने सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत प्रदेश कार्यालय में प्रर्दशनी का शुभारंभ किया।

▪ प्रदेश अध्यक्ष श्री विष्णुदत्त शर्मा जी ने सदस्यता अभियान के अंर्तगत सदस्यता दिलवाई।

▪ प्रदेश अध्यक्ष श्री विष्णुदत्त शर्मा जी ने सदस्यता अभियान के अंर्तगत सदस्यता दिलवाई।

▪ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी ने सदस्यता अभियान के अंर्तगत सदस्यता दिलवाई।

▪ प्रदेश अध्यक्ष श्री विष्णुदत्त शर्मा जी ने युवा सदस्यता कार्यक्रम में पार्टी की सदस्यता दिलायी।

▪ प्रदेश अध्यक्ष श्री विष्णुदत्त शर्मा जी एवं संगठन महामंत्री श्री हितानंद जी ने रक्तदान शिविर का शुभारंभ किया।

अनेकता में एकता और विभिन्न रूपों में एकता की अभिव्यक्ति भारतीय संस्कृति की सोच रही है

दीनदयाल उपाध्याय